राजस्थान पुरातन ग्रन्थ माला
ग्रंथांक 215

राजस्थानी- हिन्दी हस्तलिखित ग्रन्थ सूची-पत्र

भाग - 25 (बीकानेर संग्रह)

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
2011

राजस्थान पुरातन ग्रन्थ माला
ग्रंथांक 215

राजस्थानी- हिन्दी हस्तलिखित ग्रन्थ सूची-पत्र

भाग - 25 (बीकानेर संग्रह)

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
2011

पुरातन ग्रंथ माला क्र. 215
भाग–25

राजस्थानी – हिन्दी हस्तलिखित ग्रन्थ सूची–पत्र

(आनन्द विनय, उपाध्याय विवेकवर्द्धन, आर्या मगनश्री छगनश्री, हिम्मतविजय यति
आदि फुटकर संग्रह, बीकानेर)

[26944-29429]

सम्पादक
डॉ. कृष्णलाल विश्नोई
वरिष्ठ शोध सहायक
रा.प्रा.वि.प्र., बीकानेर

प्रकाशक
राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर

Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
2011

मूल्य : 215/-

प्रकाशक

दूरभाष : 0291-2430244

वेबसाईट : www.rori.nic.in

प्रथम संस्करण : 2011 ई.
500 प्रतियां

मूल्य 215

मुद्रक : राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर

विषय तालिका

निदेशकीय वक्तव्य

बीकानेर में हस्तलिखित ग्रंथों का अथाह भण्डार है। प्रसिद्ध पुरातत्वाचार्य पद्मश्री मुनि जिनविजय के अथक प्रयासों से श्री पूज्य जिन चरित्र सूरि ने अपना हस्तलिखित ग्रंथ संग्रह राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान बीकानेर को सहर्ष भेंट स्वरूप प्रदान किया। वे शाखा कार्यालय के उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने स्थानीय यतिजनों को भी अपने निजी संग्रहों को प्रतिष्ठान को भेंट स्वरूप प्रदान करने को कहा। उनके सद्प्रयत्नों से यहाँ के श्री आनन्द विनय, श्री विवेक वर्द्धन, आर्या मगनश्री छगनश्री और पन्यास हिम्मत विजय ने अपने प्राकृत-संस्कृत और हिन्दी-राजस्थानी के सभी हस्तलिखित ग्रंथ प्रतिष्ठान को प्रदान कर दिये।

बीकानेर शाखा कार्यालय में इन संग्रहों के परिग्रहणांक इस प्रकार है-

श्री आनन्द विनय	हस्तलिखित ग्रंथ संग्रह	26944 से 27769
श्री विवेक वर्द्धन	'' '' '' ''	27770 से 27998
आर्या मगनश्री छगनश्री	'' '' '' ''	27999 से 28699
श्री हिम्मत विजय	'' '' '' ''	28700 से 29429

उपरोक्त संग्रहों के ग्रंथों का परिग्रहणांक 26944 से 29429 है। प्रस्तुत कैटलॉग राजस्थानी - हिन्दी ग्रंथों का है तथा इसमें 1396 ह.लि.ग्रं. है। इन चारों हस्तलिखित ग्रंथ संग्रहों के सूचीकरण निर्माण करते समय सम्पादक को प्राच्य विद्या के विविध विषयों, दार्शनिक सिद्धान्तों और विविध शैलियों की मौलिक एवं टीका रचनाओं का पता चला है। इन संग्रहों में 15वीं शती से 20वीं शती तक के हस्तलिखित ग्रंथ उपलब्ध है। संग्रहों के काफी ग्रंथों की लिपिकरण का कार्य स्वयं संग्रह प्रदाताओं ने किया है। आनन्द विनय संग्रह के सभी ग्रंथ बहुत ही सुन्दर लिखावट में है। इन संग्रहों के अनेक हस्तलिखित ग्रंथ (दुर्लभ, चित्रित) अप्राप्य है।

राजस्थानी-हिन्दी हस्तलिखित ग्रंथों के इस संग्रह के अधिकतर ग्रंथ जैन विषय के हैं। केवल 146 ग्रंथ ही अन्य विषयों के हैं। क्रमांक 1364 से 1396 तक फुटकर चित्र हैं। चित्रित ग्रंथों में ग्रंथांक 27877 योगासन, पत्र 108 बहुत ही महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त भी कई पट्यन्त्र भी बहुत अच्छे हैं। इसी सूची-पत्र निर्माण से शोधार्थियों को सहज ही ग्रंथ उपलब्ध हो सकेंगे। सूची-पत्र निर्माण में प्रतिष्ठान के वरिष्ठ शोध अधिकारी डॉ. कृष्णलाल विश्नोई ने बड़ी मेहनत से कार्य किया है। वे साधुवाद के पात्र हैं।

निदेशक
श्यामसिंह राजपुरोहित
आर.ए.एस

सम्पादकीय वक्तव्य

राजस्थानी-हिन्दी हस्तलिखित ग्रंथ सूची पत्र क्रमांक 215, भाग संख्या 25, आनन्द विनय आदि फुटकर संग्रह बीकानेर में क्रमांक 26944-29429 (कुल रचनाएं 2487) हैं, जिनमें 1396 हिन्दी-राजस्थानी की रचनाएं वर्तमान में हैं। श्री आनन्द विनय संग्रह 26944-27769=193, उपाध्याय श्री विवेक वर्द्धन संग्रह 27770-27998=155, आर्या मगन श्री छनश्री संग्रह 27999-28699=571 एवं हिम्मतविजय यति संग्रह 28700-29429=477 हिन्दी राजस्थानी रचनाएं हैं।

इस सूची पत्र में दर्शन-1, धर्मशास्त्र-1, पुराण-3, इतिहास-7, ऐतिहासिक काव्य-4, काव्य-15, स्फुट काव्य-18, नीतिशास्त्र-4, भक्ति साहित्य-11, कथा वार्त्ता-16, काव्य शास्त्र-10, कोश-6, आयुर्वेद-8, ज्योतिष-26, गणित-3, संगीत एवं नृत्य-2, काम शास्त्र-3, स्तुति स्तोत्र-7, जैनागम एवं दर्शन-29, जैन प्रकरण-66, जैनाचार-112, जैन रारा चउपई-243, जैन कथा (गद्य)-36, जैन स्तुति स्तावन-731, विविध-34 आदि ग्रंथ हैं। नाटक, व्याकरण, रत्न शास्त्र, वास्तु शास्त्र, मंत्र तंत्र शास्त्र आदि विषयों के ग्रंथ नहीं है। यह संग्रह मूलत: जैन यतियों का दिया हुआ है। इसमें जैन ग्रंथ 1217, अजैन 145 एवं विविध 34 ग्रंथ हैं। ग्रंथ अधिकतर 18-19वीं शताब्दी में रचित हैं। आनन्द विनय संग्रह के अधिकतर ग्रंथ स्वयं मुनि आनन्द विनय जी ने लिपिबद्ध किये थे।

इस सूची पत्र में प्रमुख अजैन ग्रंथ हैं- क्रमांक 12 (27748) पट्टावली खरतर गच्छीय, लि.का. 1670 वि.स., 20 (27900 क्रिसन रूकमणी री वेली सटीक-पृथ्वी राज राठौर (बीकानेर) र.का. 1638 वि.सं., लि.का. 1740 वि.सं., 28 (27892) बिहारी सतसई-बिहारीदास, लि.का. 1738 वि.सं., 23 (28118) नन्द बत्तीसी लि.का. 1669 वि.सं., 16 (28338) राव कल्याणमल मानवती रा दूहा-परमानन्द, र.का. 1684 वि.सं., 52 (27224) राजनीति रा कवित्त-देवीदास, 22 (27902) ढोला मारु री वार्त्ता (दूहा) लि.का. 1738 वि.सं., 81 (27061) अलंकार माला-सूरति मिश्र, र.का. 1762 वि.सं., 100 (27011) वैद्य मनोत्सव-नयनसुख, र.का. 1649 वि.सं.।

इस सूची पत्र में प्रमुख जैन ग्रंथ हैं- 157 (27423) कल्पसूत्र भाषा-बालावबोध, लि.का. 1636, वि.सं., 173 (27872) समयसार नाटक सबालावबोध, र.का. 1693 वि.सं., लि.का. 1820 वि.सं, 359 (27226) अमरसेन कथा चौपई-मेघराज, लि.का. 1721 वि.सं., 404 (28121) गौतमरास र.का. 1412 वि.सं., 424 (29024) तेजसार चौपई-कुशललाभवाचक र.का. 1624 वि.सं. लि.का. 1640 वि.सं., 449 (27284) नलदमयन्ती चौपई समयसुन्दर, र.का. 1672 वि.सं., 500 (27901) माधवकामकन्दला चौपई लि.का. 1738 वि.सं., 503 (27504) मानतुंग मानवती चौपई-मोहन विजय, र.का. 1760 वि.सं., लि.का. 1899 वि.सं., 525 (27425) रामरास-केशराज मुनि र.का. 1680 वि.स., 526 (27502) रामसीता चौपई-समयसुन्दर, 530 (27265) विक्रम पंचदण्ड चौपई-लक्ष्मीवल्लभ गणि, र.का. 1728 वि.सं., 539 (28123) शत्रुंजय रास-समयसुन्दर,र.का. 1687 वि.सं., लि.का. 1841 वि.सं., 552 (26993) श्रीपाल चरित्र सचित्र -जिनहर्ष, र.का. 1740 वि.सं., चित्रित पत्र 70 हैं, 615 (28539) जैन अंग्रेज चर्चा, र.का. 1831 वि.सं., 635 (28947) अंतरीक पार्श्वनाथ स्तवन-लावण्य समय मुनि, र.का. 1586, 729 (28610) कर्म सज्झाय-ऋद्धिहर्ष, लि.का. 1841 वि.सं. (शोभन प्रति), 798 (27076) चौबीस तीर्थंकर चित्रावली (रंगीन चित्र), 936 (28414) जीवोत्पत्ति सज्झाय-श्रीसार, लि.का. 1890 वि.सं. चित्रित पत्र-3, अति सुन्दर कृति हैं 1013 (29149) नवपद स्तवन-माणभद्र, र.का. 1917 वि.सं, लि.का. 1956 वि.सं., चार पत्र चित्रित है, 1118 (29035) पार्श्वनाथ स्तवन-ऋषभदास, र.का. 1572 वि.स., लि.का. 1870 वि.स., 1305 (27300) साधु आराधना-समयसुन्दर,र.का. 1695 वि.सं., लि.का. 1872 वि.सं, 1360 (29105) हीर सूरि नो कवित्त-चन्द्रभान, लि.का. 1934 वि.सं., मुख्य पृष्ठ पत्र चित्रित है।

विविध में क्रमांक 1363-1396 (27970-27998) सभी चित्रित (पत्र) ग्रंथ हैं। ये जैन एवं अजैन हैं। इसमें 13 पत्र जैन ग्रंथ हैं और 21 पत्र अजैन ग्रंथ हैं। हालांकि जैन चित्रों को सूची पत्र में जैन विषयों के अंतर्गत रखा गया है। लेकिन ये पत्र स्वतंत्र चित्र हैं जबकि पूर्व के चित्र जैन ग्रंथों में आये गये प्रसंगों (कथाओं) से सम्बन्धित हैं। ये चौंतीस चित्रित ग्रंथ 19वीं शताब्दी के हैं। चित्र साधारण है जो मुगल, उदयपुर एवं बीकानेर शैली के हैं।

इस सूची पत्र में खरडा ये हैं-43 (28580) प्रेम पत्री-बगसीराम, र.का. 1860 वि.सं., 913 (28445) जिन पद संग्रह, लि.का. 19वीं श., 933 (28581) हंस सूरि बधावा गीत-कुशल निदान, लि.का. 20 वीं श., 1352 (28331) स्तवन संग्रह-चैन विजय, लि.का. 19वीं श. इसमें 22 पद हैं। इस सूचीपत्र के 29 ग्रंथों को परिशिष्ट में दिया गया है, जिनमें अनेक पद हैं। इस सूवी पत्र निर्गाण में रा.प्रा.वि.प्र. बीकानेर के स्टाफ ने टेबुलेशन कार्य में सहयोग किया है। वे धन्यवाद के पात्र हैं।

दिनांक 6.7.2010

डॉ. कृष्णलाल विश्नोई
वरिष्ठ शोध सहायक
राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान
बीकानेर (राज.)

संकेत तालिका

1. र.का	=	रचना काल	12. प.	=	परिशिष्ट
2. र.स्था.	=	रचना स्थान	13. पं.	=	पण्डित
3. लि.क.	=	लिपिकर्त्ता	14. वि.सं.	=	विक्रमी संवत्
4. लि.का.	=	लिपि-काल	15. श.	=	शताब्दी (विक्रमी)
5. लि.स्था.	=	लिपि-स्थान	16. बा.	=	बालावबोध
6. टी.	=	टीका	17. उपा.	=	उपाध्याय
7. टी.क.	=	टीका कर्त्ता	18. वृ.	=	वृत्तिकार
8. सं.क.	=	संकलन-कर्त्ता	19. चि.	=	चित्रित
9. सं. का	=	संकलन-काल	21. S/o	=	सनआफ (सुपुत्र)
10. मू.	=	मूल	22. P/o	=	प्युपिल आफ (शिष्य)
11. गु.	=	गुटका (जिसमें अनेक रचनाओं का संकलन हो)	23. D/o	=	डिसिपल आफ (शिष्य)

T

राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, बीकानेर (फुटकर-संग्रह)
राजस्थानी-हिन्दी हस्तलिखित ग्रंथों का सूचीपत्र, भाग-25

विषय-1- दर्शन, 2-धर्मशास्त्र, 3-पुराण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थाक	ग्रन्थ का नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार	माप सै.मी. पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि.सं.)	विशेष ज्ञातव्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1 दर्शन 1.	28517	वेदान्त संग्रह	देवेन्द्रानन्द गिरि	28.8X12.7 13-31	7	पूर्ण	20 वीं.श.	अन्त में शंकराचार्य कृत स्मरण एवं आत्माष्टकादि स्तोत्र संस्कृत में है।
2 धर्मशास्त्र 2.	26991	तप विधि		25X11.9 15-41	9	अपूर्ण	,,	लि.क. आ. वि. (आसा) 5वां पत्र अप्राप्त
3 पुराण 3.	27964	चौथमाता री कथा		15.1X10.4 10-17	73-82	पूर्ण	1848	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
4.	27956	शनिश्चर री कथा	–	16.9X13 20-25	165-174	पूर्ण	1864	-
5.	29014	,,	जोरा माथुर S/o हुकमाराम	24.5X11.5 11-30	12	,,	20 वीं श.	र.का. 1820, स्था. नागपुर
4 इतिहास 6.	27033	इतिहास ओसवाल राजशाही		25.5X11.6 15-38	4-26	अपूर्ण	1913	लि.क. आनन्द विनय मुनि
7.	27782	गच्छोत्पत्ति विवरण		42.6X16.9 27-71	1	पूर्ण	1943	लूंकागच्छ रो सौभाग्य हर्ष सूरि (सं. 1583)तक
8.	27425	गुर्वावली जिनराज सूरि		25.3X11.2 15-41	11	,,	18 वीं श.	सुधर्मागणधर से संवत् 1574 तक
9.	27781	चौरासी गच्छ विवरण		17X42.8 65-25	1	,,	20 वीं श.	चौरासी गच्छों, उनके स्थानों एवं समय का विवरण, जलसिक्त

1	2	3	4	5	6	7	8	9
10.	28375	तपागच्छीय	-	25X11.7 17-34	5	पूर्ण	1914	सुधर्मा से पं. जैसिंघ तक लि.क. पं. गणपत विजै p/o पं संभू विजै लि. स्था. जोधपुर
11.	28376	''	माणिक्य भद्र	25X11.7 14-32	8	''	1921	सुधर्मा से विजय मुनि चन्द्र सूरि तक, तीन करोड पत्र जिनमें गच्छों के नाम हैं। लि.क.प. मेघराज p/o नगविजय
12.	27748	पट्टावली-खरतर गच्छीय		26.3X10.5 13-48	6	अपूर्ण	1670	सुधर्मा से जिनसिंह सूरि संवत् 1670 तक
5(1) ऐ.काव्य 13.	28603	अमरसिंह रो सिलोका		15.8X10.3 11-22	8	पूर्ण	1857	लि.क. टेकचन्द लि. स्था. बीदासर साथ में-सूरज रो सिलोको-सेवक, पत्र 4-6 शनिश्चर री कथा (अपूर्ण) पत्र 7-8

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
14.	27954	राठौड कुशलसिंह चाम्पावत रो सिलोको		16.9X13 20-25	152-154	पूर्ण	1864	आद्यन्त में सज्झाय
15.	27899	राठौड रतन महेश दासोत री वचनिका		23.8X21 21-30	280-294	''	1739	लि.क. पेमू s/o महिपाल, लि. स्थान बीकानेर
16.	28338	राव कल्याण मल माणवति रा दूहा	परमानन्द	13.4X16.3 28-28	16-18	''	1835	अपर नाम प्रियसुत र.का. 1684
5 (2) काव्य								
17.	29070	अक्षर बत्तीसी	p/o दौलतचन्द्र	24.8X10.8 8-34	6	''	19 वीं श.	र.का. 1897 र. स्था. प्रहलादनपुर
18.	27937	उंदर रासो	कल्लोल कवि	16.9X13 20-25	62-63	''	1862	प्रारम्भ में स्थूलभद्र सज्झाय है। अंतिम पत्र एक ओर से फटा है।

1	2	3	4	5	6	7	8	9
19.	27953	कवित्त बावनी	श्रीसार	16.9X13 20-25	143-151	पूर्ण	1864	प्रारम्भ में पार्श्वनाथ सिलोका, अंत में एक सवइया है।
20.	27900	क्रिसन रुकमणी री वेली	पृथ्वीराज राठौड	23.8X21 21-30	295-348	''	1740	पत्र 298 से रचना की पुनरावृत्ति र.का. 1638, लि.क. आनन्द, लि. स्था. बीकानेर
21.	27884	गोगेजी रा रसावला		''	29-31	''	1739	लि.क. मथेन पेमू s/o महिपाल लि. स्था. सोजत
22.	27902	ढोलामारू री वार्त्ता		''	372-387	''	1738	लि.क. पेमू मथेन s/o महिपाल, बीकानेर
23.	29118	नन्द बत्तीसी		27X11.5 15-45	9	''	19 वीं श.	
24.	29067	प्रस्ताविक बावनी		24.4X10.5 16-48	1	''	19	अंत में जयचन्द रा दूहा

1	2	3	4	5	6	7	8	9
25.	27891	बारहमासा	सुन्दरदास	23.8X21 21-30	119-121	अपूर्ण	1738	लि.क. मथेन पेमू s/o महिपाल, लि. स्था. बीकानेर
26.	27240	बिहारी सतसई (सवृत्ति सुतबोध)	मू. बिहारीलाल वृ. नन्हा व्यास s/o शुकदेव	25.7X11.5 15-40	61	,,	20 वीं श.	लि.क. शुकदेव व्यास, लि. स्थान मेवाड़
27.	27622	,, ,, (सटवार्थ)	बिहारीलाल	25.5X10.8 11-41	72	,,	1800	लि.क. पद्मकुशल p/o पुण्योदय गणि
28.	27892	बिहारी सतसई	,,	23.8X21 21-30	122-144	पूर्ण	1738	
29.	27913	,, ,, (सटीक)	टी. रूपकवि	13X11 20-20	174	,,	1822	
30.	27943	बूढा-चरित्र	चन्द	16.9X13 20-25	87-93	,,	1862	प्रारम्भ में धर्मोपदेश स्वाध्याय

1	2	3	4	5	6	7	8	9
31.	27887	रामरासो	माधवदास दधवाडिया	23.8X21 21-30	42-83	पूर्ण	1738	लि.क. आनन्द s/o पेमू लि. स्था. बीकानेर
5(3) स्फुट काव्य								
32.	27754	गूढार्थ दूहा		25.9X11.9 15-36	2	''	20 वीं श.	
33.	29085	चूनडी गीत		20.8X9.7 11-36	1	''	18 वीं श.	फटा हुआ पत्र
34.	28412	छूटक-दूहा		25X11 13-37	2-13	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
35.	28411	दूहा-प्रास्ताविक		24.4X10.5 16-48	1	पूर्ण	''	लि.क. कर्पूरप्रिय मुनि
36.	27845	'' - संग्रह		25.5X11.7 12-33	2	अपूर्ण	''	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
37.	28558	दूहा संग्रह	जेतराम	25.7X12.3 17-48	4	पूर्ण	20 वीं श.	पंजाबी पुट है। पत्र जीर्ण है।
38.	27917	दोहा-फुटकर	वृन्द कवि	16.9X13 20-25	22.24	अपूर्ण	1862	रिक्त पत्र 20-21
39.	27881	पत्री रा दूहा		23.8X21 21-30	24वां	,,	1739	लि.क. आणन्द p/o पेमू मथेन, लि. स्था. बीकानेर
40.	27882 (प)	प्रस्ताविक गीत-कवितादि		"	25-27	,,	1738	,, ,,
41.	28587	प्रीत रा दूहा		22.6X10.3 11-34	1	पूर्ण	20 वीं श.	लि. क. हर्षविजय गणि
42.	29068	प्रीत सखी रा दूहा		24.5X11 15-38	1-4	,,	19 वीं श.	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
43.	28580	प्रेम पत्री-खरड़ा	बगसीराम	21.2X50.5 34-38	1	पूर्ण	19 वीं.श	र.का. 1860, जीर्ण एवं फट्ठा हुआ 1 लम्बा कागज
44.	29069	पुरूष-स्त्री पत्रिका दूहा		24.5X11 15-38	4-5	,,	19 वीं श.	
45.	27238 (प)	फुटकर दोहा संग्रह		25.6X11.5 17-40	14	,,	1913	
46.	27911	वैताल कवित्त		23.8X21 21-30	606-610	,,	1739	लि.क. मथेन पेमू s/o महिपाल, लि. स्था. बीकानेर किनारे फटे

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
47.	28329	संवत्-दूहरा	गिरधरलाल s/o छोगा माणक	18.5X26.8 31-21	309वां	पूर्ण	1881	लि.क. पं. रिखवा p/o सत्यनंदन लि. स्था. कालू
48.	28590	सूई गांव की कुत्ती		23.6X10.2 8-33	1	''	20 वीं श.	
49.	28413	स्फुट दूहा		26X11.4 15-44	6-12	अपूर्ण	''	
(6) नीतिशास्त्र								
50.	29038	कक्का ना अर्थ		25.5X11.5 13-30	2-5	पूर्ण	1900	लि.क. गौतम विजय, लि. स्था. बीकानेर
51.	27044	चौरासी मूर्ख लक्षण		25X11.7 16-44	1	''	1920	
52.	27224	राजनीति रा कवित	देवीदास	25.9X11.6 13-33	16	''	19 वीं श.	लि. क. मयाप्रमोद लि. स्था. राजनगर

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
53.	27962	सीख बहोतरी		15.1X10.4 10-17	53-59	पूर्ण	1848	पत्र 56-59 पर फुटकर दोहादि है।
7-भक्ति साहित्य								
54.	28553	ईश्क चमन	नागरीदास	24X16.6 11-26	4	''	19 वीं श.	
55.	27883	गज मोक्ष निसांणी	माधोदास	23.8X21 21-30	28-29	''	1738	लि.क. पेमू मथेन, लि. स्थान बीकानेर
56.	27885	'' ''	''	"	32वां	''	''	'' ''
57.	27889	नागदमण	सांइया झूला	"	89-94	''	''	'' ''
58.	27907	रामचरित बालावबोध	टी. लक्ष्मीदास व्यास	"	516-594	''	''	एक ओर से पत्र फटे

1	2	3	4	5	6	7	8	9
59.	27912	रुकमणी-मंगल	सुमति	23.8X21 21-30	611-618	पूर्ण	1739	किनारे फटे, लि.क. पेमू s/o महिपाल, लि. स्था. बीकानेर
60.	28415	विनती पत्र		25.5X86.5 88-32	1	अपूर्ण	20 वीं श.	
61.	28334	विवेकवार्त्ता निसांणी	केसोदास गाडण	13.4X16.3 28-28	2-7	पूर्ण	1835	लि.क. भक्तिविजय p/o कान्ति विजय, लि. स्था. पहलादनपुर (पाटन)
62.	27963	स्नेहलील (भ्रमरगीत)		15.1X10.4 10-17	60-72	''	1848	लि.क. रामचन्द्र, लि. स्था. राहसर
63.	27888	हरिरस		23.8X21 21-30	83-88	''	1738	लि.क. आणन्द s/o पेमू मथेन, लि. स्था. बीकानेर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
64.	27960	हरिदास	ईसरदास	15.1X10.4 10-17	22-50	पूर्ण	1848	
8-कथा वार्त्ता								
65.	27896	कुतुबशाह ढूंढाणी री वार्त्ता	''	23.8X21 21-30	250-255	''	1738	लि.क. पेमू मथेन s/o महिपाल, लि. स्था. बीकानेर
66.	28598	कोकशास्त्र री वार्त्ता		21.7X15.9 18-37	48-52	अपूर्ण	1887	
67.	27313	चन्दन मलयागिरि वार्त्ता	भद्रसेन	26.5X11 15-50	6	पूर्ण	1740	लि.क. नयरत्न p/o जयरत्न, लि. स्था. भेड
68.	27910	'' ''	''	23.8X21 21-30	600-606	''	1738	लि.क. पेमू मथेन s/o महिपाल, लि. स्था. बीकानेर किनारे फटे हुए हैं।

1	2	3	4	5	6	7	8	9
69.	28522	चन्दन मलयागिरि वार्त्ता	भद्रेसन	25.5X11.5 15-42	7	पूर्ण	18 वीं श.	जीर्ण, लि. स्था. विक्रमपुर
70.	27905	पञ्चाख्यान वार्त्ता	नारायण	"	422-479	,,	1739	र.का. अनूपसिंह शासनकाल, र. स्था. बीकानेर, लि.क. आणन्द s/o पेमू लि. स्था. बीकानेर
71.	28606	मधुमालती कथा		17.1X12.5 10-14	52-193	,,	20 वीं श.	लि.क. नथमल
72.	28462	भोजराजा-भानुमति री वार्त्ता		19.8X10.9 11-28	20	अपूर्ण	,,	जीर्ण
73.	27908	रघु री कथा		23.8X21 21-30	594-597	पूर्ण	1738	किनारे फटे
74.	28593	विक्रमादित्य पञ्चदण्ड वार्त्ता		21.7X15.9 18-37	1-9	,,	1897	पत्र अस्त-व्यस्त

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
75.	28594	वीसा बोली री बात		21.7X15.9 18-37	9-10	पूर्ण	1897	
76.	27906	वैताल पच्चीसी	देईदान नाइता	23.8X21 21-30	480-516	''	1738	लि. क. आणन्द s/o पेमू, लि. स्था. बीकानेर, अंत में-शकुनावली एवं स्फुट कवित्त
77.	28597	'' ''	''	21.7X15.9 18-37	31-47	अपूर्ण	1897	
78.	29214	'' ''	''	23.5X17 15-27	46-92	पूर्ण	19 वीं श.	लि.क. कंवर अनूपसिंह, लि. स्था. बीकानेर
79.	27894	सदैवच्छ सावलिंगा री बात		23.8X21 21-30	191-197	''	1739	लि. क. मथेन पेमू s/o महिपाल, लि. स्था. बीकानेर, अंत में स्फुट दोहा

1	2	3	4	5	6	7	8	9
80.	27999	हितोपदेश		14.4X22.1 23-14	159	पूर्ण	19 वीं श.	अंत में शकुनावली, ब्रज मिश्रित भाषा
10-काव्य शास्त्र								
81.	27061	अलंकार माला	सूरति मिश्र	24.4X11.3 17-51	24	,,	20 वीं श.	र.क. 1762, र. स्था. आगरा, लि. स्थान बीकानेर, साथ में- 1 वृंद-विनोद सतसइया-वृंद, लि. का. 1761, लि. स्था. ढाका, पत्र 1-12, 2, विविध कवित्त (छह), पत्र 12 3. भाषा भूषण, पत्र 12-16
82.	27895	कवि प्रिया	केशवदास	23.8X21 21-30	198-249	,,	17.8	लि.क. मथेन आणन्द s/o पेमराज लि. स्था. बीकानेर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
83.	27095	काव्य प्रबोध		25.7X11.5 13-41	10	अपूर्ण	20 वीं श.	लि.क. आनन्द विनय
84.	27531	छन्दसार	सूरति मिश्र	25.8X11.8 14-36	13	पूर्ण	1919	अपरनाम, पिंगल छंदसार, लि.क. आनन्द विनयमुनि लि. स्था. बीकानेर
85.	26969	माला पिंगल	ज्ञानसार p/o रत्नराज गणि	24.8X11.4 11-30	13	''	20 वीं श.	
86.	26947	रसिक प्रिया (बालावबोध)	केशवदास	25.6X11.2 17-51	40	''	1791	र.का. महाराज कुमार इन्द्रजीत समय, लि.क. पाठक, लि. स्था. बीकानेर
87.	27446	'' ''	''	26.1X11.7 13-37	44	''	1801	लि. क. वेणीचन्द्र ऋषि लि. स्था. वटप्रद

1	2	3	4	5	6	7	8	9
88.	27893	रसिक प्रिया (बालावबोध)	केशवदास	23.8X21 21-30	145-191	पूर्ण	1738	लि. स्था. बीकानेर
89.	27004	वर्ण मर्कटी विधि		25.2X11.5 14-35	2	''	20 वीं श.	
90.	27890	सुन्दर-सिंगार	सुन्दरदास	23.8X21 21-30	94-119	''	1738	लि.स्थान बीकानेर
12-कोश								
91.	27880	अनेकार्थ ध्वनि मंजरी	नन्ददास	''	19-23	''	1749	लि.क. पेमू मथेन s/o महिपाल, लि. स्था. बीकानेर
92.	26987	अनेकार्थ नाममाला	''	26X4.5 17-53	3	''	20 वीं श.	
93.	27366	उर्वशी- ''	पं. मन्य मिश्र शिरोमणि	25.4X10.9 9-37	21	अपूर्ण	1727	र.का. 1680 र.स्था. बुरहानपुर, 2 रा पत्र अप्राप्त

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
94.	27897	उर्वशी नाममाला	पं मन्य मिश्र शिरोमणि	23.8X21 21-30	256-268	पूर्ण	1738	र.का. 1680, र.स्था. बुरहानपुर (गंभीरनगर)
95.	27158	मान मंजरी	नन्ददास	24.8X11.4 15-33	10	''	19 वीं श.	अंत में हीयाली पद
96.	27886	'' ''	''	23.8X21 21-30	33-41	''	1748	लि.क. मथेन पेमू s/o महिपाल, लि. स्था. बीकानेर
13-आयुर्वेद								
97.	28578	औषध के फुटकर पत्र		14.4X25 30-18	8	अपूर्ण	20 वीं श.	साथ में - मंत्र फुटकर, स्फुटपद, नवपद री गुणना
98.	27429	कालज्ञान भाषा प्रबन्ध	लक्ष्मीवल्लभ गणि p/o लक्ष्मी कीर्ति	25.8X11.1 17-55	1-4	पूर्ण	1832	र.का. 1741 लि.क. लब्धिकाल मुनि, लि. स्थान पुनरासर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
99.	28599	नैनसुख वैद्यक		21.7X15.9 18-37	53-61	अपूर्ण	1897	अंतिम पत्र फटा हुआ
100.	27011	वैद्य मनोत्सव	नयनसुख p/o केशवदास	24.7X11.6 11-37	22	पूर्ण	20 वीं श.	र.का. 1649, र. स्था सिंहनन्दनगर
101.	27319	'' ''	''	25.2X11.8 12-27	25	''	1878	लि.क. लालचन्द, लि. स्था. उज्जैन, र. स्था. 1649, र. स्था. सिंहदनन्दनगर
102.	29215	'' (टीका)	''	21.5X14.8 14-27	7-32	अपूर्ण	19 वीं श.	आद्यन्तहीन
103.	27484	'' विनोद	रामचन्द्र p/o पद्मरंग गणि	25.3X12 14-40	110	पूर्ण	1906	अपरनाम सारंगधर भाषा र.का. 1762 र. स्था. मरोट
104.	27527	सार संग्रह भाषा	गंगाराम ब्राह्मण	25.3X12 14-40	17	''	20 वीं श.	अपर नाम वैद्यक सार संग्रह र. का. 1714

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
14-ज्योतिष								
105.	27032	अर्धकाण्ड		25.1X11.4 20-50	4	पूर्ण	20 वीं श.	साथ में है- 1. अग्नि कूण 2. तेजीमंदी सारणी 3. ईसार्ध काण्ड 4. ध्रुवांका 5. तेजी मंदी सारणी 6. बीकानेर ध्रुवंका 7. खेडा उत्थाप सुप्त विचार
106.	28499	अधिक मास निर्णय		29X13.5 24-52	3	''	1958	अंत में दूहा एवं सीमन्धर स्वामी वंदना, लि. स्था. उदयपुर
107.	27787	इठसालई सराफ रा लक्षण		43.1X17.2 16-51	2	''	20 वीं श.	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
108.	27038	कामधेनु सारणी		25.2X11	18	अपूर्ण	19 वीं श.	16वां पत्र अप्राप्त कीट भक्षित
109.	28495	चन्द पन्नति रो टिपणो		20.3X15.5 20-31	6-15	''	1820	लि.क. भैरूदान मथेरण, लि. स्था. विक्रमपुर, अप्राप्त पत्र 1-5, 14वां, आदि में पद संग्रह
110.	27500	ज्योतिष-प्रश्नोत्तर		25.3X10.5 13-40	17	''	20 वीं श.	अपरनाम 'षट् पंचाशिका बालावबोध
111.	27420	ज्योतिष सारणी		25.8X11.9 --	6	पूर्ण	19 वीं श.	
112.	27546	'' स्फुट पत्र		25.5X11.1 16-42	3-6	अपूर्ण	18 वीं श.	
113.	27728	ध्रुवांका		25.8X11.8 13-38	3	''	1951	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
114.	27784	नवग्रह उत्पत्ति विवरण		42.4X16.9 16-42	1	पूर्ण	20 वीं श.	स्याही फैली हुई
115.	27514	पक्षी शकुनावली		25.4X11.7 20-42	2	''	''	
116.	27430	पवन विजय स्वरोदय		25.8X11.1 17-55	4-8	''	1832	लि.क. लब्धिमल्ल मुनि, लि. स्था. पुनरासर, अंत में 'षट्दर्शन आदि दूहा'
117.	27094	प्रश्नावली		25.7X11.6 17-36	4	''	20 वीं श.	
118.	27778	पाराशरी भाषा		42.8X17 12-54	3	''	''	
119.	28467	पासा केवली	गर्ग ऋषि	24.2X10.4 11-39	6	''	19 वीं श.	अंतिम पत्र टूटा हुआ
120.	29091	भड्डुली पायक		24.5X11.5 6-22	27	''	''	लि.क. सुखजी उपाध्याय

1	2	3	4	5	6	7	8	9
121.	27809	मुहूर्त्त चिंतामणि भाषा टीका		24.3X12.6 9-23	48	पूर्ण	19 वीं श.	
122.	27408	रमल शकुनावली		24.9X11.4 15-45	9	''	20 वीं श.	
123.	27087	लीलावती भाषा		25.7X11.6 11-37	32	''	1821	साथ में विषम वर्ग संकलित सूत्र हैं
124.	27676	'' भाषा	लालचन्द p/o शान्तिहर्ष वाचक	25X10.3 13-41	20	''	1784	र.का. , 1736 र. स्था. बीकानेर, लि.क. पं. रूपचन्द, लि. स्था. फलौदी
125.	27786	वर्षफल विचार		42.9X15.9 17-57	1	''	1958	
126.	27909	वेड रा शगुन		23.8X21 21-30	597-600	''	1738	किनारे कटे पत्र

1	2	3	4	5	6	7	8	9
127.	26966	साठी संवत्सर फल		25.2X10.9 15-42	11	पूर्ण	19 वीं श.	अंत में आयुविचार
128.	27414	'' - संवत्सरी		25.2X10.6 17-58	4	''	18 वीं श.	
129.	28337	सामुद्रिक शास्त्र		13.4X16.3 28-28	11-16	''	1835	लि.क. भक्ति विजय, लि. स्था. पालनपुर, कवित्त दोहाबद्ध रचना
130.	29095	होरा चक्र		25X12.7 14-39	8	''	19 वीं श.	
15-गणित								
131.	28503	अंकावली पाटियां		23.7X11.9 9-34	2-24	अपूर्ण	1942	प्रथम पत्र अप्राप्त
132.	27915	पहाडा पाटी		16.9X13 20-25	1-8	पूर्ण	1862	प्रथम पत्र पर 'संथारा पोरसी गाथा' है।
133.	27959	'' ''		15.1X10.4 10-17	7-21	''	1848	7वें पत्र पर कृष्ण के पच्चीस नाम हैं।

1	2	3	4	5	6	7	8	9
16-संगीत एवं नृत्य								
134.	27879	रागमाला		23.8X21 21-30	16-19	पूर्ण	1749	लि.क. पेमू मथेन s/o महिपाल, लि. स्था. बीकानेर
135.	29031	संगीत पद	कान्ति सकल	26.1X12 13-27	7 वां	,,	1870	लि.क. विवेक विजय अपरनाम 'सिद्धगिरि स्वामी'
17-काम-शास्त्र								
136.	27904	कोक मंजरी	आनन्द	23.8X21 21-30	406-421	,,	1738	लि.क. आणन्द s/o पेमू लि. स्था. बीकानेर, अपरनाम 'हितोपदेश' अंत में स्फुट दोहा-कवित्तादि
137.	27903	कोक शास्त्र-सबालावबोध	कोक देव	"	388-406	,,	,,	लि.क. पेमू s/o महिपाल लि. स्था. बीकानेर
138.	28605	कोकशास्त्र	,,	17.1X12.5 10-14	1-51	,,	20 वीं श.	प्रथम पत्र त्रुटित

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
21-स्तुति-स्तोत्र (अजैन)								
139.	27725	भैरूजी रो सिलोको (भैरवाष्टक)	जोरावर कायस्थ	24.6X11.1 9-30	4-6	पूर्ण	1955	र.का. 1852, लि.क. पं. खेमचन्द मुनि, लि. स्था. कोटा
140.	29027	शनिश्चर छन्द	ललित सागर	22.7X10.5 13-30	19-21	''	19 वीं श.	लि.क. हीरविजय गणि, लि. स्था. राधनपुर, जीर्ण
141.	28946	शनिश्चर स्तोत्र	हेम	25.3X11.9 14-34	1	''	''	लि.क. तेजविजय गणि
142.	28910	सरस्वतीजी रो छंद	सहजसुन्दर	25.3X12.4 12.8	2	''	1954	लि.क. रत्नविजय
143.	27723	सूरजी रो सिलोको		24.6X11.1 9-30	1-2	''	1952	लि.क. पं. खेमचन्द मुनि, लि.स्था बीदासर
144.	27965	'' '' ''		15.1X10.4 10-17	83-85	''	1848	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
145.	28591	सूरजजी रो सिलोको		25.5X11.2 14-44	1	पूर्ण	20 वीं श.	
22 (1) जैनागम एवं दर्शन								
146.	27483	अनुभव	दीप	25.8X11.9 15-37	36	''	1904	लि.क. आनन्द विनय मुनि, लि.स्था. हैदराबाद
147.	27460	आगमसार बालावबोध	देवचन्द्र मुनि	27.1X12.4 17-47	21	''	1909	र.का. 1776, र.स्था. मरोट, लि.क. मैयादास, गोसांई, रामनगर, निवासी, लि. स्था. जामकी
148.	27139	आगम-सारोद्धार	''	25.6X11.2 19-45	40	अपूर्ण	1783	र.का. 1706, र. स्था. मरोट कोट, लि.क. दुर्गादास मुनि, लि. स्था. जालोर नगर, 31 वां पत्र अप्राप्त चिपके पत्र

1	2	3	4	5	6	7	8	9
149.	27077	आगम सारोद्धार बालावबोध	देवचन्द्र मुनि	25.8X11.6 15-42	54	पूर्ण	1921	र.का. 1776, लि.क. लि. स्था. बीकानेर
150.	28574	'' '' ''	''	26X12.1 12-38	78	''	1862	
151.	27657	आचारांग सूत्र वार्त्तिक	वा. पार्श्वचन्द्र उपाध्याय s/o साधुरत्न	25.2X11 15-52	103	''	18 वीं श.	
152.	27177	आत्म ध्यान		25.5X11 14-51	1	अपूर्ण	19 वीं श.	मात्र अंतिम पत्र
153.	28761	उत्तराध्ययन स्वाध्याय	उदय p/o विजयसिंह सूरि	26X11.5 11-38	5	पूर्ण	''	11वें अध्ययन पर्यन्त
154.	28371	कल्पसूत्र-भाषा (बाला)	मू. भद्रबाहु	23.9X12.4 12-26	217	अपूर्ण	20 वीं श.	किंचित अपूर्ण
155.	28707	'' ''	''	26.2X12.8 14-49	110	''	''	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
156.	28720	कल्पसूत्र-भाषा (बाला)	मू. भद्रबाहु	25.3X10.7 15-51	117	अपूर्ण	1824	लि.क. कल्लोल मुनि p/o लक्ष्मीसुख गणि, जीर्ण एवं चिपके पत्र, प्रथम पत्र अप्राप्त
157.	27423	″ ″	″	27X10.8 15-54	53	पूर्ण	1636	
158.	27606	″ ″	″	24.8X11.8 17-37	147	″	1900	लि.क. आनन्द विनयमुनि लि. स्था. लूणकरणसर
159.	28705	″ ″		25.8X11 16-53	103	अपूर्ण	19 वीं श.	
160.	27697	″ ″ वाचना		25.2X12 14.35	232	पूर्ण	1961	15वीं वाचना तक, लि.क. ऋषि दीपचन्द्र, लि. स्था. बीकानेर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
161.	28397	कल्पसूत्र भाषा-बालावबोध		24.3X13 12-28	276	पूर्ण	1941	लि.क. जोरा आचार्य, लि. स्था. विक्रमपुर
162.	28402	कल्पसूत्र भाषा वाचना		24.4X12.9 12-26	263	''	1939	लि.क. जोरा आचार्य लि. स्था. विक्रमपुर, अप्राप्त पत्र 206-227
163.	28908	'' '' ''		24X11.8 15-47	163	''	1906	लि.क. कल्याण सागर, लि. स्था. बीकानेर
164.	29125	'' '' ''		25.7X11 17-60	14	''	16 वीं श.	नेमिनाथ पंच कल्याणक तक
165.	27168	चर्चा दर्शन दीपक	अबीर	25X11.7 15-46	12	''	1930	र.का. 1919, लि. स्था. विमलपुर (मकसूदाबाद)
166.	28479	जीव विचार विवरण	-	27.6X13.5 12-30	8	अपूर्ण	20 वीं	-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
167.	27078	भाष्य त्रय वृत्तिक	वृ. ज्ञान विमलसूरि	25.7X11.7 14-40	50	पूर्ण	1930	र.का. 1758, र.स्था. सूर्यपुर नगर
168.	27424	महादण्डक		26.7X12.1 14-33	20	''	1856	
169.	29313	लघुदण्डक		15X11 12-22	1-16	अपूर्ण	1919	जीर्ण एवं चिपके पत्र
170.	29120	षडावश्यक सत्र		26X11 16-46	10	पूर्ण	19 वीं	-
171.	29192	संग्रहणी सूत्र विवरण बालावबोध	बा.पं. दयासिंह गणि	25.5X10.8 13-34	61	अपूर्ण	18 वीं श.	
172.	27263	समयासार नाटक भाषा	बनारसी	25.5X11.8 10-36	107	पूर्ण	1911	र.का. 1693 र. स्था. बालूचर, लि.क. आनन्द विनय मुनि लि. स्था. अजीमगंज

1	2	3	4	5	6	7	8	9
173	27872	समयसार नाटक भाषा सबालावबोध	मू. बनारसी बा. रूपचन्द	20.7X26.2 30-45	91	अपूर्ण	1820	र.का. 1693, र.स्था. आगरा, साथ में सरस्वती अष्टक स्तोत्र एवं अध्यात्म पद
174.	27419	स्यादवाद मत नी चर्चा नो विचार		24.8X11.2 15-43	13	पूर्ण	1907	लि.क. आनन्द विनय, लि. स्था. देशनोक
22(2)-जैन प्रकरण								
175.	28562	अल्प-बहुत्व भांगा विचार		26.5X11.6 16-42	7	"	1913	लि.क. गंगाराम
176.	28519	अवन्ति सुकुमाल महामुनि स्वाध्याय	जिनहर्ष p/o शान्तिहर्ष	26.5X11.2 12-34	7	अपूर्ण	1785	र.का. 1741, र. स्था. राजनगर, लि.क. आर्या चोखी p/o आर्या हस्ता, लि. स्था. शाहजहानाबाद

1	2	3	4	5	6	7	8	9
177.	27874	उपकेश गच्छावली		27X26 25-26	9-37	पूर्ण	20 वीं श.	साथ में रत्नप्रभसूरि स्तोत्र बालावबोध संस्कृत में है।
178.	27097	एक सौ अठावन प्रकृति		28.9X12 18-48	19	''	1923	साथ में, आठ कर्म नो विचार एवं अनेक सारणियां, लि.क. आनन्द विनय मुनि
179.	27068	कर्मग्रंथ यन्त्र सूची	सुमतिवर्द्धन मुनि p/o विनीत सुन्दर गणि	23.4X10.8 12-30	74	''	1909	र.का. 1879, र. स्था. कृष्णगढ, लि.क. आनन्द विनय मुनि लि. स्था. मुम्बई वंदरे
180.	27197	'' सूचनिका	देवेन्द्र सूरि	25.8X12 19-38	14	''	20 वीं श.	लि.क. बुद्धिप्रकाश
181.	28325	कल्याण मंदिर भाषा	बनारसी	18.5X26.8 31-21	301-302	''	1881	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
182.	28433	कल्याण मंदिर भाषा	बनारसीदास	14X15 15-15	59-63	पूर्ण	1810	
183.	28622	'' '' स्तोत्र भाषा	कुमुदचन्द टी. बनारसी	10.5X10.2 8-12	118-129	''	1841	
184.	28393	कायापुर पाटण रो कागद		25.3X10.5 14-40	2	''	1936	लि.क. छगनचन्द्र ऋषि
185.	27511	खरतर-तपा गच्छीय मुनि नामा विचार		26.6X11.6 18-50	6	''	20 वीं. श.	
186.	27245	गमां-विचार		25X11.9 11-47	47	''	1890	लि.क. आनन्द विनय मुनि, लि. स्था. बीकानेर साथ में सिद्धि दण्डिका सावचूरि प्राकृत-संस्कृत में हैं।

1	2	3	4	5	6	7	8	9
187.	28548	गमां-विचार		24.5X12 17-42	3	पूर्ण	1890	लि.स्था. सुनाम नगर
188.	27250	गांगेय भांगा विचार		23.2X11.8 17-32	2	''	20 वीं श.	
189.	28785	चिद्विलास अध्यात्म ग्रन्थ	शाह दीपचन्द काछलीवाल	24.4X12.3 16-42	31	अपूर्ण	1931	र.का. 1779, र. स्था. सांगानेर, प्रथम पत्र अप्राप्त
190.	29169	चौबीस तीर्थंकर विवरण		25.2X10.3 13-54	2	''	18 वीं श.	जीर्ण
191.	27520	'' दण्डक		25.7X12 9-25	25	पूर्ण	1913	
192.	27763	चौबीस तीर्थंकर विचार-पत्र		25.2X11.5 9-25	11	''	20 वीं श.	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
193.	27385	चौरासी बोल रचना	जसविजय	25.6X11.1 13-43	8	पूर्ण	20 वीं श.	
194.	28811	छठो भाण द्वार		24.9X12.5 15-42	14	''	1888	लि.क. ईसर विजय, लि. स्था. नागौर
195.	28257	ज्ञान सराफी	सेठ	18.5X26.8 31-21	212 वां	''	1881	
196.	29170	डेढ सौ कल्याणक		25.3X13.3 12-34	3	''	19 वीं श.	
197.	27862	ढूंढिया ना नव बोल चर्चा		25.8X11.7 15-42	9	''	20 वीं श.	लि.क. अबीरचन्द मुनि p/o तत्व प्रधान मुनि, लि. स्था. रायपुर
198.	27464	तीस बोल ना महादण्डक		25.8X11.7 15-42	46	''	1868	लि.क. फकीरचन्द ऋषि p/o भोजराज ऋषि, लि. स्था. भिवानी

1	2	3	4	5	6	7	8	9
199.	28486	तेबीस बोल शिक्षा रा		24.6X11.8 7-18	4	पूर्ण	19 वीं श.	
200.	27107	दण्डक प्रकरण		25.8X11.9 17-40	7	''	20 वीं श.	लि.क. आनन्द, विनय मुनि, पत्र 5-7 पर नवतत्व ना 276 भेद
201.	29108	'' स्तवन बालावबोध	गजसार p/o धवलचन्द्र	25.9X10.9 15-42	10	''	19 वीं श.	लि.क. गजसार p/o धवलचन्द्रोपाध्याय
202.	28907	दीवाली कल्प बालावबोध	टी. जिनसुन्दर सूरि	23.5X10.2 16-46	14	''	1828	लि.क. मोहन विजय लि. स्था. सोजत नगर
203.	27780	धर्मसागर निह्नव तीस–बोल चर्चा		42.4X17.1 28-80	2	''	20 वीं श.	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
204.	27721	नव-तत्व बालावबोध	जसविजय	24.8X11.1 16-40	15	पूर्ण	1929	लि.क. बिहारीलाल साधु p/o रूपचन्द लि. स्था. समानानगर
205.	28575	'' संग्रह सार सयंत्र		12.1X25.5 36-55	35	अपूर्ण	1914	र.का. 1812 लि.क. बक्तावर पण्डित, लि. स्था. बीकानेर, 22 वां पत्र अप्राप्त
206.	27114	पंचक कर्म ग्रंथ सूची यंत्र	सुमति वर्द्धन मुनि टी. देवेन्द्रसूरि	25.8X11.9 18-40	18	पूर्ण	1913	र.का. 1875, र. स्था. कृष्णगढ, लि.क. विनीत सुन्दर गणि p/o सुमतिवर्द्धन
207.	27759	पच्चीस बोल रा थोकड़ा		25.2X12 15-25	4	''	19 वीं श.	
208.	27932	पद्मावती जीवरास-खमावणा	समयसुन्दर	16.9X13 20-25	54-56	''	1862	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
209.	28112	पद्मावती जीवरास-खमावणा	समयसुन्दर	18.5X26.8 31-21	140-141	पूर्ण	1881	
210.	27776	प्रश्न चिंतामणि		42.8X17 18-52	14	अपूर्ण	20 वीं श.	
211.	27467	प्रश्नोत्तर		25.3X12 18-46	4	''	19 वीं श.	
212.	27790	''	जगमाल ऋषि	42.7X17.1 28-70	3	पूर्ण	20 वीं श.	
213.	27727	'' सार्द्ध शतक बीजक	क्षमाकल्याण गणि p/o अमृतधर्म गणि	25.9X11.5 14-30	32	''	19 वीं श.	
214.	28784	'' '' ''	'' '' ''	24.2X10.3 13-30	44	''	1908	लि.क. गौतमविजय लि. स्था. बीकानेर
215.	27772	प्रश्नोत्तर सार्द्धशतक भाषा	क्षमा कल्याण गणि टी. खुश्याल	42.6X17 27-91	7	''	1921	र.का. 1853, र. स्था. बीकानेर, लि.क. हीरानन्द आचार्य पुष्करणा

1	2	3	4	5	6	7	8	9
216.	28482	पैंतीस-बोल विचार		20.5X13.3 11-20	9	पूर्ण	1905	लि.क. केसर सागर, लि.स्था. अजमेर
217.	28549	बारह भावना		24.4X11.5 17-50	4	अपूर्ण	19 वीं श.	बीच के पत्रों में अक्षर मिटे हुए
218.	27761	बासठ मार्गणा भेद यन्त्र		25.1X11.4	4	पूर्ण	20 वीं श.	लि. स्था. सरसा
219.	28370	'' '' ''		24X12.2 13-80	33	''	1912	लि.क. खूबचन्द्र, लि. स्था. जबलपुर
220.	28324	भक्तामर भाषा	हेमराज	18.5X26.8 31-21	299-301	''	1881	
221.	27195	भगवती सूत्र भांगा विचार		11.9X25.1 14-45	14	अपूर्ण	20 वीं श.	
222.	27249	भगवती सूत्र भांगा विचार		24.9X12 14-26	11	पूर्ण	1919	लि.क. आनन्द विनय मुनि, लि. स्था. बीकानेर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
223.	27755	भांगा विचार		25.1X11.9 17-24	8	पूर्ण	20 वीं श.	लि.क. आनन्द, विनय मुनि
224.	28566	मंगलीक माला		20.5X10.8 13-28	4	''	''	
225.	28778	'' ''		21X12.9 14-26	5	''	1966	लि.क. हीरालाल यति, लि.स्था. उठाण
226.	29178	महावीर सताइस भव		24.3X10.7 13-43	2	''	19 वीं श.	
227.	27822	मोक्ष मार्ग नी वचनिका		25.5X11.7 12-40	14	अपूर्ण	20 वीं श.	
228.	27440	रत्नसार प्रकरण बालावबोध		24X11.1 15-38	62	पूर्ण	1917	लि. स्था. रायपुर
229.	27680	लाल बासठा	लालचन्द तपसी	12.1X25.9 25-8	20	''	1937	लि.क. रामकृष्ण साधु, लि. स्था. रायकाकोट

1	2	3	4	5	6	7	8	9
230.	29126	विजय यन्त्र		25.7X11 17-60	14	अपूर्ण	18 वीं श.	
231.	29355	वीस स्थानक		10X9.2 7-7	88-89	पूर्ण	19 वीं श.	
232.	28485	संसार रूपी समन्दर रा पन्द्रह बोल		24.8X10.6 9-26	6	,,	1959	लि. क. हीरालाल महात्मा, लि. स्था. बीकानेर, अंत में 'पूर्व रे भव रा छब्बीस बोल'
233.	28543	सात नय बोल		25X11.4 10-36	8	,,	19 वीं श.	
234.	27770	सार संग्रह-बालावबोध		42.7X17.3 23-57	94	अपूर्ण	1945	अप्राप्त पत्र 1-3 जैन धर्म के विविध बोल, द्वार मार्गणादि

1	2	3	4	5	6	7	8	9
235.	27774	सार संग्रह-बालावबोध		42.7X17.1 18-46	5	अपूर्ण	20 वीं श.	
236.	27269	सिन्दूर प्रकर वार्त्तिका		26.3X11.7 17-56	14	"	"	
237.	27255	सिद्धान्त सारोद्धार विचार		25.9X11.9 21-50	23	"	"	
238.	27702	सीझना द्वार		27.3X12.2 18-42	7	"	19 वीं श.	साथ में तेइस पदवीं एवं तीन दृष्टि बोल
239.	29163	सौ बोल	भगवान	25.5X11.2 16-34	7	"	"	लि. स्था. बीकानेर
240.	27750	हेम दण्डक यन्त्र		24.7X11.3	7	"	20 वीं श.	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
22 (3) जैनाचार								
241.	28644	अष्टप्रकारी पूजा	देवचन्द p/o दीपचन्द	10.5X638 7-12	60-74	पूर्ण	1879	लि. स्था. जैसलमेर
242.	29343	'' '' ''	जिन चन्द्र सूरि	9.8X8 9-13	90-98	''	19 वीं श.	र.स्था.-राजनगर
243.	29417	'' '' ''		9.3X8.2 11-12	133-147	''	18 वीं श.	पहले सेवककृत ऋषभ पद है, र. स्था. राजनगर
244.	29128	अष्टप्रकारी पूजा प्रहर पोसह विधि		24.7X11.7 12-34	6	अपूर्ण	19 वीं श.	
245.	26997	आचार्य पद स्थापना विधि		25.2X11.5 15-37	2	पूर्ण	20 वीं श.	धम्मो मंगल पुष्पिका आदि के अध्ययन सहित
246.	29048	आत्म निन्दा	ज्ञानसार	21.9X11 8-18	10	''	1925	लि.क. जीवा पण्डित, लि. स्था. अजीमगंज

1	2	3	4	5	6	7	8	9
247.	28609 (प)	आदिनाथ चैत्यवन्दन आदि		11.2X9.4 5-7	3-43	अपूर्ण	20 वीं श.	अ.प.- 1-2, 29, दो पत्रों के किनारें कटे हैं
248.	27844	आलोयणा तप विधि (प्रायश्चित विधि)	क्षमा कल्याण p/o अमृत धर्म	24.2X11.6 11-30	7	पूर्ण	''	लि. स्था-बालूचर
249.	27871	आलोयणा विचार		25.1X11.4 14-33	3	''	''	लि.क.-पं. लाभानन्द
250.	28365	आलोयणा विधि (प्रायश्चित विधि)	क्षमाकल्याण	25.3X13.6 16-40	6	''	1947	लि.क. जिनप्रभसूरी, लि.स्था. बीकानेर
251.	28554	ईषुकार राजा भृगु प्रोहित रो अधिकार		24.8X11.4 16-34	2	''	20 वीं श.	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
252.	27261	ऋषिमण्डल पूजा	शिवचन्द पाठक	25.2X12 14-36	131	पूर्ण	20 वीं श.	साथ में हैं- 1. नन्दीश्वर अष्ट प्रकारी पूजा शिवचन्द पाठक कृत 2. धूप पूजा, र.का. 1879, र.स्था. जयनगर
253.	28561	एकान्त पक्षवारी नय विचार		25.6X11 16-55	3	अपूर्ण	19 वीं श.	अन्त लिखते छोडा
254.	28545	कड़का	जटमल	25.5X11.4 21-48	1 ला	पूर्ण	,,	
255.	28551	क्रिया विधि	शिव निधान	25.7X10.7 19-60	11	,,	1757	अन्त में थापनाचार्य प्रमाण, लि.क. देवधीर, लि.क. नवनगर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
256.	27106	गृहसूतक कुल सूतक विचार		25.6X11.9 17-38	3	पूर्ण	20 वीं श.	लि.क. -पं. चारित्र निधान, लि. स्था. अजीमगंज
257.	28407	चातुर्मासिक देववन्दन विधि	पद्मविजय	21.4X12.5 17-36	15	''	''	र.का. 1818
258.	28885	'' '' ''	नायक	26.2X11.4 13-33	14	''	1928	किनारे कीट भक्षित लि.क.-ज्ञानविमल
259.	27122	चातुर्मासिक पर्व व्याख्यान पद्धति		25.1X12.7 12-30	21	''	20 वीं श.	लि.क. जिनप्रभसूरी, लि.स्था. बीकानेर
260.	29166	चिन्तामणि मन्त्र कल्प		26.3X11.5 16-42	1-3	''	1952	
261.	28620	चेतन गारी	विनोदीलाल	10.5X10.2 8-12	96-100	''	1841	र.का.- 1743
262.	28445	चैत्य वन्दन विधि		14X15 15-15	88-90	''	1810	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
263.	28894	चैत्य वन्दन विधि	जस वाचक	25.7X12 16-30	15	पूर्ण	19 वीं श.	लि.क.-भीम विजय गणि
264.	28392	चैत्री पूनम आराधना विधि		25.6X12.3 12-38	2	''	''	
265.	28560	'' क्रिया अनुष्ठान		26X11.9 16-50	2	''	''	
266.	29140	जिन पूजा	देवचन्द्र	20.5X7.5 5-19	21	''	1956	लि. स्था.-सुभटपुर
267.	27072	जिन प्रतिमा स्थापित ग्रन्थ-सबालावबोध	ज्ञानसार	25.8X12.8 9-34	38	''	1912	लि.क. शिवलाल व्यास, लि. स्था.-मुम्बई, भयंदर मध्ये
268.	28510	जीव ने कर्म रो बोल		26X11.8 15-37	2	''	19 वीं श.	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
269.	27873	जैन मन्दिर प्रतिष्ठा याददास्त		27X26 25-26	1-8	पूर्ण	20 वीं श.	स्याही फैली है।
270.	28564	जैन मत पंचास्ती चर्चा		25.5X10.8 15-44	2	"	19 वीं श.	लि.क. गंगाराम
271.	29328	ज्ञान पञ्चमी तप विधि	सकल चन्द मुनि p/o जिन चन्द सूरि	14X11.6 10-15	30-34	"	"	
272.	28882	" " देववन्दना विधि		24.6X11.6 16-40	6	"	1890	लि.क.-मेघविजय गणि
273.	28890	" "	लक्ष्मी विजय	26.6X11.4 12-30	10	"	1927	लि.स्था. बड़नगर

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
274.	29016	ढूंढक संवाद पत्र		26.8X12.7 16-35	4	पूर्ण	1911	लि.क. विवेक विजय गणि, लि. स्था. राधनपुर
275.	27788	तप:कल्प (विद्या प्रवाद् पूर्वगत)	भद्रबाहु स्वामी	28.1X13.8 11-36	1	''	20 वीं	
276.	28798	तप ग्रहण विधि		26.1X12.3 13-42	2	''	19 वीं श.	अन्त में 'तप पारण विधि' लि.क.-खुश्यालविजय, लि. स्था. बेलानगर
277.	27749	दीक्षा विधि		24.7X11.9 15-41	26 वां	अपूर्ण	20 वीं	
278.	28782	देववन्दन विधि		25.5X11.5 11-33	4	पूर्ण	''	अन्त में मंगलीक माला
279.	28457	देवसी प्रतिक्रमण विधि		16X35 36-26	1	अपूर्ण	18 वीं	कटा-फटा पत्र
280.	27254	द्वादश व्रत जिन पूजा विधि	पं. वीर विजय	25.8X11.9 14-35	7	पूर्ण	1904	र.का. 1887

1	2	3	4	5	6	7	8	9
281.	29136	द्वादश वार्त्तालापक		24.5X12.8 16-42	4	पूर्ण	18 वीं श.	
282.	28458	ध्यान एवं अक्षय पूजा		24.8X13.6 11-27	2-6	अपूर्ण	20 वीं श.	
283.	29115	नव ओलीना विधि		24.7X11.5 15-38	3-4	पूर्ण	19 वीं श.	लि.क. मेघविजय लि.स्था. फतहनगर
284.	28601	नव तत्व ना भेद		18.5X13 15-22	27	''	20 वीं श.	साथ में हैं- 1. मार्गणा द्वारा 21 बोल 10 मिनट विगत वार 10-14 2.भांगा विचार- 14-27
285.	29107	नवपद आराधना विधि		24.7X12 13-38	22	''	19 वीं श.	अन्त में सिद्धचक्र आराधना विधि

1	2	3	4	5	6	7	8	9
286.	27730	नव पद चैत्य वन्दन		26.3X12.1 17-47	1	पूर्ण	20 वीं श.	
287.	29147	" " "		20.1X7.4 5-20	1-7	"	1956	
288.	28887	" " पूजा	जसवाचक	27.8X13.1 17-34	1-5	"	1921	
289.	29141	" " "		20.5X7.4 5-19	34	"	1956	लि.क.-पं. गणपत विजय p/o शंभू विजय
290.	29316	" " (सिद्ध चक्र महात्म्य)		11X10.3 9-10	67-99	"	19 वीं श.	
291.	29397	नवपद पूजा		9.3X8.2 11-12	41-61	"	18 वीं श.	पत्र 60 दो बार आया है। लि.क. -उदयचन्द्र, लि. स्था.-सूरत बिन्दर,

1	2	3	4	5	6	7	8	9
292.	28642	नवपद स्नात्र पूजा विधि	देवचन्द	10.5X6.8 7-12	4-36	अपूर्ण	1879	अप्राप्त पत्र- 1-3
293.	28765	नवाणु प्रकारी पूजा	वीर विजय p/o शुभ विजय	27.8X13.5 13-30	7	पूर्ण	20 वीं श.	र.का. 1884, र. स्था. पालीताणा
294.	27753	निर्ग्रन्थाधिकार		25.2X11.9 15-35	5	''	19 वीं श.	
295.	27170	पंचकल्याणक महोत्सव		24.9X11.7 14-42	2	''	20 वीं श.	लि.क. आनन्द विजय
296.	27169	'' '' कल्पना विधि		24.9X11.7 12-35	33	''	1930	लि.क. -गंवरी 1. चवदै स्वप्न -10-13 2. इकवीस प्रकारी पूजा-पाठक शिवचन्द 13-26 3. समेत शिखर पूजा-26

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
297.	28888	पंच ज्ञान पूजा	रूप विजय p/o पद्मविजय	27.8X13.1 17-34	6-9	पूर्ण	1921	र.का.- 1887, लि. क. हीरविजयगणि लि. स्था.-राधनपुर नगर
298.	28891	''	''	23.7X13.2 16-26	6	''	1891	र.का.- 1887, लि. क. विद्याविजय, लि. स्था.-राधनपुर
299.	28557	पुद्गल पराछस्तन का भेजद		26.4X12.2 18-36	5	''	19 वीं श.	आठ करणा विचारबोध साथ में
300.	27914 (प)	पूजा-संग्रह	देवचन्द्र साधुकीर्ति	11.5X9.3 9-13	170	''	20 वीं श.	स्तवन व पद सहित, कुछ पत्र त्रुटित
301.	27270	पौषध विधि		25.3X11 14-44	4	''	1924	स्था. रायपुर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
302.	29181	पौषध विधि गीत	समयसुन्दर	25.3X10.9 11-40	5-6	अपूर्ण	19 वीं श.	र.का. - 1669, र स्था.-जैसलमेर लि. क. - साध्वी भगतालिखमा, लि. स्था.- सिद्धपुर
303.	27843	प्रतिक्रमण हेतु		25.8X11.5 15-36	3	पूर्ण	,,	लि. क. क्षमाकल्याण गणि, लि. स्था. बीकानेर
304.	27203	प्रतिमोत्थापन रा वचन द्वादश		25.8X11.6 15-51	3	अपूर्ण	20 वीं श.	
305.	28763	बारह व्रत पूजा	वीरविजय	25X12.6 16-35	7	पूर्ण	1857	र.का. 1857, र. स्था. राजनगर, लि.क. मेघविजय गणि, लि.स्था. अणुवयपरा ग्राम

1	2	3	4	5	6	7	8	9
306.	28781	बारह व्रत पूजा	रूप विजय p/o शुभविजय	21.4X12.1 14-26	9	पूर्ण	1915	अन्तिम पत्र जीर्ण र.का.- 1887, र.स्था. राजनगर, लि.क. बखताराम, लि. स्था. कुंडग्राम
307.	29113	बिम्ब स्थापना विधि	नवीन प्रसाद	27.3X14 15-36	6-28	अपूर्ण	1925	लि.क. चरणसेवक, लि. स्था. उमीयापुर
308.	28476	बीज तिथि चैत्य वन्दन		23.9X10.8 10-26	3	पूर्ण	1968	लि.क. कर्मचन्द राम, लि.स्था. पालीतणा
309.	27863	बीस स्थानक तप विधि		24.9X11.2 14-42	35	,,	20 वीं श.	
310.	28864	,,		25.7X12 15-30	34	,,	1885	किनारों से कीट भक्षित, लि.क.- उद्योत विजय, लि. स्था. (महिमापुर) मकसूराबाद

1	2	3	4	5	6	7	8	9
311.	28764	बीस स्थानक पूजा	विजय लक्ष्मी सूरि p/o विजय सौभाग्यसूरि	28.2X13.1 13-46	8	पूर्ण	1865	र.का.- 1845, स्था.--खम्भातनगर, लि.क. चतुरविजय p/o नवलविजय लि. स्था. बसु
312.	29037	भले ना अर्थ		25.5X11.2 13-30	1-2	''	1900	लि.क. गौतम विजय, लि. स्था. बीकानेर
313.	27707	महावीर रो पारणो		25.1X11.9 14-31	1-3	''	20 वीं श.	
314.	28124	'' ''		18.5X26.8 31-21	161-162	''	1881	
315.	29227	'' ''		18.2X15.2 17-26	74-75	''	19 वीं श.	अन्त में सगयसुन्दर का पद

1	2	3	4	5	6	7	8	9
316.	28563	महाव्रतनी पांच-पांच भावना आदि विचार		25X10.6 17-50	4	अपूर्ण	19 वीं श.	लिखते छोडा
317.	28883	मौन एकादशी देव वन्दना विधि		23.5X11.7 10-26	14	पूर्ण	1890	लि.क. - विवेक p/o हीरविजय गणि
318.	27182	रात्रि भोजन दोष विचार		25X10.8 16-36	8	अपूर्ण	19 वीं	अ.प. - 3रा
319.	29317	विंशतिविधि पूजा	समयसुन्दर गणि	11X10.3 9-10	100-157	पूर्ण	1891	
320.	28774	श्राद्ध अतिचार		24X12.5 15-32	6	''	1889	लि.क.-भीव विजय गणि, लि.स्था. फतेहगढ नगर
321.	28406	श्राद्धविधि प्रकाश	क्षमा कल्याण p/o अमृत धर्मवाचक	24.1X11.6 13-48	14	''	1840	र.का. 1838, र. स्था. जैसलमेर, लि.क. कीर्तिहिम

1	2	3	4	5	6	7	8	9
322.	28571	श्रावक ना बारह व्रत री ढाल	भीखन	21X13.7 16-32	18	पूर्ण	20 वीं श.	र.का. 1832, र.स्था. गून्दोज अ.प.- 9वाँ
323.	28589	श्रावक नी करणी	जिनहर्ष	23.5X11.4 15-35	1	''	''	
324.	29224	'' ''	''	18.2X15.2 17-26	69-70	''	19 वीं श.	
325.	28533	श्रावक बारह अणुव्रत विचार		28.2X13.3 19-45	2	''	''	
326.	27952	श्रावक महिमा स्वाध्याय	समयसुन्दर	16.9X13 20-25	142 वाँ	''	1864	
327.	27281	श्रावकातिचार		25.4X11.9 14-35	5	''	1922	लि.क. आसकरण मुनि, लि. स्था. देशनोक

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
328.	27867	श्रावकातिचार		24.2X11.3 10-30	9	पूर्ण	1875	
329.	28343	"		25.8X12.3 9-30	14	"	1917	लि.क. जयकीर्ति मुनि, लि. स्था. बीकानेर
330.	28369	"		25.5X12.1 7-20	24	"	1907	र.का.- 1585
331.	28759	"		25.5X11.2 14-34	6	"	1756	लि. स्था. राजनगर
332.	28848	"		26.5X12.1 10-30	17-27	"	1923	
333.	27418	सत्तर भेदी पूजा	साधु कीर्ति	25.7X11.6 12-32	8	"	1921	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
334.	28645	सत्तर भेदीपूजा	साधुकीर्ति p/o अमर माणिक्य	10.5X6.8 7-12	74-102	पूर्ण	1879	
335.	29145	,, ,,	,,	20.5X7.4 5-21	30	,,	1956	र.का. 1618, लि.क. पं. गणपतविजय p/o शंभूविजय लि. स्था. सुभटपुर
336.	28272	,, ,, विधि	p/o अमर माणिक्य	18.5X26.8 31-21	219-223	,,	1881	
337.	28886	,, ,,	विजयदान सूरी	26.5X13.1 13-24	8	,,	1896	
338.	29396	,, ,,	साधुकीर्ति	9.3X8.2 11-12	14-41	,,	18 वीं श.	लि.क. उदयचन्द लि. स्था. राजनगर
339.	28773	साधु अतिचार		24.5X10.9 8-23	8	,,	19 वीं श.	लि.क. प्रधानसागर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
340.	28780	साधु अत्तिचार		27.5X13.9 16-50	2	पूर्ण	1950	
341.	28842	,,		24.6X10.6 16-34	2	,,	1805	
342.	27870	सामयिक पोषह विधि		25X12 10-33	4	,,	1922	लि.क. वृद्धिचन्द लि. स्था. बीकानेर
343.	27704	सिद्धचक्र आराधना विधि		25.7X11.6 15-35	1	,,	1861	लि. स्था. जयनगर
344.	28741	,,		20.2X9.6 9-33	29	,,	1946	लि. क. चिमन विजय
345.	29023	सिद्धचक्र नगस्कार चैत्य वंदन	नयविमल	26.8X11.3 15-32	20वाँ	,,	1881	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
346.	28273	सिद्धचक्र नवपद पूजा	जसवाचक	18.5X26.8 31-21	223-228	पूर्ण	1881	
347.	28483	सीमन्धर स्वामी विनती	भक्ति लाभ उपाध्याय	27.6X12.6 10-32	2	''	19 वीं श.	
348.	28582	सूतक असज्झाय आदि विचार		11.4X61.5	1 (खरडा)	''	1898	लि.क. केसरी चन्द मुनि लि. स्था. फलौदी
349.	28270	स्नात्र पूजा विधि (अष्ट प्रकारी पूजा)	देवचन्द्र	18.5X26.8 31-21	214-219	''	1881	पूजा श्लोक संस्कृत में
350.	28643	'' ''	p/o दीपचन्द	10.5X6.8 7-12	36-60	''	1879	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
351.	29315	स्नात्र पूजा विधि (अष्ट प्रकार सतर भेद पूजा विधि)		11X10.3 9-10	1-67	पूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र फटा हुआ
352.	29395	''	देवचन्द्र	9.3X8.2 11-12	1-14	''	18 वीं श.	
22(4) रास चउपई								
353.	27682	अंजना सती रास		25.4X11.8 16-37	16	''	1928	लि.क. बिहारीलाल p/o रूपचन्द, लि. स्था. राम का कोटा
354.	29311	''		15X11 12-22	1-42	''	1919	लि. क. व्यास रतोणी छोटू, लि.स्था. विक्रमपुर
355.	27458	'' सुन्दरी चौपई	पुण्य p/o रत्नसागर	25X11 12-27	38	''	20 वीं श.	र.का. 1689

1	2	3	4	5	6	7	8	9
356.	27773	अध्यात्म बहोत्तरी	आनन्दघन	42.5X16.9 27-65	5	पूर्ण	1916	अन्त में अष्टादश प्रकार, जीवधर्म, चौदह रत्न नामादि आदि। लि. स्था. -कर्मवाटी
357.	27968	,, ,,	,,	16.5X11 12-16	2-33	अपूर्ण	1853	प्रारम्भ में पद अ.प्र. -प्रथम
358.	28297	अनाथी मुनि सन्धि	विमल विनय p/o नयरंगवाचक	18.5X26.8 31-21	243-246	पूर्ण	1881	र.का. 1647, र.स्था. कसूरपुर
359.	27226	अमरसेन कथा चौपई	मेघराज	26.1X10.8 15-48	10	,,	1721	
360.	28295	अरहन्ना मुनिसर चौपई	राजहर्ष p/o ललित कीर्ति	18.5X26.8 31-21	231-238	,,	1881	र.का.1732 , र.स्था. दन्तवासपुर
361.	27950	अयवन्ती सुकुमाल रास	जिनहर्ष	16.9X13.20 20-25	134-139	,,	1864	र.का.1741, र.स्था. जाजनगर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
362.	28024	आइकुमार चौढालिया	कनकसोम	18.5X26.8 31-21	82-84	पूर्ण	1881	र.का. 1644, र.स्था. अमरसर
363.	28043	आगम छत्तीसी	श्रीसार	''	107-109	''	1880	
364.	28807	आत्म प्रबोध छत्तीसी	ज्ञानसागर	25.3X10.8 15-42	2-3	''	1892	
365.	29043	'' राजा नो रास	सहजसुन्दर	26.2X11.8 14-35	5	''	1793	
366.	27510	आनन्द श्रावक सन्धि	श्रीसार p/o रत्नहर्ष वाचक	25.6X10.7 16-52	8	''	1738	र.का.- 1688, र.स्था. पोकरण, लि.क. समयमाणिक्य गणि, लि. स्था. बन्नूदेश
367.	27948	'' '' ''	'' '' ''	16.9X13 20-25	114-127	''	1866	र.का. 1684
368.	28128	'' '' ''	'' '' ''	18.5X26.8 31-21	164-172	''	1881	र.का. 1688, र.स्था. पुष्करणी नदी (पोकरण)

1	2	3	4	5	6	7	8	9
369.	28856	आनन्द श्रावक सन्धि	श्रीसार p/o रत्नहर्ष वाचक	25.2X11.3 13-35	12	पूर्ण	19 वीं श.	र.का. 1698, र.स्था. पोकरण
370.	29299	,, ,,	हेमकीर्ति	15X11 11-14	2-33	अपूर्ण	1984	जीर्ण–शीर्ण प्रति, आदि के 8 श्लोक अप्राप्त, बीच के पन्ने आधे फटे हुए।
371.	29336	,, ,,		14.5X11 10-20	6-26	,,	19 वीं श.	आगे के 5 पत्र अप्राप्त, अन्त अपूर्ण
372.	28871	आलोयणा छत्तीसी	समयसुन्दर	25.3X11 13-32	2	पूर्ण	18 वीं श.	र.का. 1698, र.स्था. अहमदपुर
373.	27926	आषाढभूति चौढालियो	कनकसोम	16.9X13 20-25	44-49	,,	1862	पत्र 44 पर स्फुट पर, र.का. 1638
374.	28428	,, ,,	,,	14X15 15-15	42-48	,,	1810	र.का.1638
375.	28877	,, धमाल	,,	25.9X11 13-34	4	,,	1663	र.का.138, लि.क. -विनयवर्द्धन p/o महिम सिन्धु गणि

1	2	3	4	5	6	7	8	9
376.	28962	आषाढ भूति धमाल	कनकसोम	25.7X10.9 12-38	4	पूर्ण	19 वीं श.	र.का. 1638
377.	27287	इला कुमार चौपई	ज्ञान सागर	24.9X11.7 13-32	11	अपूर्ण	20 वीं श.	र.का.1900, लि.स्था. सीतामउ नगर
378.	29300	उत्पत्ति बहुत्तरी	रत्नहर्ष	15X11 11-14	33-40	पूर्ण	''	पत्र फटे और चिपके हुए
379.	28040	उपदेश छत्तीसी	रघुपति पाठक	18.5X26.8 31-21	103-104	''	1881	
380.	28619	(आत्म सज्झाय)	राज	10.5X10.2 8-12	88-96	''	1841	
381.	28852	'' '' ''	''	28.4X13.1 13-35	2	''	20 वीं श.	
382.	29331	'' '' ''	''	14X12 10-15	39-44	''	19 वीं श.	
383.	29180	ऋषभ दत्ता चौपई		25.3X10.9 12-44	1-3	अपूर्ण	''	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
384.	29019	ऋषभ देव बारहमासा		26.8X11.3 15-32	17 वाँ	पूर्ण	1881	
385.	29175	″ ″	ऋद्धसार	20.7X11 10-28	3	″	19 वीं श.	
386.	27677	कयवन्ना चौपई		25X10.4 14-44	20	″	1806	लि. स्था. बीकानेर
387.	28867	″ ″	जैतसी (जयरंग) p/o पुण्यकलश गणि	19.2X11.3 14-23	36	″	1780	र.का. 1721, र.स्था. बीकानेर, लि.क. मायाचन्द, लि.स्था. पाटोदी
388.	27647	कर्म छत्तीसी	समयसुन्दर	24.2X10.7 12-35	34	″	19 वीं श.	र.का. 1600
389.	28034	″ ″	″	18.5X26.8 31-21	96-97	″	1881	र.का. 1668, र.स्था. -गुलतान नगर
390.	28957	″ ″	″ p/o सकलचन्द	25.1X10.9 14-46	1-2	″	19 वीं श.	″ किनारें कटे हुए

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
391.	28041	कुमति छत्तीसी	कमल	18.5X26.8 31-21	104-105	पूर्ण	1881	र.का. 1724, र. स्था. सोजत
392.	27152	कुमार चौपई	विद्या विलास p/o कमल हर्ष वाचक	26.2X11.2 16-42	9	''	1761	र.का.1700, र.स्था. लूणकरणसर
393.	29182	'' पाल रास		24.7X11.1 24-34	1-71	अपूर्ण	1836	र.का.1742, र.स्था. पाटण, लि.क. क्षमा हेम मुनि p/o कनक धर्म गणि अ.प. -7,63 श्री गजसिंघ जी री वसी मध्य
394.	29219	कृष्ण शुक्ल पक्ष चौपई	हर्षकीर्ति	18.2X15.2 17-26	57-58	पूर्ण	19 वीं श.	
395.	28879	केसी प्रदेशी सन्धि	नयरंग	25.5X10.5 15-44	4	''	''	
396.	28523	कोणक चौपई		25X11.2 15-41	7	''	18 वीं श.	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
397.	28546	क्रोध पच्चीसी	चन्द्रभान ऋषि	25X11.4 21-48	1-2	पूर्ण	19 वीं श.	र.स्था. चुरू
398.	27927	क्षमा छत्तीसी	समयसुन्दर	16.9X13 20-25	49-51	''	1862	
399.	29260	'' ''	''	18.2X15.2 17-26	117-119	''	19 वीं श.	
400.	28033	'' ''	''	18.5X26.8 31-21	95-96	''	1881	र.स्था.-नागौर
401.	29072	गज सुकुमाल चरित्र	माधव	20.3X10.8 13-31	10	''	''	लि.क.-आनन्द विजय, लि.स्था. नागपुर पास पाडली
402.	28870	गौतम पृच्छा चौपई	नयरंग	24.7X10.7 13-44	3	''	18 वीं श.	
403.	27920	गौतम रास		16.9X13 20-25	32-36	''	1862	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
404.	28121	गौतम रास		18.5X26.8 31-21	154-156	पूर्ण	1881	र.का. 1412
405.	28878	'' ''		25.5X10.6 15-42	3	''	19 वीं श.	लि.क.-राजबल्लभ
406.	29028	'' ''	विजयप्रभ सूरि	26.1X12 13-27	1-5	''	1870	लि.क. विवेक विजय
407.	29183	'' ''	विनयवन्त	26X11.2 13-38	4	''	18 वीं श.	र.का. 1472
408.	29223	गौतमाष्टक	समयसुन्दर	18.2X15.2 17-26	69 वाँ	''	19 वीं श.	
409.	27155	चन्दगुप्त के सोलह स्वप्न	ऋषि जयमल	24.8X11 19-50	2	''	''	लि.क. बेलजी, लि. स्था.-नोलियासर, अन्त में पत्र 2 पर कमलावती रानी पुकार राजा सज्झाय

1	2	3	4	5	6	7	8	9
410.	27653	चन्दराजा चौपई	मोहनविजय p/o रूपविजय	25.9X11.9 15-42	87	पूर्ण	1899	र.स्था. 1783, र.स्था. राजनगर, लि.क. पं. लक्ष्मीधर मुनि p/o आनन्द विजय मुनि लि. स्था. - लूणकरणसर
411.	27803	" "	" "	26.2X11.9 13-43	105	"	20 वीं श.	
412.	27285	" " रासो	" "	26.2X11.5 15-46	96	"	1872	र.स्था. - राजनगर लि.क. लालचन्द लि. स्था. बीकानेर
413.	29171	चन्द राजा की ढाल		25.6X12 15-40	104	अपूर्ण	19 वीं श.	अ.प. 14 से 20 तक
414.	27455	चन्द्रलेखा चौपई	मति कुशल p/o रत्नबल्लभ	25X10.9 16-41	19	पूर्ण	1709	लि.क.हीनन्द एवं भगवान p/o ज्ञानविजय

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
415.	27311	चम्पक श्रेष्ठी चौपई	समयसुन्दर p/o सकलचन्द्र	25.6X11.1 15-44	15	पूर्ण	1739	र.का. 1695, र.स्था. जालोर
416.	27352	″ ″	″ ″	25.8X11.9 17-43	12	″	1899	″ ″ लि.क. आनन्दविनय मुनि, लि. स्था. लूणकरणसर
417.	28808	चरित्र छत्तीसी		25.3X10.8 15-42	3-4	″	1892	
418.	27918	जिन ऋषि जिनपाल चौढालिया		16.9X13 20-25	25-31	″	1862	पत्र 25 वें पर स्फुट पद पत्र 26-27रिक्त
419	28023	″ ″		18.5X26.8 31-21	80-82	″	1881	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
420.	29310	जिन ऋषि जिनपाल चौढालिया		15X11 11-14	122-126	अपूर्ण	1862	पत्र फटे हुए और चिपके हुए
421.	28875	जिनभक्ति सूरि भास	जयसिंह वाचक	24.5X10.6 11-33	2	पूर्ण	19 वीं श.	दो भास
422.	28110	जीव काया उत्पत्ति बहोत्तरी	श्रीसार p/o रत्नहर्ष	18.5X26.8 31-21	137-139	''	1881	
423.	27459	तिलक सुन्दरी चौपई	कानीराम ऋषि	21X11.5 17-30	19	''	1957	लि.क. पन्नालाल श्रावक, लि. स्था. भदौड़ नगर
424.	29024	तेजसार चौपई	कुशललाभ वाचक p/o अभय धर्म उपाध्याय	25.9X11 14-40	15	''	1640	र.का. 1624 र. स्था. वीरमपुर, जीर्ण प्रति।
425.	27658	थावच्चा चौपई	राजहर्ष p/o ललित कीर्ति	26.2X11 17-51	15	''	1716	लि.क. भाग्यविशाल p/o तिलक प्रमोद, लि.स्था. जांगलू

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
426.	28317	थूलभद्र ऋषिराय नवरसौ	उदयरत्न	18.5X26.8 31-21	273-276	पूर्ण	1881	र.का. 1759
427.	27941	थूलिभद्र रास	''	16.9X13 20-25	76-82	''	1862	र.का. 1749
428.	29220	'' ''	''	18.2X15.2 17-26	58-62	''	19 वीं श.	
429.	29015	'' शील वैल (वैराग्य दीपक शील वैल)	वीरविजय p/o शुभविजय	25.3X11.7 14-28	13	''	1866	र.का. 1862, र.स्था. राजनगर, लि.क. हीरविजय गणि, लि.स्था. राधनपुर
430.	29017	थूलिभद्र शील वैल	''	26.8X11.3 15-32	1-9	''	1881	
431.	27940	दसारण भद्र चौढालियो	कुशल p/o रामसिंह	16.9X13 20-25	75-76	''	1862	र.का. 1786, र.स्था. सोजत

1	2	3	4	5	6	7	8	9
432.	28030	दसारण भद्र चौढालियो	कुशल p/o रामसिंह	18.5X26.8 31-21	91-92	पूर्ण	1881	र.का. 1786, र.स्था. सोजत
433.	29074	" " "	"	25X11 13-30	2	"	19 वीं श.	" "
434.	29218	" " "	"	18.2X15.2 17-26	55-57	"	"	र.का. 1786
435.	28435	दान शील तप भव चौढालियो	समयसुन्दर	14X15 15-15	67-75	"	1810	र.का. 1662, र.स्था. सांगानेर
436.	29307	" " "	"	15X11 11-14	100-114	अपूर्ण	1862	कटे फटे पत्र एवं चिपके पत्र लि. क. पं. जगरूपमुनि लि. स्था. देशनोक
437.	29327	" " "	"	14X11.2 10-15	16-30	पूर्ण	19 वीं श.	
438.	29216	" " " भावना संवाद चौपई	"	18.2X15.2 17-26	1-52	"	"	र.का. 1662 र.स्था. सांगानेर

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
439.	27014	धन्ना मुनि चौपई	कमल हर्ष p/o विजय वाचक	25X11.8 15-38	26	पूर्ण	20 वीं श.	र.स्था. सोजतनगर
440.	27701	'' शालिभद्र चरित्र	जिनविजय p/o कृष्णविजय	25.8X12.6 14-31	104	''	1930	
441.	27024	धर्म बावनी	धर्मसी p/o विजय हर्ष	24.8X11.8 13-36	7	''	20 वीं श.	
442.	27946	'' ''	''	16.9X13 20-25	103-109	''	1862	र.का. 1725, र.स्था. ऋषिनगर
443.	29053	'' बुद्धि चौपई	लाभवर्द्धन p/o शान्ति हर्ष गणि	26.1X10.6 14-35	2-20	अपूर्ण	1860	र.का. 1725, र.स्था. सरसा, लि.क. पुण्य समुन्द्र, लि. स्था. बाडमेर, अन्त में कवित्त, अप्राप्त पत्र-प्रथम

1	2	3	4	5	6	7	8	9
444.	28032	नन्दीषेण महामुनि चौढालियो	शिवराज मुनि p/o विजयदेव	18.5X26.8 31-21	93-44	पूर्ण	1881	र.का. 1827
445.	29135	” ” चौपई	रूघपति	25.3X10.5 16-58	7	”	1803	र.का. 1803, लि. क. साधवी केसर जी शिष्याणी रूपाजी, लि.स्था.- केसरदेसर
446.	28031	नरक चौढालियो	गुणसागर	18.5X26.8 31-21	92-93	”	1881	
447.	28845	नरवर्मा नृप चौपई	विद्या कीर्ति p/o पुण्य तिलक	25.9X10.5 12-44	6	”	18 वीं श.	र.का. 1669
448.	27225	नल दमयन्ती चौपई	मेघराज वाचक	26.1X10.9 18-46	17	”	”	र.का.1664 , अप्राप्त पत्र 2 रा

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
449.	27284	नल दमयन्ती चौपई	समयसुन्दर	25X11.1 16-32	39	पूर्ण	1902	र.का. 1672, र.स्था. मेडता, लि.क. झूमा p/o जीताजी, लि. स्था. बीकानेर
450.	27371	" " "	"	25.8X10.8 19-61	18	"	18 वीं श.	र.का. 1673 , र.स्था. मेडता
451.	29134	" " "	"	25.6X11 14-47	21	"	19 वीं श.	" "
452.	28025	नवकार चौढालियो	धर्ममन्दिर मुनि p/o दयाकुशल वाचक	18.5X26.8 31-21	84-85	"	1861	
453.	28420	नवकार रस		14X15 15-15	19-21	"	1810	
454.	29184	" "		25X10.4 13-38	2	"	17 वीं श.	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
455.	29061	नवपद महिमा चौपई (श्रीपाल चौपई)	जिनहर्ष p/o शान्तिहर्ष	24.3X11 17-52	24	पूर्ण	19 वीं श.	र.का. 1740, र.स्था. पाटण
456.	28795	नवपद वर्णन ढाल	जसविजय वाचक	25.7X11.8 15-38	7	''	1858	अन्त में नवपद महिमावर्णन, लि.क. रूपविजय p/o मोहनविजय, लि. स्था. राधनपुर
457.	28544	निंहव बत्तीसी	रायचन्द ऋषि p/o जयमल	25.5X11.4 21-48	1 ला	''	19 वीं श.	र.का. 1823, र.स्था. पाली
458.	27921	नेम बारह मासौ	कवियण	16.9X13 20-25	36-39	''	1862	प्रारम्भ में जिनरंगकृत नेम राजुल गीत'
459.	28440	'' '' ''	''	14X15 15-15	82-84	''	1810	लि.स्था. पूगल

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
460.	28489	नेम बारह मासौ	कपूरचन्द	21.3X12.4 17-38	2	पूर्ण	19 वीं श.	
461.	29116	'' '' ''		24.7X11.5 15-38	4 था	''	''	
462.	29416	नेमिनाथ चौक चौमासो	कपूरचन्द	9.3X8.2 11-12	127-133	''	18 वीं श.	
463.	29080	नेमिनाथ फाग	राजहर्ष	25.7X10.7 11-33	1-2	''	19 वीं श.	
464.	29252	'' '' धमाल	''	18.2X15.2 17-26	109-111	''	''	
465.	27924	'' बारहमासौ	लाभोदय	16.9X13 20-25	41	''	1862	र.का. 1689, अन्त में कालीदास का कवित्त
466.	28484	'' '' ''	कुशालचन्द p/o नगराज	25.5X13.6 10-23	3	''	1915	र.का. 1798, लि.क. मानी आर्या, लि. स्था. अजमेर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
467.	28943	नेमिनाथ बारहमासा	कुशालचन्द p/o नागराज	24.9X11.7 19-36	6	पूर्ण	19 वीं श.	साथ में थूलभद्र रो नवरसो, र.का. 1798
468.	29020	,, ,,	कवियण	26.8X11.3 15-52	17-18	,,	1881	
469.	29018	,, ब्यावलो	वीरविजय	,,	9-17	,,	,,	र.का. 1860, र.स्था. राजनगर
470.	28211	,, राजमति बारहमासौ	कुशालचन्द	18.5X26.8 31-21	199-200	,,	,,	र.का. 1798
471.	29081	नेमि ,, धमाल	जिनचन्द्र	25.7X10.7 11-33	2-3	,,	19 वीं श.	
472.	27923	,, ,, बारहमासौ	जिनहर्ष	16.9X13 20-25	40वाँ	,,	1862	
473.	27922	,, राजुल ,,	कवियण	,,	39वाँ	,,	,,	
474.	28212	नेमिनाथ राजुल बारहमासौ		18.5X26.8 31-21	200-201	,,	1881	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
475.	28213	नेमि राजुल बारहमासा	अमर विशाल	18.5X26.8 31-21	201-202	पूर्ण	1881	
476.	28214	'' '' ''	लाभोदय	''	202वाँ	''	''	र.का. 1689
477.	28218	'' '' ''	कवियण	''	203-204	''	''	
478.	28613	'' '' ''	विनोदीलाल	10.5X10.2 8-12	39-52	''	1841	
479.	28633	नेमि राजुल रास	पुण्यरत्न मुनि	11X8.2 7-13	6-19	''	20 वीं श.	लि.क.- सेवक
480.	27939	नेमि राजुल संवाद चौबीस चौक	अमृत कवि p/o विवेक विजय	16.9X13 20-25	66-74	''	1862	र.का. 1819, र.स्था. उगणाचार, प्रारम्भ में 'गजसुकुमाल सज्झाय' पत्र 65 (ब) पर स्वाध्याय, विनती आदि।

1	2	3	4	5	6	7	8	9
481.	28480	नेमीश्वर राजीमति रास	विजयदेव सूरि	26.6X11.4 11-35	11	पूर्ण	1858	
482.	29012	'' शील रास	''	25.8X10.7 11-38	9	''	16 वीं श.	
483.	27820	परदेसी राजा प्रबोध	ज्ञानचन्द	25.7X10.7 11-41	31	''	18 वीं श.	र.स्था. राजनगर
484.	29312	परदेशी राजा चौपई	ऋषि जैमल	15X11 12-22	1-40	अपूर्ण	1919	अन्तिम पृष्ठ फटा हुआ
485.	29054	'' '' सन्धि	''	25.5X12.5 14-40	20	पूर्ण	19 वीं श.	र.का. 1877
486.	28810	पाँच भावना ढाल	देवचन्द्र p/o राजहंस	25.8X11.2 15-50	3	''	1892	लि.क. नगविजय गणि, लि. स्था. जोधपुर
487.	27534	पाण्डव चरित्र चौपई	लाभवर्द्धन p/o शान्ति हर्ष	23.7X11.2 13-42	121	''	1824	95वाँ पत्र दो बार, लि.क. पुनसी p/o राजसी, लि.स्था. बीकानेर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
488.	28035	पाप छत्तीसी	समयसुन्दर	18.5X26.8 31-21	97-98	पूर्ण	1881	र.का. 1698, र.स्था. अहमदपुर
489.	28438	पार्श्वनाथ बारहमासौ	जिनहर्ष	14X15 15-15	79-81	''	1810	
490.	28039	पुण्य छत्तीसी	समयसुन्दर	18.5X26.8 31-21	101-103	''	1881	र.का.-1669, (निधि, दर्सन रस सिहर) र.स्था. सिद्धपुर
491.	28507	पुरन्दर छत्तीसी		25.8X10.8 11-30	22	अपूर्ण	17 वीं श.	प्रदर्शनीय प्रति
492.	28868	बारह भावना छत्तीसी	जयसोम गणि p/o प्रमोद माणिक्य	25.5X10.7 11-40	4	पूर्ण	''	र.का. 1646, र.स्था. बीकानेर
493.	28874	'' '' ''	जयसोम गणि	25.5X10.9 14-52	3	''	18 वीं श.	'' '' अन्तिम पत्र खण्डित

1	2	3	4	5	6	7	8	9
494.	26955	बीस स्थानक विचार सार चौपई	जिन हर्ष p/o शान्ति हर्ष	24X11 13-34	179	पूर्ण	20 वीं श.	अपर नाम-पुण्य विलास रास
495.	28806	भाव छत्तीसी	ज्ञानसार p/o रत्नराज गणि	25.3X10.8 15-42	1-2	"	1892	र.का. 1865, र.स्था. किशनगढ
496.	28366	मंगल कलश चौपई	कनकसोम वाचकp/o अमर माणिक्य	24.5X13.1 13-33	8	"	1943	र.का. 1649, र.स्था. मुलतान, लि.क. कर्मचन्द पण्डित
497.	28488	मंगल कलश फाग	" " "	23.9X11.2 14-40	7	"	1834	अन्त में नेमिजिन सज्झाय, र.का. 1649, र.स्था. मुलतान, लि.क. रतिसुन्दर पण्डित
498.	29071	" " "	" " "	26X11 11-43	8	"	18 वीं श.	र.का. 1649, र.स्था. मुलतान

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
499.	28809	मत प्रबोध छत्तीसी	ज्ञानसार	25.3X10.8 15-42	4-5	पूर्ण	1892	लि.क. नगविजय गणि, लि. स्था. सुभटपुर
500.	27901	माधवानल कामकन्दला चौपई		23.8X21 21-30	349-372	''	1738	लि.क. मथेन आणंदजी p/o पेमराज लि.स्था. बीकानेर
501.	27283	मानतुंग मानवती चौपई	मोहनविजय	25.1X12.8 12-28	33	अपूर्ण	20 वीं श.	अन्तहीन
502.	27463	'' '' ''	रूपविजय p/o मानविजय	24.4X11.6 15-40	34	पूर्ण	19 वीं श.	र.का. 1760, (पूर्णकायमुनि चन्द्रसुवरसे) र.स्था. कर्मवाटी
503.	27504	'' '' ''	मोहनविजय	25.2X11.9 15-40	38	''	1899	र.का. 1760, र.स्था. अणहिलपुर पाटण, लि.क.-अक्षयसुन्दर, लि.स्था. लोहावट

1	2	3	4	5	6	7	8	9
504.	27664	मानतुंग मानवती चौपई	अभयसोम p/o सोमसुन्दर	25.4X10.7 17-51	6	पूर्ण	1781	र.का. 1727, लि.क. प्रेमराज, लि.स्था. बीकानेर
505.	28502	" " "		25.2X10.8 13-45	11	अपूर्ण	19 वीं श.	अन्तहीन अ.प.-3 रा
506.	29052	" " "	मोहनविजय p/o रूपविजय	26.3X12.6 16-38	38	पूर्ण	1885	र.का. 1760, र.स्था. अणहिलपुर पतण, लि.क.सरदारमल्ल ऋषि, लि.स्था. फलौदी
507.	29057	" " "	" "	24.5X11.5 16-38	35	"	1880	र.का. 1760, र.स्था. अणहिलपुर, लि.क. माणिक्य सागर p/o कृपा सागर, लि. स्था. क्षारपुर
508.	28547	मान पच्चीसी	चन्द्रभान ऋषि	25.5X11.4 21-48	2 रा	"	19 वीं श.	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
509.	27131	मुनिपति चरित्र	धर्ममन्दिर मुनि p/o दयाकुशल	25.4X11.1 16-38	32	पूर्ण	19 वीं श.	र.का. 1725, र.स्था. पाटण
510.	29226	मुनि मालिका चौढालियो	विमलनाथ सूरि	18.2X15.2 17-26	71-74	''	''	र.का. 1636
511.	29051	मृगांक लेखा चौपई		24.5X12.4 15-35	17	''	''	
512.	28029	मृगापुत्र चौढालिया	कुशलवकवि	18.5X26.8 31-21	90-91	''	1881	र.का. 1791, र.स्था. बीकानेर
513.	28296	मृगापुत्र सन्धि	जिनहर्ष p/o सोमवाचक	''	238-243	''	''	र.का. 1715, र.स्था. सत्यपुर नगर
514.	27453	मृगावति चौपई	चन्द्रकीर्ति	24.5X10.6 12-32	14	''	1878	र.का. 1682, र.स्था. बाडमेर, लि.क. कस्तुरा p/o दया नन्दन मुनि, लि. स्था पुनरासर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
515.	28026	मेघ कुमार चौढालिया	कनक p/o जिन माणिक्य सूरि	18.5X26.8 31-21	85-86	पूर्ण	1881	
516.	27286	मोती कपासिया नो चौढालियो	श्रीसार मुनि p/o रत्नहर्ष	25X11.6 14-34	5	''	1877	र.का. 1689, र.स्था. फलौदी, लि.स्था. विक्रमपुर
517.	28036	मोह छत्तीसी	पुण्यकीर्ति p/o हंस प्रमोद पाठक	18.5X26.8 31-21	98-99	''	1881	र.का. 1684, र.स्था. नागौर
518.	27947	यादव रास		16.9X13 20-25	109-113	''	1862	
519.	29056	रणसिंघ राजऋषि रास	जिन हर्ष p/o शान्ति हर्ष	25.4X11.6 12-42	34	''	1742	र.का. 1741, र.स्था. पाटण, लि.स्था. सूरतबन्दर
520.	28022	रत्नपाल चौपई	रुघमति p/o विद्यानिधान पाठक	18.5X26.8 31-21	57-79	''	1881	र.का. 1819, र.स्था. कालू, लि.क. ऋषभपण्डित, लि. स्था. गारभदेसर

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
521.	27966	राचा बत्तीसी	राचा	15.1X10.4 10-17	86-90	पूर्ण	1848	
522.	27942	राजुल पच्चीसी	लालचन्द	16.9X13 20-25	83-87	''	1862	स्फुट स्तवन पद सहित
523.	28621	'' '' ''	विनोदीलाल	10.5X10.2 8-12	100-118	''	1841	
524.	29047	'' '' ''	आनन्दचन्द	21.5X10 12-35	4	''	19 वीं	
525.	27475	रामरासा	केशरराम मुनि p/o गुणसार सूरि	25.8X12.3 15-40	107	''	1912	र.का. 1680, लि. क. हरिनारायण मिश्र, लि. स्था. हर्डवा गंज लोहा मण्डी
526.	27502	रामसीता चौपई	समयसुन्दर p/o सकलचन्द्र	24.7X10.5 16-38	83	अपूर्ण	19 वीं	अ.प. 68वाँ

1	2	3	4	5	6	7	8	9
527.	28451	लीलावती चौपई	लाभवर्द्धन p/o शान्तिहर्ष	11.7X15.7 15-15	1 (128वां)	पूर्ण	1736	
528.	29164	" "		25.9X12.7 15-38	12	अपूर्ण	19 वीं श.	
529.	28979	वर्द्धमान चरित्र सबालावबोध	जिन वल्लभ सूरि	25.4X11.4 15-48	8	"	18 वीं श.	
530.	27265	विक्रम पंचदण्ड चौपई	लक्ष्मी वल्लभ गणि	26.9X12.4 15-38	86	पूर्ण	20 वीं	र.का. 1728, र.स्था. गारभदेसर
531.	27670	" "	लक्ष्मीवल्लभ p/o लक्ष्मीकीर्ति	26.1X11.7 16-52	49	"	1859	लि.क. खेमकीर्ति र.का. 1728, लि.स्था. गारभदेसर
532.	28786	" "	" "	26.6X11.8 16-61	49	"	1839	लि.स्था. भोजासर

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
533.	28542	विक्रमादित्य चौपई	लाभवर्द्धन	25X11.1 16-43	3-19	अपूर्ण	1823	लि.क. वाचक भुवन विशाल गणि, लि. स्था. मुलतान
534.	29021	विजय क्षमा सूरि बारामासा	जसवन्त सागर	26.8X11.3 15-32	18-19	पूर्ण	1881	लि.स्था. विसलनगर
535.	28027	विजयसेठ विजया सेठाणी चौढालियो	कुशल कवि	18.5X26.8 31-21	86-87	''	''	
536.	28452	विद्या विलास चौपई	जिनहर्ष p/o सोमगणि	11.7X15.7 15-15	1 (128वां)	''	1736	लि.क. पं. सभाचन्द p/o जिनहर्ष गणि, लि.स्था. लूणकरणसर
537.	27063 (प)	शत्रुंजय रास	समयसुन्दर	24.8X11 15-40	34	''	19 वीं.श.	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
538.	27865	शत्रुञ्जय	समयसुन्दर	23.9X11 10-27	8	पूर्ण	20 वीं श.	र.का. 1682, र.स्था. नागौर
539.	28123	" " "	"	18.5X26.8 31-21	158-161	"	1887	"
540.	28626	" " "	"	10.5X10.2 . 8-12	146-164	"	1841	"
541.	28975	" " "	समयसुन्दर p/o सकलचन्द	25.7X10.7 13-37	5	"	18 वीं श.	अन्त में गौतम स्वामी गीत
542.	29221	" " "	"	18.2X15.2 17-26	62-68	"	19 वीं श.	र.का. 1682 , र. स्था. नागौर
543.	29326	" " "	"	14X11.2 10-15	13-16	अपूर्ण	"	प्रारम्भ के 1-2 पत्र अप्राप्त
544.	26971	शालिभद्र चौपई		25X11.6 9-28	38 (25-62)	"	"	र.का. 1678

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
545.	27477	शालिभद्र चौपई	जिनराज सूरि p/o जिनचन्द्र सूरि	26.4X11.2 19-68	9	पूर्ण	19 वीं.श.	र.का. 1678, लि.क. मलूका मुनि p/o पुरू जी
546.	29319	" " "	" " "	14.5X10.5 9-18	6-55	अपूर्ण	"	र.का. 1678 अप्राप्त पत्र- 1, 2, 3, 4, 5
547.	27938	शालिभद्र धन्ना रास		16.9X13 20-25	64-65	पूर्ण	1862	अन्त में समस्या रा दूहा
548.	27334	शिखर गिरि रास	सत्यरत्न p/o जिनहर्ष सूरि	23.9X11 11-28	15	"	1938	र.का. 1880, लि.क. आनन्दमुनि p/o अमृतमुनि
549.	27426	" " "	" " "	21X11 11-28	18	"	1911	र.का. 1880, लि.क. हर्षचन्द जोशी लि. स्था. गोपाल
550.	28037	शील बत्तीसी	राजसमुन्द्र p/o जिनसिंह सूरि	18.5X26.8 31-21	99-100	"	1881	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
551.	28873	शील बत्तीसी	राजसमुन्द्र p/o जिनसिंह सूरि	25.1X10.5 12-35	2	पूर्ण	18 वीं श.	साध्वी जसलिखगी विमल लिखमी पठनार्थ अति शोभनीय प्रति
552.	26993	श्रीपाल चरित्र (सचित्र)	जिनहर्ष	25X11.5 10-32	88	"	1921	चित्रित पत्र 73, र. का. 1740, र.स्था. पाटण, लि.क. पं. आसकरण
553.	27544	" " "	देवमुनि p/o जिनसौभाग्य सूरि	25.8X11.6 15-42	47	"	1922	र.का. 1917, लि.क. आसकरण मुनि लि. स्था. देशनोक
554.	27807	" " (भास)	" "	25.2X11.7 15-50	44	अपूर्ण	20 वीं श.	र.का. 1917, अ.प. 8वाँ
555.	29063	" " (सस्तबक)	विनय विजय महोपाध्याय टीकाकार-प्रभसूरि	25.3X12.5 12-42	146	पूर्ण	"	लि.क. यश विजय गणि

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
556.	29065	श्रीपाल चरित्र (सस्तबक)	विनय विजय महोपाध्याय टीकाकार-यशोविजय	27.5X12.8 14-36	36	पूर्ण	20 वीं.श.	तृतीय खण्ड, लि. क. हीरविजय, गणि, लि.स्था. राधनपुर
557.	27015	'' '' ''	जिनहर्ष p/o शान्तिहर्ष	25.4X10.6 17-56	19	''	1782	र.का. 1740, र.स्था. पाटण, लि.क. p/o प्रेमराज, लि. स्था. बीकानेर
558.	27096	'' '' ''	'' '' ''	25.8X12 13-36	39	''	1934	र.का. 1740, र.स्था. पाटण, लि.क. धीरसुन्दर, लि. स्था. विक्रमपुर
559.	27102	'' '' ''	'' '' ''	26.5X12.2 15-40	30	''	1895	र.का. 1740, र.स्था. पाटण, र.क. आनन्दविजय मुनि, लि.स्था. बालूचर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
560.	27456	श्रीपाल रास सस्तबक	जिनहर्ष p/o शान्तिहर्ष	24.5X10.7 12-36	41	पूर्ण	1874	र.का. 1740, र.स्था. पाटण, लि.क. प्रवर श्री p/o रत्नधर्म गणि, लि. स्था. समन्दरसर
561.	27815	श्रीपाल चौपई	" " "	25.2X10.5 14-42	37	"	1853	र.का. 1740, र.स्था. पाटण, लि. क-विद्यासमुद्र
562.	28021	" " "	" " "	18.5X26.8 31-21	29-57	"	1881	र.का. 1740, र.स्था. पाटण
563.	28382	" " "	" " "	24.8X12.9 13-31	41	"	1945	गंगासिंघजी विजै राज्य के समय र. का. 1740, र. स्था. पाटण, लि.क. कर्मचन्दपण्डित, लि.स्था.-बीकानेर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
564.	28469	श्रीपाल चौपई	जिनहर्ष p/o शान्तिहर्ष	25.4X12.3 13-36	39	अपूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण
565.	29060	,, ,, ,,	,, ,, ,,	23.2X11.5 13-32	37	पूर्ण	,,	र.का. 1740, र.स्था. पाटण
566.	27448	,, प्रबन्ध	विनय विजय गणि p/o कीर्ति विजयगणि	25.3X10.5 13-52	43	,,	1855	लि.क. जीतसुन्दर लि.स्था. राजलदेसर
567.	27179	श्रीपाल रास	विनयविजय p/o कीर्ति विजय	25.8X11.4 14-27	69	,,	1818	र.का. 1738, र.स्था. राणेर, लि.क. श्री सूरत बिन्दरे
568.	27699	,, ,, ,,	ज्ञानविशाल p/o सुजस विजय उपाध्याय	27.1X12.8 18-47	35	,,	1843	र.का. 1738, र.स्था. राणेर लि. स्था. निमडीनगर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
569.	27804	श्रीपाल रास	विनयविजय गणि p/o कीर्ति विजय गणि	24.9X12.6 14-36	57	पूर्ण	1849	र.का. 1738, र.स्था. राणेर, लि.क. माणकविगल, लि. स्था.मकसूदाबाद
570.	29058	" " (सस्तबक)	विनयविजय, सुजसविजय, p/o नयविजय	27.5X12.8 15-40	50	"	1922	चौथा खण्ड मात्र, र.का. 1738, र.स्था. राणेर, लि.क. हीरविजय गणि, लि.स्था. बडनगर
571.	29059	" " "	विनयविजय p/o कीर्तिविजय	27X12.8 10-40	72	"	1941	दूसरा खण्ड मात्र लि.क. हीरविजय गणि लि. स्था. मेहमदपुर
572.	28439	श्रीपूज्यजी रो भास	राम विजय	14X15 15-15	81-82	"	1810	लि. स्था. बीकानेर
573.	28219	संग्रह छत्तीसी		18.5X26.8 31-21	204-205	"	1881	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
574.	28028	सनत् कुमार चौढालियो	कुशल कवि	18.5X26.8 31-21	87-90	पूर्ण	1881	र.का. 1789, र.स्था. मेड़ता
575.	28399	सवा सौ सीख (बत्तीसी)	धर्मसी p/o विजयहर्ष	25.4X11.2 17-47	1	''	1877	लि.क. रिखबा पण्डित
576.	29191	सवा सौ सीख		26X11.1 12-30	2-3	अपूर्ण	18 वीं श.	
577.	28846	सामायिक दोष बत्तीसी	गुणरंग वाचक p/o प्रमोद माणिक्य	25.5X10.5 11-40	2	पूर्ण	''	र.का. 1649
578.	27659	सुकुमाल चरित्र	अमरविजय p/o उदयतिलक पाठक	26X11.3 17-42	32	''	19 वीं श.	र.का. 1790, र.स्था. आगरा
579.	28038	सुगुण छत्तीसी	रघुपति पाठक	18.5X26.8 31-21	100-101	''	1881	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
580.	27679	सुदर्शन श्रेष्ठी चौपई	रामचन्द्र ऋषि	25.8X11.7 20-37	20	पूर्ण	1860	लि.क. आर्या रामकँवर p/o केसरजी, लि.स्था. दिल्ली
581.	28298	सुबाहु ऋषि सन्धि	पुण्यसागर उपाध्याय p/o जिन माणिक्य सूरि	18.5X26.8 31-21	246-249	''	1881	र.का. 1604, र.स्था. जैसलमेर
582.	28959	'' '' ''	'' p/o जिनहंससूरि	24.6X10.9 9-31	10	''	1718	जीर्ण, र.का. 1604 र.स्था. जैसलमेर लि.क. दानचन्द, लि. स्था. नागौर
583.	29036	सुभद्रा चौपई छंद	कान्ति विजय	26.1X12 13-27	15-17	''	1870	र.का. 1833, लि.क. विवेक विजय
584.	27945	सुभद्रा सति रो चौढालियो	मान p/o जीतसागर	16.9X13 20-25	99-102	''	1862	अन्त में स्फुट सवैया, र.का. 1759, र.स्था. वत्सराजपुर

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
585.	29213	सुर सुन्दरी चौपई	जिनचन्द्र सूरि p/o जिनभद्र सूरि	23.5X17 15-27	12-45	पूर्ण	19 वीं श.	र.का. 1732, र.स्था. बेनातटपुर
586.	29073	सुर सुन्दरी सती चौपई	धर्मवर्द्धन p/o वाचकविजय हर्ष	20.2X10.8 10-31	51	"	"	र.का. 1736
587.	27127	हंसराज बच्छराज चौपई	जिनोदय सूरि p/o जयतिलक सूरि	24.8X11.9 12-35	46	"	1871	लि.क. कस्तूरचन्द मथेन
588.	27363	" " "	" "	25.8X11.9 17-44	24	"	20 वीं श.	
589.	27678	" " "	" "	26.1X12.2 22-38	20	अपूर्ण	19 वीं श.	अन्त में नमी सज्झाय, अ.प्र. 19वाँ

1	2	3	4	5	6	7	8	9
590.	27814	हंसराज बच्छराज चौपई	जिनोदय सूरि p/o जयतिलक सूरि	24.5X10.7 15-40	29	पूर्ण	1824	र.का. 1680, लि. स्था. जैसलमेर लि.क. भूधर पंडित
591.	29172	" " "		24.6X11 15-45	26	अपूर्ण	19 वीं श.	अन्तिम पत्र फटा हुआ
592.	27861	" " "		25.8X12.1 13-36	13	"	20 वीं श.	अंत में दीपमालिका व्याख्यान अपूर्ण
593.	28373	" " "		25.5X13.1 13-33	19	"	19 वीं श.	अंत में क्रोड़ पत्र
594.	28500	हरिवल चौपई	जिनहर्ष	249X10.9 13-27	2-13	"	"	अप्राप्त पत्र-प्रथम
595.	28042	हुण्डी रासो	जिनचन्द p/o सोम गणि वाचक	18.5X26.8 31-21	105-107	पूर्ण	1881	र.का. 1725

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
22(5) जैन कथा								
596.	28390	अक्षय तृतीया व्याख्यान		24.9X11.1 13-37	13	पूर्ण	1894	
597.	27854	अट्ठाईस व्याख्यान	मति मन्दिर	25X11.6 13-38	17	''	1904	र.का. 1882, लि.क. क्षमासागर, लि.स्था. विक्रमपुर
598.	28855	अष्टाह्निका व्याख्यान		25.9X12.6 10-42	22	''	20 वीं श.	
599.	28340	कात्तिक पूर्णिमा बखाण		24.8X13.5 14-37	4	''	''	
600.	27084	चातुर्मासिक व्याख्यान		25.7X11.5 11-42	20	''	''	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
601.	27495	चातुर्मासिक व्याख्यान		27.8X10.1 12-23	21	पूर्ण	1906	
602.	28898	" " "		24.8X12.2 17-51	13	"	19वीं श.	जीर्ण
603.	28899	" " "		25.1X12.6 13-37	20	"	1957	लि.क. चिमन विजय, लि.स्था. सुभटपुर
604.	28900	" " "		24.7X12.1 13-37	25	"	1897	लि.क. गौतम विजय, लि.स्था. बीकानेर
605.	28471	चैती पूनम "		25.2X12 13-37	2-4	अपूर्ण	1916	लि.क. पं. बच्छराज, लि.स्था. विक्रमपुर, प्रथम पत्र अप्राप्त
606.	28527	" " व्याख्यान		24.7X12.7 15-36	3	पूर्ण	19वीं श.	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
607.	27386	चौमासा पर्व व्याख्यान		24.6X11.6 12-37	20	पूर्ण	20वीं श.	
608.	27543 (प)	" "		25.5X12 13-35	84	"	1922	
609.	27855	" "		25.6X12.2 11-36	21	"	20वीं श.	
610.	28396	" "		26.7X12.1 13-41	21	"	"	
611.	28410	" "		25.2X10.2 15-52	11	"	"	लि.क. श्रीचन्द, लि. स्था. भगू ग्राम
612.	28493	" "		25.5X11 14-45	7	अपूर्ण	19वीं श.	
613.	28799	" "		25.3X11.7 12-33	26	पूर्ण	1900	लि.क. लालचन्द p/o क्षेमभक्ति, लि. स्था. अमरावती

1	2	3	4	5	6	7	8	9
614.	28876	चौमासा पर्व व्याख्यान		24.4X10.6 13-39	3	पूर्ण	19वीं श.	
615.	28539	जैन अंग्रेज चर्चा		27.2X12.3 18-45	3	"	1911	र.का. 1831, र.स्था. अहमदाबाद, लि.क. गंगाराम, लि.स्था. कटक
616.	28404	ज्ञान पंचमी कथा		25.7X11.7 14-40	4	"	19वीं श.	(सौभाग्य पंचमी कथा)
617.	27608	दीपावली व्याख्यान		25.3X11.4 14-42	3	"	20वीं श.	साथ में होलिका व्याख्यान, अक्षय तृतीया व्याख्यान
618.	28388	" "		25X11 13-40	21	अपूर्ण	1899	लि.स्था. देशनोक
619.	28528	" "		25.8X11.5 10-39	5	पूर्ण	19वीं श.	अंत में 'ज्ञान पंचमी व्याख्यान'

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
620.	28387	दीपावली व्याख्यान कल्प	सूरति सूरि	24.8X11.3 10-38	32	पूर्ण	1910	लि.क. चारित्र सागर मुनि p/o सुमति वर्द्धन गणि, लि.स्था. अजमेर
621.	28909	'' पर्व महात्म्य		25.5X13.4 10-30	5	''	1962	लि.क. हीर विजय
622.	27609	द्वादश पर्व व्याख्यान		24.8X11.8 17-44	32	अपूर्ण	1900	लि.क. आसकरण-मुनि, लि.स्था. लूणकरणसर सूची- 1 दीवाली व्याख्यान (अपूर्ण) 13-26 2 ज्ञान पंचमी -26-29 3 मौन एकादशी

1	2	3	4	5	6	7	8	9
								29-32 4 मेरु तेरस 33-37 5 होलिका 37-39 6 चैत्री पूर्णिमा 39-41 7 आखातीज 41-43
623.	28432	निर्वाण काण्ड भाषा		14X15 15-15	57-59	पूर्ण	1810	र.का. 1741
624.	28893	पौष दशमी व्रत कथा		19.7X12.9 14-24	1-8	,,	1966	लि.क. हीरालाल यति, लि.स्था. बीकानेर
625.	28459	बधाई पत्र (खरड़ा)		16X44.5 33-12	1	अपूर्ण	20वीं श.	जीर्ण, लि.क. हरलाल

1	2	3	4	5	6	7	8	9
626.	28379	मेरु तेरस री कथा		25.6X12.2 14-44	5	पूर्ण	1934	लि.क. कर्पूर पण्डित
627.	29013	मौन एकादशी व्याख्यान		25.6X11.7 11-50	7	''	20वीं श.	
628.	27597	सामायिक दूषण विचार		26.8X12.2 11-41	52वाँ	''	19वीं श.	
629.	29160	सासु जंवाई कथा		25.5X11 15-38	3	''	18वीं श.	लि.क. पं. सदाभक्ति, लि.स्था. रिणी राजनगर
630.	28394	होलिका-कथा		25.6X12.2 13-39	5	''	1911	
631.	28395	'' ''		25.4X11.4 13-43	4	''	1934	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
22(6) स्तुति-स्तवन								
632.	28136	होलिका कथा	विनयराज p/o ललित कीर्ति	18.5X26.8 31-21	178-179	पूर्ण	1881	र.का. 1712
633.	28173	अंतरीक पार्श्वनाथ स्तवन	रंगहीर p/o जिनचन्द्र सूरि	''	189वां	''	''	र.का. 1855
634.	28684	'' '' ''	'' '' ''	10.5X6.8 7-12	149-153	''	1879	''
635.	28947	'' '' ''	लावण्य समय मुनि	25.9X11.5 14-32	3	''	19वीं श.	र.का. 1586
636.	29185	अईमता ऋषि गीत	नयरंग	25.2X10.6 13-40	2	''	''	
637.	28064	'' '' '' सज्झाय	जिनहर्ष	18.5X26.8 31-21	117-118	''	1881	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
638.	29386	अडसठ तीर्थ वृद्धि स्तवन	सोमहर्ष	11X7.4 8-13	78-82	पूर्ण	19वीं श.	
639.	29267	अजित जिन स्तवन	जिनराज	18.2X15.2 17-26	123वाँ	"	"	
640.	28229	" नाथ "		18.5X26.8 31-21	207वाँ	"	1881	
641.	28425	अजित शान्ति जिन स्तवन	मेरुनन्दन	14X15 15-15	26-28	"	1810	
642.	29253	" " "	"	18.2X15.2 17-26	111-112	"	19वीं श.	
643.	29360	" " "		10X9.2 7-7	138-144	"	"	
644.	28133	" " स्तवन	"	18.5X26.8 31-21	175-176	"	1881	
645.	29359	" " "		10X9.2 7-7	117-138	"	19वीं श.	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
646.	28473	अठाराह नाता री सज्झाय	नयविमल p/o धीर विमल	25.2X13.5 8-24	3	पूर्ण	20वीं श.	
647.	28307	अठाबीस लब्धि स्तवन	धर्मवर्द्धन p/o विजयहर्ष	18.5X26.8 31-21	263-264	"	1881	र.का. 1726, र.स्था. लूणकरणसर
648.	28956	" " "	" " "	25.6X10.9 13-40	2	"	19वीं श.	" "
649.	29235	" " "	"	18.5X15.2 17-26	83-85	"	"	" "
650.	28055	अठोतर शतगुण नवकार		18.5X26.8 31-21	113वां	"	1881	
651.	28138	अठोतर शतगुण नवकार स्तवन	राजसोम पाठक	"	179-180	"	"	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
652.	28306	अठोतर शतगुण नवकार स्तुवन	राजसोम पाठक	18.5X26.8 31-21	262-263	पूर्ण	1881	
653.	29238	अढाई द्वीप विचार ''	विजयहर्ष	18.2X15.2 17-26	88-91	''	19वीं श.	र.का. 1729, र.स्था. जैसलमेर
654.	29279	अनन्तनाथ गीत	जिनराज	''	127-128	''	''	
655.	28968	अनाथी ''	समयसुन्दर	25.1X10.4 13-37	पहला	''	18वीं श.	
656.	28045	'' मुनि सज्झाय	''	18.5X26.8 31-21	109वाँ	''	1881	
657.	27929	'' - ''	''	16.9X13 20-25	52वाँ	''	1862	
658.	28640	अनाथी साधु गीत	''	11X8.2 7-13	40-42	''	20वीं श.	
659.	29269	अभिनन्दन जिन स्तवन	जिनराज	18.2X15.2 17-26	124वाँ	''	19वीं श.	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
660	29295	अयवंती पार्श्वनाथ स्तवन	जिनचन्द्र सूरि	16.3X14.5 16-23	1-2	पूर्ण	19वीं श.	प्रारम्भ में गौडी स्तवन, जीर्ण
661.	28416	अयवंति सुकुमाल सज्झाय	जिनहर्ष p/o शान्तिहर्ष	14X15 15-15	2-10	अपूर्ण	1810	र.का. 1741, र.स्था. राजनगर, लि.क. आलमचन्द p/o आसकरण प्रथम पत्र अप्राप्त
662.	28065	अरणक मुनि सज्झाय	समयसुन्दर	18.5X26.8 31-21	118वां	पूर्ण	1861	
663.	29309	" " "	"	15X11 11-14	119-121	अपूर्ण	1862	चिपके पत्र
664.	29283	अरनाथ गीत	जिनराज	18.2X15.2 17-26	129वां	पूर्ण	19वीं श.	
665.	28311	अर्बुदाचल महिमा स्तवन	रूपचन्द	18.5X26.8 31-21	268-269	"	1881	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
666.	28080	अरहन्ना मुनि सज्झाय	ज्ञानकीर्ति	18.5X26.8 31-21	125-126	पूर्ण	1881	
667.	28056	अरानी - ''	समयसुन्दर	''	113वाँ	''	''	
668.	28978	अवंति सुकुमाल गीत		25.5X10.6 14-38	2	''	17वीं श.	जीर्ण
669.	28474	अष्टमी - स्तवन	कांतिविजय	23.8X13.4 8-21	4	''	20वीं श.	
670.	28902	'' ''	कांति p/o प्रेम	24X11.5 10-30	3	''	19वीं श.	
671.	23376	अष्टादश पाप स्थान सज्झाय	नयविजय	24.2X10.8 10-34	26	अपूर्ण	20वीं श.	साथ में वीर जिन स्तवन, चिपके पत्र
672.	28247	अष्टापद स्तवन	समयसुन्दर	18.5X26.8 31-21	210वाँ	पूर्ण	1881	
673.	28113	असज्झाय दोष निवारण		''	141-142	''	''	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
674.	28588	आचारांग सज्झाय	विनयचन्द्र	25.1X12.3 14-27	1	पूर्ण	20वीं श.	साथ में स्त्री सिखगण सज्झाय, लि.क. बृजलाल
675.	28051	आठ गुण सिद्ध स्तवन	ज्ञान विमल	18.5X26.8 31-21	111-112	"	1881	
676.	28057	आत्म प्रबोध सज्झाय	जयरंग p/o पुण्य कलश	"	114वां	"	"	
677.	28314	" " "	विजयदेव सूरि	"	271-272	"	"	
678.	29297	" " "	धर्मसिंह	16.3X14.3 16-23	2-3	"	19वीं श.	
679.	28084	" " "	पद्मतिलक	18.5X26.8 31-21	127वां	"	1881	
680.	28259	आदि जिन स्तवन	आनन्दघन	"	212वां	"	"	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
681.	28952	आदि जिन स्तवन	कमलहर्ष p/o जिनराज	25.5X10.7 20-60	4-5	पूर्ण	19वीं श.	
682.	29247	'' '' ''	सहजकीर्ति पाठक p/o हेमनन्दन	18.2X15.2 17-26	103-104	''	''	
683.	29249	'' '' ''	समयसुन्दर	"	105-107	''	1840	लि.स्था. रिणी
684.	29259	'' '' ''	जिनभक्ति सूरि	18.2X15.2 17-26	117वाँ	''	19वीं श.	
685.	29372	'' '' ''	हेमनन्दन	11X7.4 8-13	26-30	''	''	चिपके पत्र, अक्षर धूमिल
686.	29244	आदिनाथ '' ''	रत्नचन्द्र मुनि	18.2X15.2 17-26	97-99	''	''	
687.	28911	'' वृहद् ''	राजलाभ वाचक p/o राजहर्ष वाचक	25.8X11.1 13-37	2	''	1786	अंत में 'सीमन्धर स्वामी स्तवन' र.का. 1759

1	2	3	4	5	6	7	8	9
688.	29263	आदिनाथ वृहद्स्तवन	जिनभक्ति सूरि	18.2X15.2 17-26	121-122	पूर्ण	19वीं श.	
689.	27137	आदिनाथ-स्तवन (वार्तिक)	विजयतिलक उपाध्याय	25.3X10.7 15-40	7	''	17वीं श.	लि.क. मोहन
690.	28142	'' '' ''	राजसमुद्र	18.5X26.8 31-21	181-182	''	1881	
691.	28231	'' '' ''	जिनराज सूरि	"	207वां	''	''	
692.	28648	'' '' ''	जिनसुख सूरि p/o जिनचन्द्र सूरि	10.5X6.8 7-12	110-114	''	1879	
693.	28967	'' '' ''	गुणसागर	25X10.8 15-42	2	''	1757	लि.क. क्षमाराज, लि.स्था. जहानाबाद
694.	29377	'' '' ''	रतनचन्द्र मुनि	11X7.4 8-13	41-46	''	19वीं श.	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
695.	28791	आदिश्वर विनती	जिनराज	26.4X11.7 11-32	1-2	पूर्ण	19वीं श.	
696.	28584	आबू तीर्थ स्तवन	नयरंग p/o राजसमुद्र	24.8X11 16-41	1	"	1851	र.का. 1799, लि.क. रत्न प्रबोध मुनि, लि.स्था. बीकानेर
697.	29349	आलोयणा		10X9.2 7-7	4-42	अपूर्ण	19वीं श.	प्रथम तीन पत्र अप्राप्त
698.	28313	आलोयण-स्तवन	धर्मसी p/o विजयहर्ष	18.5X26.8 31-21	270-271	पूर्ण	1881	र.का. 1754, र.स्था. फलौदी
699.	28600	" " "	" " "	14.2X19.2 17-17	4	"	1939	लि.स्था. बीकानेर, प्रथम पत्र पर लक्ष्मी वल्लभ कृत 'पंडिलेहण स्तवन' है।

1	2	3	4	5	6	7	8	9
700.	29385	इर्या आठमी ''	लक्ष्मीवल्लभ गणि	11X7.4 8-13	74-78	पूर्ण	19वीं श.	
701.	28304	'' पथिकी ''	'' p/o लक्ष्मीकीर्ति उपा.	18.5X26.8 31-21	259-260	''	1881	अंत में समयसुन्दर कृत फुटकर स्तवन
702.	28634	इलापुत्र सज्झाय	लब्धिविजय	11X8.2 7-13	20-21	''	20वीं श.	
703.	29314	उपदेशी ''		15X11 12-22	16-19	अपूर्ण	1919	अंतिम पत्र फटा हुआ
704.	28446	उपधान तप सज्झाय	समयसुन्दर	14X15 15-15	90-92	पूर्ण	1810	
705.	28506	'' '' स्तवन	p/o विजयप्रभ सूरि	20X10.6 7-18	16-21	''	1915	प्रदर्शनीय प्रति
706.	29234	'' '' ''	समयसुन्दर	18.2X15.2 17-26	82-83	''	19वीं श.	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
707.	29266	ऋषभ जिन गीत	जिनराज	18.2X15.2 17-26	123वां	पूर्ण	19वीं श.	
708.	28147	ऋषभ जिन स्तवन	जिनभक्ति सूरि	18.5X26.8 31-21	182-183	''	1881	
709.	28238	'' '' ''	समयसुन्दर	''	208वां	''	''	
710.	28586	'' '' ''	धन्य मुनि	27.1X13.3 13-32	1	''	20वीं श.	र.का. 1928, र.स्था. जैसाणा, लि.क. जयगोपाल पुरोहित
711.	28239	'' '' ''	साधु कीर्ति	18.5X26.8 31-21	208वां	''	1881	
712.	28624	'' '' ''	धर्मसुन्दर	10.5X10.2 8-12	135-141	''	1841	
713.	28203	'' देवजिन ''	पद्म	18.5X26.8 31-21	196वां	''	1881	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
714.	28209	ऋषभ देवजिन स्तवन	कमल हर्ष p/o मानविजय	18.5X26.8 31-21	197-199	पूर्ण	1881	
715.	28235	" " "	जिनराज सूरि	"	208वां	"	"	
716.	28310	" " "	रतनचन्द मुनि	"	267-268	"	"	र.स्था. शत्रुंजयतीर्थ
717.	28312	" " "	समयसुन्दर	"	267-270	"	"	
718.	28321	ऋषदेव लावणी	दीपविजय	"	296-298	"	"	र.का. 1875
719.	28322	" " "	ऋषभदास	"	298वां	"	"	
720.	28165	" स्तवन	विजय	"	187वां	"	"	
721.	28927	" "		24X11.8 13-33	4 था	"	19वीं श.	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
722.	28949	ऋषभ स्तवन		25.5X10.7 20-60	1-2	पूर्ण	19वीं श.	
723.	29196	" " "	भाव	23.5X17 15-27	2 रा	"	"	
724.	29378	" " "	जिनसक्ति सूरि	11X7.4 8-13	46-47	"	"	
725.	28686	ऋषदेव स्तुति	लाभोदय p/o जिनचन्द्रसूरि	10.5X6.8 7-12	154-156	"	1879	
726.	28277	ऋषभ भगवान स्तवन पद	जिनचन्द्र	18.5X26.8 31-21	228वां	"	1881	
727.	28889	एकादश गणधर स्तवन	ज्ञानविमल	29.2X12.7 13-42	6	"	1869	लि.क. चतुर विजय, लि.स्था. पालणपुर, अंत में सीमन्धर जिन स्तुति

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
728.	28535	एकादशांग सज्झाय	विनयचन्द p/o ज्ञानतिलक	24.7X11.8 12-40	5	पूर्ण	1930	र.का. 1755, र.स्था. अहमदाबाद, लि.क देवकिशन जोशी, लि.स्था. सवाई जयपुर
729.	28610	कर्म-सज्झाय	ऋद्धिहर्ष	10.5X10.2 8-12	1-4	,,	1841	शोधनीय प्रति
730.	28638	,, ,, ,,	,,	11X8.2 7-13	34-38	,,	20वीं श.	
731.	29329	,, ,, ,,	,,	14X11.2 10-15	34-37	,,	19वीं श.	
732.	28208	काकन्दी धन्ना सज्झाय	p/o तिलोकसी	18.5X26.8 31-21	197वां	,,	1881	र.स्था. अकबराबाद
733.	28199	कापरहेडा पार्श्वनाथ स्तवन	जिनहर्ष सूरि	,,	195वां	,,	,,	र.का. 1858

1	2	3	4	5	6	7	8	9
734.	27967	काया सज्झाय	महभंद	15.1X10.4 10-17	90-91	पूर्ण	1848	अंत में खाली पत्र हैं
735.	29282	कुंथीनाथ गीत		18.2X15.2 17-56	128-129	''	19वीं श.	
736.	28182	कुशल जिन स्तवन	सत्यरत्न p/o जिनहर्ष सूरि	18.5X26.8 31-21	191वां	''	1881	
737.	28184	'' '' ''	गुजर	''	192वां	''	''	
738.	28190	'' '' ''	जिनचन्द्र सूरि	''	193-194	''	''	
739.	28195	'' '' ''	जिनराज सूरि	''	194वां	''	''	
740.	29324	'' '' ''	जसविजय वाचक	14.5X10.5 9-18	58-59	''	19वीं श.	पहले एक पद जिनराज का है
741.	29373	'' '' ''	धर्मसी	11X7.4 8-13	30-38	''	''	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
742.	29400	क्षत्रिय कुंड मंडन स्तवन	अमृत प्रभु	9.3X8.2 11-12	65-67	पूर्ण	18वीं श.	
743.	28066	गज सुकुमाल सज्झाय	भावसागर गणि	18.5X26.8 31-21	118वां	''	1881	
744.	29408	गिरमंडन नेमजिन स्तवन	क्षमा कल्याण p/o अमृत धर्म	9.3X8.2 11-12	79-80	''	18वीं श.	
745.	28501 (प)	गीत-संग्रह		20.2X15.5 20-33	5	अपूर्ण	20वीं श.	अंतहीन
746.	28843 (प)	'' ''		24.3X10.2 13-36	7	''	17वीं श.	
747.	27028	गुहली गीत		24.8X11.8 15-40	3	''	20वीं श.	
748.	28333	गौडी पार्श्वनाथ छंद	कांति विजय	13.4X16.3 28-28	प्रथम	पूर्ण	1835	लि.क. भक्ति विजय

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
749.	29179	गौड़ी पार्श्वनाथ छंद	धर्मसिंह	25X11 13-30	2	पूर्ण	19वीं श.	अपरनाम 'अष्ट भय निवारण'
750.	29290	'' '' ''	रुघपति पाठक	18.2X15.2 17-26	132-136	''	20वीं	
751.	29187	'' '' वृहद् स्तवन	प्रीत विमल	25.3X10.5 15-50	2	''	1774	लि.स्था. बीकानेर खंडित पत्र
752.	29245	'' '' ''	जिनलाभ सूरि	18.2X15.2 17-26	99-102	''	19वीं श.	र.का. 1873
753.	29374	'' '' ''	समयरंग	11X7.4 8-13	33-37	''	''	
754.	28144	'' '' ''	दीपचन्द	18.5X26.8 31-21	182वां	''	1881	
755.	28145	'' '' ''	जिनराज सूरि	''	''	''	''	
756.	28146	'' '' ''	भुवन कीर्ति	''	''	''	''	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
757.	28157	गौड़ी पार्श्वनाथ स्तवन	जिनचन्द्र	18.5X26.8 31-21	185-186	पूर्ण	1881	र.का. 1839
758.	28162	" " "	जिनलाभ सूरि	"	186-187	"	"	
759.	28260	" " "	खेम	"	213	"	"	
760.	28426	" " "	लोक वल्लभ गणि	14X15 15-15	28-29	"	1810	लि.क. कनक धर्म यति
761.	29190	" " "	जिनसुख सूरि	26X11.1 12-30	1-2	"	18वीं श.	
762.	29265	" " "	दीपचन्द	18.2X15.2 17-26	122-123	"	19वीं श.	
763.	29293	" " "	समयरंग	"	139-140	"	"	
764.	29335	" " "	प्रीति विमल	14X11.2 10-15	61-68	"	"	अंत में पद 'सदगुरू वड सौभागी' (अपूर्ण)

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
765.	29362	गौड़ी पार्श्वनाथ स्तवन	दीपचन्द	10X9.2 7-7	149-154	पूर्ण	19वीं श.	
766.	29403	'' '' ''	क्षमाकल्याण	9.3X8.2 8-13	70-71	''	18वीं श.	
767.	29029	गौतम अष्टांग छंद	वीरचन्द्र p/o विजयसिंह सूरि	26.1X12 13-27	5-6	''	1870	लि.क. विवेक विजय
768.	29366	गौतम गीत	समयसुन्दर	11X7.4 8-13	3-8	अपूर्ण	19वीं श.	प्रथम दो पत्र अप्राप्त
769.	29083	'' स्वामी गीत	''	23X10.7 10-31	1	पूर्ण	''	
770.	29162	'' '' ''	लक्ष्मीरत्न	26X11 15-44	2 रा	''	''	
771.	28226	'' '' स्तवन	समयसुन्दर	18.5X26.8 31-21	206-207	''	1881	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
772.	27638	ग्यारह अंग सज्झाय	विनयचन्द्र	25.1X12 11-28	4	अपूर्ण	19वीं श.	
773.	28339	चन्दन मलयागिरि ''	सकलचन्द मुनि p/o जिनचन्द्र सूरि	13.4X16.3 28-28	18-19	पूर्ण	1835	
774.	28456	चन्द्रगुप्त सोलह स्वप्न सज्झाय		21X11.5 7-22	5	अपूर्ण	20वीं श.	अप्राप्त पत्र 2-5
775.	29273	चन्द्र प्रभु जिन गीत	जिनराज	18.2X15.2 17-26	125-126	पूर्ण	19वीं श.	
776.	28685	'' '' '' पद	जैतसी	10.5X6.8 7-12	153-154	''	1879	
777.	27487	'' '' '' स्तवन सबालावबोध	देवचन्द्र	25.3X11.5 12-42	10	''	1918	पत्र 1-3 पर 'षड्शीति चतुर्थ कर्मग्रन्थ भाषा' है

1	2	3	4	5	6	7	8	9
778.	27171	चन्द्र प्रभु स्तवन	रतनसार	24.9X11.6 15-44	5	पूर्ण	1930	लि.क. आनन्द विजय
779.	29236	चर्तुदश गुणठाणा विचार स्तवन	विजयहर्ष	18.2X15.2 17-26	85-88	''	19वीं श.	र.का. 1729, र.स्था. बाडमेर
780.	28301	चतुर्थ गुण स्थान वृद्धि ''	धर्मसी p/o विजयहर्ष	18.5X26.8 31-21	256-257	''	1881	र.का. 1729, र.स्था. बाडमेर
781.	29393	'' '' ''	'' ''	11X7.4 8-13	114-121	''	19वीं श.	
782.	28232	चर्तुविंशति जिन स्तवन	महिमा मेरु	18.5X26.8 31-21	207-208	''	1881	
783.	28918	'' '' ''	आनन्दधन	26.1X11.8 15-36	10	''	1844	
784.	29356	'' '' ''	समयसुन्दर	10X9.2 7-7	90-112	''	19वीं श.	पत्र 102-104 पर 'सीमधर स्तुति' है

1	2	3	4	5	6	7	8	9
785.	28880	चवदस तप ''	चेतन p/o ऋद्धि विजय उपा	25.7X13.1 15-37	1	पूर्ण	20वीं श.	र.का. 1873 जीर्ण
786.	28698	चिंतामणि पद	बनारसी	10.5X6.8 7-12	171वां	''	1879	
787.	28141	'' पार्श्वनाथ स्तवन	समयसुन्दर	18.5X26.8 31-21	181वां	''	1881	
788.	28913	चिन्तामणि पार्श्वनाथ स्तवन	कमलहर्ष p/o गानविजय	25.3X10.8 15-36	1	''	18वीं श.	किनारे कटे हुए
789.	29199	'' '' ''	समयसुन्दर	23.5X17 15-27	3 रा	''	19वीं श.	
790.	29404	'' '' ''	क्षमा कल्याण	9.3X8.2 11-12	71-73	''	18वीं श.	
791.	28079	चित्र सम्भूति सज्झाय	राजहर्ष	18.5X26.8 31-21	125वां	''	1881	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
792.	29241	चैत्यवन्दन स्तवन	धर्मसी	18.2X15.2 17-26	92-93	पूर्ण	19वीं श.	
793.	29258	'' '' ''	''	''	116-117	''	''	
794.	28127	चैत्री पूनम आदिनाथ ''	साधुकीर्ति p/o अमर माणिक्य	18.5X26.8 31-21	163-164	''	1881	साथ में-चैत्री पूर्णिमा उपासना विधि
795.	28787	चौबीस जिन	जिनराज सूरि p/o जिनहंस सूरि	26X11 11-38	8	''	18वीं श.	
796.	29159	'' '' ''	''	25.7X10.5 13-42	6	''	17वीं श.	
797.	27535	'' '' चैत्य वंदन	क्षमाकल्याण पाठक p/o अमृत धर्म	23.5X10.7 12-32	8	''	20वीं श.	र.का. 1856, र.स्था. - नागपुर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
798.	27076	चौबीस जिन स्तवन सबालावबोध	आनन्दघन बा. ज्ञानसागर p/o भरतरत्नराज	25.7X11.6 15-40	105	पूर्ण	1921	र.का. 1866
799.	27108	" " "	आनन्दघन	25.8X11.8 11-38	21	"	1903	लि.क. आनन्दविनय मुनि, अपरनाम-आसकरण मुनि, लि. स्था. हैदराबाद
800.	28427	" " "	जिनराज सूरि p/o जिनहंस सूरि	14X15 15-15	30-41	"	1810	
801.	27093	" " "	धर्मसी	25.1X11.4 15-45	4	"	20वीं श.	र.का. 1729, र.स्था. जैसलमेर, लि.क. गुणविमल, साथ में- 1. आदिनाथ वृहद्स्तवन-समयसुन्दर पत्र-2-3

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
								2. गति आगति विचार स्तवन, गणि विमलचन्द, 3-4
802.	28941	चौबीस जिन स्तवन	नवल विजय p/o जिनविजय	24.9X12 15-42	8	पूर्ण	18वीं श.	
803.	28950	'' दण्डक पार्श्व जिन ''	धर्मसी p/o विजयहर्ष वाचक	25.5X10.7 20-60	2-3	''	''	र.का. 1729, र.स्था. जैसलमेर
804.	28120	चौबीस दण्डक विचार ''	'' '' ''	18.5X26.8 31-21	153-154	''	1881	'' ''
805.	27026	'' '' ''	ज्ञानसार	25X11.9 15-42	6	''	20वीं श.	र.का. 1861, र.स्था. जयपुर
806.	29230	'' '' ''	धर्मसी p/o विजयहर्ष	18.2X15.2 17-26	76-78	''	19वीं श.	र.का. 1729, र.स्था. जैसलमेर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
807.	29231	चौबीस दण्डक स्तवन	धर्मसुन्दर गणि	18.2X15.2 17-26	78-80	पूर्ण	19वीं श.	
808.	29382	" " "	धर्मसी p/o विजयहर्ष	11X7.4 8-13	60-65	"	"	र.का. 1729, र.स्था. जैसलमेर
809.	27336	" " "	जिनराज सूरि p/o जिनहंस सूरि	26.3X12.2 11-37	7	"	20वीं श.	
810.	28118	" " "	" "	18.5X26.8 31-21	144-149	"	1881	
811.	29039	" " "	रामविजय p/o सुमतिविजय	25.5X11.5 13-40	2-7	अपूर्ण	1827	लि.क. परमानन्द
812.	28915	चौवसटा वृद्धि "	विनमेरु वाचक p/o हेमधर्म	25.6X10.6 14-42	2	पूर्ण	18वीं श.	अपरनाम 'पन्नवणा बतीस पद' साथ में- 1 पार्श्वनाथ लघु

1	2	3	4	5	6	7	8	9
								स्तवन- 2 फलवृद्धि पार्श्वनाथ स्तवन -'' 3 '' '' '' स्तोत्र, 2-3, र.का. 1791
813.	29161	चौवसटा वृद्धि स्तवन	उदयहर्ष	26X11 15-44	1-2	पूर्ण	19वीं श.	लि.स्था. विक्रमपुर
814.	29239	चौरासी आसातना ''	धर्मसी	18.2X15.2 17-26	91-62	''	''	
815.	28974	चौदह गुण स्थानक विचार स्तवन	'' p/o विजयहर्ष	25.3X10.4 13-43	2	''	''	र.का. 1729, र.स्था. बाहड़मेर, लि.क. गुलाबचन्द
816.	29208	च्यार सरणा आलोयणा	समयसुन्दर	23.5X17 15-27	8-9	''	''	बीच में अक्षर मिटे हुए हैं।

1	2	3	4	5	6	7	8	9
817.	28052	छत्तीस गुण आचार्य-सज्झाय	ज्ञान विमल	18.5X26.8 31-21	111-112	पूर्ण	1881	
818.	28134	छियानवै जिनावली स्तवन	जिनचन्द्र सूरि	''	176-177	''	''	र.का. 1743
819.	29084	जम्बू स्वामी गीत	जैतसी	25.7X10.7 11-46	1	''	19वीं श.	
820.	28070	'' '' सज्झाय	हर्ष कुशल	18.5X26.8 31-21	210वां	''	1881	
821.	28249	'' '' स्तवन	हेमविमल p/o ज्ञान विमल	''	''	''	''	
822.	28565	जसघोष विजयघोष सज्झाय	कृष्ण p/o नन्दलाल	26.4X10.9 19-43	3	''	1911	र.का. 1897, र.स्था. कोटलानगर, कृता की दो तीन स्फुट कृतियां सहित

1	2	3	4	5	6	7	8	9
823.	26998	जयतिहुवण स्तोत्र भाषा	क्षमा कल्याण गणि	25.2X11.5 16-37	3	पूर्ण	20वीं श.	साथ में 'जिन कुशल सूरि स्तोत्र'
824.	29412	जिन आज्ञा सज्झाय	" " p/o अमृत धर्म	9.3X8.2 11-12	86-88	"	18वीं श.	
825.	29418	जिन आरती	जिन लाभ	"	147-148	"	"	
826.	29338	जिन कुशल सूरि गीत	जयसागर	9.8X8 9-13	2-52	"	19वीं श.	प्रारम्भ पद-ढाल है
827.	29342	" " " छंद	कविराज	"	80-90	"	"	
828.	29344	जिन कुशल सूरि निसाणी	उदयरत्न	"	98-103	"	"	र.का. 1874
829.	28183	" " " स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	18.5X26.8 31-21	191-192	"	1881	
830.	28185	" " "		"	192वां	"	"	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
831.	28186	जिन कुशल सूरि स्तवन	जयसागर सूरि उपा.	18.5X26.8 31-21	192वां	पूर्ण	1881	
832.	28187	" " "	साधुकीर्ति पाठक	"	192-193	"	"	
833.	·28192	" " "	राजसागर	"	194वां	"	"	
834.	28193	" " "	जिनचन्द्र सूरि	"	"	"	"	
835.	29209	" " "	साधुकीर्ति	23.5X17 15-27	9-10	"	19वीं श.	बीच में अक्षर मिटे हुए
836.	29262	" " "	जयसागर	18.2X15.2 17-26	120-121	"	"	
837.	29133	जिन कुशल कुसमांजलि		24.5X10.9 12-42	2	"	20वीं श.	
838.	28973	" गीत	मुनि कनक निधान	21.8X10.7 13-33	2 रा	"	1732	जीर्ण
839.	29340	" " "	समयसुन्दर	9.8X8 9-13	61-71	"	19वीं श.	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
840.	28604	जिनकुशल छन्द	अभयसोम p/o सोमसुन्दर	15.5X14.7 13-26	10	पूर्ण	20वीं श.	साथ में - 1. शंत्रुंजय वृहद् स्तवन-श्रीसार 3-6 2. धन्ना ऋषि सज्झाय, 6-7 लि.क. तिलोकसी, लि.स्था. अकबराबाद 3. नन्दिषेण ऋषि सज्झाय-8 कर्ता जिनराज, लि.क. भुवनविलास गणि लि.स्था. मुलतान 4. श्रावक गीत-समयसुन्दर 9-10 5. प्रणमी रे जिनवर (ढाल) अपूर्ण-10

1	2	3	4	5	6	7	8	9
841.	29341	जिनकुशल छन्द	अभयसोम p/o सोमसुन्दर	9.8X8 9-13	71-79	पूर्ण	19वीं श.	र.स्था. पालीपुर, लि.क. विजयसिंह
842.	29292	जिनदत्तसूरि गीत	रुघपति	18.2X15.2 17-26	136वां	''	1843	लि.क. पाठक रुघपति गणि p/o पं. नेमविजय, लि. स्था. बीकानेर
843.	29339	'' '' ''	आलमचन्द	9.8X8 9-13	52-61	''	19वीं श.	र. स्था. अजमेर
844.	28188	'' '' स्तवन	लाभोदय p/o भुवनकीर्ति	18.5X26.8 31-21	193वां	''	1881	
845.	28125	जिन-पद		''	162वां	''	''	
846.	28197	'' '' ''	क्षमाकल्याण p/o अमृत धर्म	''	195वां	''	''	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
847.	28198	जिन-पद	जिनचन्द्र सूरि	18.5X26.8 31-21	195वां	पूर्ण	1881	
848.	28217	" "	जिनहर्ष	"	203वां	"	"	
849.	28224	" "	रूपचन्द्र	"	206वां	"	"	
850.	28234	" "	मालदास	"	208वां	"	"	
851.	28242	" "	जिनहर्ष	"	209वां	"	"	
852.	28248	" "	लाभोदय p/o जिनचन्द्र	"	210वां	"	"	
853.	28250	" "	रत्नविमल	"	210-11	"	"	
854.	28252	" "	आनन्दघन	"	211वां	"	"	
855.	28253	" "	समयसुन्दर	"	"	"	"	
856.	28254	" "	रायचन्द	"	211-12	"	"	
857.	28255	" "	भेरू s/o दाह सिंघवी	"	212वां	"	"	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
858.	28256	जिन-पद	सारकवि p/o रघुपति	18.5X26.8 31-21	212वां	पूर्ण	1881	
859.	28258	" "	जिनचन्द्र	"	"	"	"	
860.	28262	" "	ऋषभदास	"	213वां	"	"	
861.	28264	" "	हर्षचन्द	"	213वां	"	"	
862.	28265	" "		"	"	"	"	
863.	28266	" "		"	"	"	"	
864.	28267	" "		"	213-14	"	"	
865.	28268	" "	गुणविलास	"	214वां	"	"	
866.	28275	" "		"	228वां	"	"	
867.	28279	" "	रत्नसागर	"	"	"	"	
868.	28280	" "	जिनलाभ सूरि	"	"	"	"	
869.	28281	" "	जिनरत्न	"	228-29	"	"	
870.	28282	" "	जिनभक्ति सूरि	"	229वां	"	"	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
871.	28284	जिन-पद	जिनभक्ति सूरि	18.5X26.8 31-21	229वां	पूर्ण	1881	
872.	28285	" "	ऋद्धिहर्ष वाचक	"	"	"	"	
873.	28286	" "	जिनचन्द्र सूरि	"	"	"	"	
874.	28289	" "	जिनभूषण	"	230वां	"	"	
875.	28290	" "	जिनचन्द p/o जिनसमुद्र सूरि	"	"	"	"	
876.	28293	" "	रूपचन्द	"	"	"	"	
877.	28627	" "	जिनहर्ष	11X8.2 7-13	प्रथम	"	20वीं श.	
878.	28629	" "	रूपचन्द	"	2-3	"	"	
879.	28630	" "	जिनलाभ सूरि	"	3-4	"	"	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
880.	28649	जिन-पद	उदयलाभ	10.5X6.8 7-12	114-116	पूर्ण	1881	
881.	28650	" "	कर्मसी	"	116-117	"	"	
882.	28651	" "	ज्ञानसार	"	117-118	"	"	
883.	28654	" "	खुश्यालराय	"	119-120	"	"	
884.	28655	" "		"	120-121	"	"	
885.	28656	" "	रूपचन्द	"	121वां	"	"	
886.	28657	" "	जिनचन्द्र सूरि	"	121-122	"	"	
887.	28658	" "	राजाराम	"	122-123	"	"	
888.	28659	" "	जिनलाभ सूरि	"	123-124	"	"	
889.	28661	" "	गुण विलास	"	125-126	"	"	
890.	28665	" "	चतुर कुशल	"	129वां	"	"	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
891.	28666	जिन-पद		10.5X6.8 7-12	129-130	पूर्ण	1879	
892.	28667	" "	मोहन p/o रूपचन्द	"	130-131	"	"	
893.	28668	" "		"	131-132	"	"	
894.	28670	" "	क्षमा कल्याण	"	133-134	"	"	
895.	28671	" "	जिनचन्द्र	"	134वां	"	"	
896.	28674	" "	चन्द पाठक	"	136-138	"	"	
897.	28676	" "	रंग	"	140-141	"	"	
898.	28677	" "	आनन्दघन	"	141वां	"	"	
899.	28679	" "	जिनहर्ष सूरि	"	143-145	"	"	
900.	28681	" "	रूपचन्द	"	146-147	"	"	
901.	28682	" "	सेवाराम	"	147वां	"	"	
902.	28690	" "	रूपचन्द	"	162वां	"	"	
903.	28691	" "	"	"	162-163	"	"	
904.	28692	" "		"	163वां	"	"	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
905.	28693	जिन-पद	रूपचन्द	10.5X6.8 7-12	163164	पूर्ण	1879	
906.	28697	" "	लालचन्द	"	170-171	"	"	
907.	28699	" "	नन्दसार	"	171-176	"	1880	लि.क. पन्नालाल p/o भुवन सुन्दर, लि.स्था. जैसलमेर पत्र 176 पर बीजक है।
908.	28970	" "	मुनिमाल	25.1X10.4 13-37	2 रा	"	18वीं श.	जीर्ण
909.	29041	" "	रूपचन्द	25.5X11.5 13-40	8 वां	"	1827	लि.क. हीर विजय गणि
910.	29229	" "	आणन्द	18.2X15.2 17-26	76 वां	"	18वीं श.	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
911.	29322	जिन-पद	राजाराम	14.5X10.5 9-18	56-57	पूर्ण	19वीं श.	अंत में दो पत्र और हैं।
912.	29346	जिन-पद एवं आरती	जिनलाभ	9.8X8 9-13	129-137	''	''	
913.	28455 (प)	जिन पद संग्रह		11.5X81.5 108-16	1	अपूर्ण	20वीं श.	खरडा (लम्बा पत्र) किनारे कटे हुए
914.	29414 (प)	'' '' ''	रूपचन्द, सेवक	9.3X8.2 11-12	92-193	''	18वीं श.	लि.क. हुकमचन्द कुछ पदों में पंजाबी पुट है।
915.	29422 (प)	'' '' ''		204.5X11.8 245-10	1	''	19वीं श.	खरड़ा (लम्बा पत्र) आदिहीन
916.	28437	जिनलाभ सूरि गीत	देवचन्द, चतुरहर्ष	14X15 15-15	77-79	पूर्ण	1810	
917.	27560 (प)	जिन स्तवन		25.5X11.6 22-51	2	''	20वीं श.	
918.	28175	'' ''	जिनचन्द्रसूरि	18.5X26.8 31-21	190वां	''	1881	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
919.	28176	जिन-स्तवन	कुशल कवि	18.5X26.8 31-21	190वां	पूर्ण	1881	
920.	28177	" "	सत्यरत्न p/o जिनहर्षसूरि	"	190-191	"	"	
921.	28178	" "	जिनभक्ति सूरि	"	191वां	"	"	
922.	28179	" "	समयसुन्दर	"	"	"	"	
923.	28180	" "	जिनरंग सूरि	"	"	"	"	
924.	28181	" "	गुणविनय	"	"	"	"	
925.	28189	" "	समयसुन्दर	"	193वां	"	"	
926.	28191	" "	जिनलाभ सूरि	"	193-194	"	"	
927.	28194	" "	समयसुन्दर	"	194वां	"	"	
928.	28441	" "	कनककीर्ति	14X15 15-15	84-85	"	1810	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
929.	28637	जिन-स्तवन	उदयलाभ p/o भुवन कीर्ति	11X8.2 7-13	32-34	पूर्ण	20वीं श.	लि.क. सेवक
930.	29261	" "	साधुकीर्ति पाठक	18.2X15.2 17-26	119-120	"	19वीं श.	
931.	29337	" "	कुशल सुन्दर	9.8X8 9-13	1	"	"	
932.	29345	" "	जिनहर्ष सूरि	"	103-128	"	"	
933.	28581	" हंस सूरि बधावा गीत	कुशल निदान	16.2X74 87-21	1	"	20वीं श.	खरडा (लम्बा पत्र) लि.स्था. बीकानेर, किनारा फटा हुआ साथ में है- 1.पूज्यना देश-नीत सोम 2. शुभ लग्ने शुभ-नीत सोम'

1	2	3	4	5	6	7	8	9
								3 नदी जमना के -कपूर मुनि 4 श्री जी पधारया हो - हित कमल 5 थारै माथै पंचरंग -कुंदसार 6 म्हारे डेरे चालो हेमलब्ध
934.	28505	जीव विचार स्तवन	पृथ्वी विजय p/o शान्ति विजय	20X10.6 7-18	1-16	पूर्ण	1915	र.का. 1712 लि.क. विनयचन्द
935.	28067	जीवात्मा सज्झाय	जिनराज	18.5X26.8 31-21	118-119	''	1881	
936.	28414 (प)	जीवोत्पत्ति सज्झाय	श्रीसार	13.2X10.7 10-16	132	''	1890	अति सुन्दर कृर्ति, चित्रित पत्र तीन सुनहरे, बीकानेर

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
								सभी पत्रों के चारों ओर रंगीन बेल बूटे बने है।
937.	29304	ज्ञान पंचजी तप वृद्धि स्तवन	समयसुन्दर	15X11 11-14	60-77	अपूर्ण	1984	साथ में शत्रुंजय रास है। पत्र फटे हुए चिपके हुए हैं।
938.	28244	ज्ञान-स्तवन	कन्त कवि	18.5X26.8 31-21	209वां	पूर्ण	1881	
939.	28046	ढंढण ऋषि सज्झाय	जिनहर्ष	''	109-110	''	''	
940.	29289	'' '' ''	''	18.2X15.2 17-26	132	''	19वीं श.	
941.	27461	ढाल सागर	गुण सागर सूरि p/o पद्मसागर सूरि	27.1X11.7 18-45	98	''	1863	र.का. 1672, र.स्था. कुकर्कुटेश्वरनगर, लि.क. आर्या नाथी p/o आर्या वीणा

1	2	3	4	5	6	7	8	9
942.	28607	ढाल-स्तवन		16.2X11.7 10-20	11-72	अपूर्ण	20वीं श.	1-10 पत्र अप्राप्त, साथ में है- 1 जिन गुण वर्णन-गुणहर्ष, 11-23 2 शत्रुंजय द्वार-मलभमर p/o नयसुन्दर, 23-36 3 पुण्य प्रकाश, र. का. 1719 लि.क. हीर विजय p/o कीर्ति विजय 37-46 4 चौबीस दण्डक गुणत्रीस द्वार 46-70

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
943.	28088	तम्बाखू सज्झाय		18.5X26.8 31-21	128-129	पूर्ण	1881	
944.	28615	” ”	आनन्दमुनि	10.5X10.2 8-12	66-69	”	1841	
945.	28227	तीर्थावली	समयसुन्दर	18.5X26.8 31-21	207वां	”	1881	
946.	29198	” स्तवन	”	23.5X17 15-27	3 रा	”	19वीं श.	
947.	29222	” ”	”	18.2X15.2 17-26	68-69	”	”	
948.	28126	त्रेसठ सिलाका पुरुसा ने स्तवन	वस्तामुनि	18.5X26.8 31-21	163वां	”	1881	
949.	29402	थंभनक पार्श्वलघु स्तवन	अमृतधर्म	9.3X8.2 11-12	68-70	”	18वीं श.	प्रारम्भ में पार्श्व-स्तपन है

1	2	3	4	5	6	7	8	9
950.	29076	थूलीभद्र-गीत	जिनहर्ष	19.4X10.4 11-32	प्रथम	पूर्ण	1763	लि.क. दयासिंह, लि.स्था., रतलाल
951.	28048	" मुनि सज्झाय	लालचन्द	18.5X26.8 31-21	110वां	"	1881	
952.	28076	" " "	रघुपति	"	123-124	"	"	
953.	28077	" " "	रूपचन्द	"	124वां	"	"	
954.	28116	" " "	जिनहर्ष	"	143वां	"	"	
955.	29046	" " "	"	24.2X11.4 12-30	2-3	"	19वीं श.	
956.	28937 (प)	थोउ-संग्रह		25.9X12.8 12-44	16	"	"	लि.क. गोहन विजय, विविध स्तुतियों का संग्रह
957.	29384	दण्डक स्तवन	समयसुन्दर	11X7.4 8-13	70-74	"	19वीं	अक्षर धूमिल
958.	28099	दश वैकालिक अध्ययन गीत-1	जैतसी p/o पुण्य कलश	18.5X26.8 31-21	134वां	"	1881	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
959.	28100	दश वैकल्पिक अध्ययन गीत -2	जैतसी p/o पुण्य कलश	18.5X26.8 31-21	134वां	पूर्ण	1881	
960.	28101	" " -3	" "	"	134-159	"	"	
961.	28102	" " -4	" "	"	135वां	"	"	
962.	28103	" " -5	" "	"	"	"	"	
963.	28104	" " -6	" "	"	135-136	"	"	
964.	28105	" " -7	" "	"	136वां	"	"	
965.	28106	" " -8	" "	"	"	"	"	
966.	28107	" " -9	" "	"	136-137	"	"	
967.	28108	" " -10	" "	"	137वां	"	"	
968.	28109	" " " (चूलिका)	" "	"	"	"	"	
969.	28860	" " "	कमल हर्ष p/o मान विजय	25.9X11 11-35	10	"	19वीं श.	र.का. 1723, लि.क. धर्मनाथ, लि.स्था.

1	2	3	4	5	6	7	8	9
								सोजत नगर, अंत में 'प्रतिक्रमण पाठ' का एक पत्र है।
970.	28866	दश वैकालिक अध्ययन गीत	जैतसी (जयरंग) p/o पुण्य कलश	22.9X10.8 11-33	7	पूर्ण	19वीं श.	र.का. 1707, लि.क. सुन्दर, लि.स्था. रिणी
971.	28960	" " "	" "	25.2X11.3 15-40	1-4	"	"	जीर्ण
972.	29306	" " "		15X11 11-14	80-100	अपूर्ण	"	पत्र फटे हुए एवं चिपके हुए हैं।
973.	28369	" श्रावक गीत	जयरंग p/o पुण्य कलश	25.9X11.1 15-48	5	पूर्ण	1784	लि.क. हर्षवल्लभ p/o राजवल्लभ लि.स्था. नापासर
974.	28316	" " सज्झाय	श्रीसार मुनि	18.5X26.8 31-21	272-273	"	1881	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
975.	29212	दान शील तप भावना स्तवन	समयसुन्दर	23.5X17 15-27	11वां	पूर्ण	19वीं श.	
976.	28794	दुसम समय श्री संघ संख्या सज्झाय	रंग विजय	26.4X11.7 11-32	4 था	''	''	
977.	28793	दृष्टि रागत्य जन सज्झाय	जस विजय वाचक	''	3-4	''	''	
978.	28095	देवकी षट्-सुत सज्झाय	कुशलमुनि p/o रामसिंह	18.5X26.8 31-21	132-134	''	1881	
979.	27709	धन्ना ऋषि सज्झाय	p/o तिलोकसी	25.1X11.9 14-31	5वां	''	20वीं श.	र.स्था. अकबराबाद लि.क. टीकमचन्द महात्मा, लि.स्था. बीकानेर
980.	27934	'' ''	हेममुनि	16.9X13 20-25	56-57	''	1860	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
981.	28047	धन्ना ऋषि सज्झाय	विद्याकीर्ति	18.5X26.8 31-21	110वां	पूर्ण	1881	
982.	28636	" " "	p/o तिलोकसी	11X8.2 7-13	27-61	"	20वीं श.	लि.क. श्रीकरणयति, लि.स्था. बीकानेर
983.	29045	" " "	उदयतिलक	24.2X11.4 12-30	1-2	"	19वीं श.	
984.	29049	" " "		25.3X11 11-30	प्रथम	"	"	
985.	29050	" " "	श्रीदेव	"	1-2	"	"	लि.स्था. आलणपुर
986.	29305	" " "		15X11 11-14	77-79	अपूर्ण	1984	पत्र फटे हुए एवं चिपके हुए हैं।
987.	29308	" " "	p/o तिलोकसी	"	114-118	"	1862	" "
988.	28059	धन्ना शालिभद्र मुनि सज्झाय	समयसुन्दर	18.5X26.8 31-21	115वां	पूर्ण	1881	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
989.	28078	धन्ना शालिभद्र मुनि सज्झाय	समयसुन्दर	18.5X26.8 31-21	124वां	पूर्ण	1881	
990.	28678	धर्म जिन स्तवन	आनन्दघन	10.5X6.8 7-12	141-143	ʼʼ	1879	लि.क. रोवक
991.	29278	धर्मनाथ गीत	जिनराज	18.2X15.2 17-26	127वां	ʼʼ	19वीं श.	
992.	29280	ʼʼ ʼʼ	धर्मनाथ	ʼʼ	128वां	ʼʼ	ʼʼ	
993.	28434	ʼʼ जिन स्तवन	सोमचन्द्र p/o सोभाचन्द पाठक	14X15 15-15	64-66	ʼʼ	1810	
994.	28170	धर्मसर्द्दहाणा स्तवन		18.5X26.8 31-21	189वां	ʼʼ	1881	र.स्था. 1794
995.	28063	नन्दीषेण मुनि सज्झाय	जिनराज सूरि	ʼʼ	117वां	ʼʼ	ʼʼ	
996.	28073	ʼʼ ʼʼ ʼʼ	लालविजय	ʼʼ	121वां	ʼʼ	ʼʼ	
997.	28083	ʼʼ ʼʼ ʼʼ	चतुरंग कवि	ʼʼ	126-127	ʼʼ	ʼʼ	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
998.	28171	नयन सफल भये-पद	रामदास	18.5X26.8 31-21	18वां	पूर्ण	1881	
999.	28429	नरक गति सज्झाय	गुणसागर	14X15 15-15	48-51	"	1810	
1000.	29114	नव ओलीमा स्तवन	उदयरत्न वाचक	24.7X11.5 15-38	1-3	"	19वीं श.	
1001.	28472	नवकार छन्द	कुशललाभ वाचक	25.5X13.2 8-20	3	"	20वीं श.	अंत में 'ऋषभ जिन स्तुति
1002.	28245	नवकार मन्त्र स्तवन	पद्मराज गणि	18.5X26.8 31-21	209-210	"	1881	
1003.	28246	" " "	जिनगुण सूरि	"	210वां	"	"	
1004.	28537	" महिमा		25.8X10.8 15-42	8	"	19वीं श.	" "
1005.	29389	" सज्झाय	गुणप्रभ सूरि	11X7.4 8-13	101-104	"	"	
1006.	28583	" स्तवन	प्रेमराज	26.1X11.8 13-43	1	"	"	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1007.	29202	नवकार स्तवन	जिनप्रभ	23.5X17 15-27	प्रथम	पूर्ण	19वीं श.	
1008.	28490	नवपद-ढाल	जसविजय वाचक	21.2X11 6-22	3	''	1937	
1009.	27417	'' स्तवन		25X11.5 9-19	4	''	20वीं श.	
1010.	28202	'' ''	लालचन्द	18.5X26.8 31-21	192वां	''	1881	र.का. 1895
1011.	28652	'' ''	''	10.5X6.8 7-12	118-119	''	1879	
1012.	28673	'' ''		''	135-136	''	''	
1013.	29149	'' ''	माणभद्र	20.4X7.4 5-20	15-41 +4	''	1956	चार पत्र चित्रित, र. का. 1917, र.स्था. बीकानेर 'सरदारसिंह शासन काल में, लि.क. पं. गणपत, विजय लि. स्था. सुभटनगर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1014.	29398	नवपद स्तवन	जिनलाभसूरि	9.3X8.2 11-12	61-64	पूर्ण	18वीं श.	
1015.	28664	'' स्तुति	अनूपचन्द्र	10.5X6.8 7-12	128-129	''	1879	
1016.	27944	नववाडी-सज्झाय	जिनहर्ष	16.9X13 20-25	94-98	''	1862	र.का. 1729
1017.	28068	'' ''	अमर मुनि	18.5X26.8 31-21	119वां	''	1881	र.का. 1871, र.स्था. फतहपुर
1018.	28299	'' ''	जिनहर्ष	''	249-253	''	''	र.का. 1729
1019.	28228	नाकोडा पार्श्वनाथ स्तवन	समयसुन्दर	''	207वां	''	''	
1020.	29200	'' '' ''	''	23.5X17 15-27	4 था	''	19वीं श.	
1021.	28093	निश्चय व्यवहार सज्झाय	हंसभुवन सूरि	18.5X26.8 31-21	131-132	''	1881	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1022.	28933	निश्चय व्यवहार स्तवन	जयविजय p/o नयविजय	25X11 13-42	1-3	पूर्ण	1907	लि.क. हीरविजय गणि, लि.स्था. राधनपुर
1023.	28288	नेम जिन पद	जिनचन्द्र	18.5X26.8 31-21	229-230	''	1881	
1024.	27951	'' '' लावणी	रतनचन्द मुनि p/o गुमानचंद	16.9X13 20-25	140-141	''	1864	अंत में नेमराजिमति गीत
1025.	28494	'' '' ''	दीपचन्द्र	25.5X11 9-28	2-3	अपूर्ण	20वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त, जीर्ण, अंत में स्फुट स्तवन
1026.	29415	'' नेम जिन लावणी	आणन्दहर्ष	9.3X8.2 11-12	124-127	पूर्ण	18वीं श.	
1027.	29325 (प)	नेमनाथ पद	ज्ञानसार, पदम	14.5X10.5 9-18	56-61	''	19वीं श.	कुल सात पद है। एक पत्र पर पार्श्वनाथ लघु स्तवन है।

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1028.	27933	नेमनाथ राजुल गीत	जिनहर्ष	16.9X13 20-25	56वां	पूर्ण	1862	लि.क. पं. बखतसुन्दर लि. स्था. नाथूसर
1029.	28323	लावणी	कुशल कवि	18.5X26.8 31-21	298वां	"	1881	
1030.	28216	" लुअर गीत	जिनहर्ष	"	203वां	"	"	
1031.	27724	" सिलोको	कुशलविजय	24.6X11 9-30	2-4	"	1955	र.का. 1868, र.स्था. कुरड, लि.क. पं. खेमचन्द मुनि, लि. स्था. कोटासर
1032.	28669	नेम निरंजन पद	जिनधर भूषण	10.5X6.8 7-12	133वां	"	1879	
1033.	29321	" पद	विजयचन्द	14.5X10.5 9-18	56वां	"	19वीं श.	
1034.	28215	" राजिमति गीत	हरखचन्द	18.5X26.8 31-21	203वां	"	1881	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1035.	29077	नेग राजिमति गीत	श्रीदेव	19.4X10.4 11-32	1-2	पूर्ण	1763	लि.क. दयासिंह, लि. स्था. रतलाल
1036.	29078	'' '' ''	जिनहर्ष	''	2 रा	''	''	'' ''
1037.	29082	'' '' ''	जिनरंग सूरि	25.7X10.7 4-33	3 रा	''	19वीं श.	
1038.	28220	'' '' स्तवन	जीत सागर	18.5X26.8 31-21	205 वां	''	1881	
1039.	28930	नेमि जिन ''	हंस रत्न	24X11.8 13-33	5-6	''	19वीं श.	
1040.	28207	नेमिनाथ गीत	प्रेमचन्द	18.5X26.8 31-21	196-197	''	1881	
1041.	28916	'' '' ''	दयातिलक	24.8X11 15-41	1	''	19वीं श.	अंत में ऋषभदेव स्तवन, लि.क. हरख हेम, लि. स्था. बीकानेर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1042.	29286	नेमिनाथ गीत	जिनराज	18.2X15.2 17-26	130वां	पूर्ण	19वीं श.	दो गीत हैं।
1043.	28168	" स्तवन	प्रेमचन्द	18.5X26.8 31-21	188वां	"	1881	
1044.	28961	नेमि रथ गीत	जैतसी p/o पुण्य कलश	25.2X11.3 15-40	4 था	"	19वीं श.	जीर्ण
1045.	28154	नेमि राजिमती स्तवन		18.5X26.8 31-21	185वां	"	1881	
1046.	29233	पंचखाण दस "	रामचन्द्र गणि	18.2X18.5 17-26	80-82	"	19वीं श.	र.का. 1831
1047.	29409	पंचतीर्थ गीत	क्षमा कल्याण	9.3X8.2 11-12	82-83	"	18वीं श.	
1048.	29243	" वृहद् "	लावण्य समय	18.2X15.2 17-26	96-97	"	19वीं श.	
1049.	28319	पंच परमेष्ठी नमस्कार स्तवन	जिन वल्लभ सूरि	18.5X26.8 31-21	293-294	"	1881	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1050.	28618	पंच परमेष्ठी नमस्कार स्तवन		10.5X10.2 8-12	80-88	पूर्ण	1841	
1051.	29228	'' '' ''	पदमराज	18.2X15.2 17-26	75-76	''	18वीं श.	
1052.	29303	'' '' ''		15X11 11-14	56-60	अपूर्ण	20वीं श.	फटें पत्र एवं चिपके हुए
1053.	28477	'' महाव्रत नी सज्झाय	कांति विजय p/o कीर्ति विजय	24X11 10-30	3	पूर्ण	''	लि.क. कर्मचन्द रामजी
1054.	28997	पंचमी तप सज्झाय	लक्ष्मी सूरि	24.2X10.5 14-35	1	''	1882	लि.क. नागराज, लि. स्था. पालीनगर
1055.	28931	'' '' स्तवन	गुणविजय p/o कुंजविजय	24X11.8 13-33	6-9	''	19वीं श.	
1056.	27935	पंचमी तप वहद् सज्झाय	समयसुन्दर	16.9X13 20-25	58-59	''	1862	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1057.	28129	पंचमी तप वृहद् सज्झाय	समयसुन्दर	18.5X26.8 31-21	173वां	पूर्ण	1881	दो गीत हैं।
1058.	29255	" " "	"	18.2X15.2 17-26	114-115	"	19वीं श.	
1059.	29369	" " "	"	11X7.4 8-13	17-21	"	"	पत्र चिपके हुए एवं अक्षर धूमिल
1060.	28062	पंचेन्द्री सज्झाय	जिनहर्ष	18.5X26.8 31-21	116-117	"	1881	
1061.	29237	पडलेहण विधि स्तवन	लक्ष्मीवल्लभ गणि	18.2X18.5 17-26	88वां	"	19वीं श.	र.का. 1831
1062.	28053	पचीस गुण सज्झाय	ज्ञानविमल	18.5X26.8 31-21	112वां	"	1881	
1063.	28278	पद्मप्रभु जिन स्तवन		"	228वां	"	"	
1064.	29271	" " "	जिनराज	18.2X18.5 17-26	124-125	"	19वीं श.	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1065.	27869	पद्मवाती-सज्झाय	समयसुन्दर	25.2X12.5 9-26	5	पूर्ण	20वीं श.	अपरनाम जीव राशि 'खमावणा'
1066.	28262	" " "	"	25X12.3 13-28	2	"	19वीं श.	
1067.	28863	" " "	"	23.8X11.6 12-26	"	"	1948	लि.क. माणक लाल महात्मा
1068.	28444	परदेशी राजा "	भुवन विशाल	14X15 15-15	87वां	"	1810	
1069.	28012	पर्यूषणा-स्तुति	जिनलाभ सूरि p/o जिनभक्ति सूरि	18.5X26.8 31-21	5-6	"	1881	
1070.	28592	" " "	मानविजय	25.2X11.4 7-24	1	"	19वीं श.	
1071.	28683	पार्श्व-गीत	जिनचन्द्र	10.5X6.8 7-12	147-149	"	1879	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1072.	29032	पार्श्व-छंद	मधुरक p/o विजयदेव सूरि	26.1X12 13-27	7-8	पूर्ण	1870	लि.क. विवेक विजय
1073.	28442	पार्श्व जिन आरती	मतिहंस मुनि	14X15 15-15	86वां	"	1810	
1074.	28694	" " पद	जिनभक्ति सूरि	10.5X6.8 7-12	164-166	"	1879	र.का. 1788
1075.	28155	" " स्तवन	वस्तामुनि	18.5X26.8 31-21	185वां	"	1881	
1076.	28158	पार्श्व जिन स्तवन	जिनचन्द्र	"	186वां	"	"	
1077.	28628	" " "	दीपचन्द्र	11X8.2 7-13	1-2	"	20वीं श.	
1078.	28631	" " "	गंगाराम p/o धर्मसी	"	4-5	"	"	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1079.	28688	पार्श्व जिन स्तवन	अनूपचन्द p/o जिनलाभ	10.5X6.8 7-12	159-161	पूर्ण	1879	
1080.	28689	" " "	गंगाराम p/o धर्मसी	"	161वां	"	"	
1081.	29264	" " "	जैतसी	18.2X15.2 17-26	122वां	"	19वीं श.	
1082.	29298	" " "	जिनचन्द्र सूरि	16.3X14.5 15-16	4 था	"	"	
1083.	29323	" " "	आनंद	14.5X10.5 9-18	58वां	"	"	
1084.	29358	" " "	जिनचन्द्र	10X9.2 7-7	115-117	"	1894	
1085.	29364	" " "	"	"	156-157	"	"	
1086.	28196	पार्श्व जिन स्तुति	हीरसुन्दर	18.5X26.8 31-21	194वां	"	1881	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1087.	28291	पार्श्व जिन स्तुति	जिनलाभ सूरि	18.5X26.8 31-21	230वां	पूर्ण	1881	
1088.	28695	" " "	जिनराजसूरि	10.5X6.8 7-12	166-168	"	1879	
1089.	29363	" " स्तोत्र	जिनचन्द	10X9.2 7-7	154-156	"	19वीं श.	
1090.	28449	पार्श्वनाथ गीत	जिनहर्ष	14X15 15-15	122-124	"	1810	लि.क. मयाचन्द्र
1091.	29287	" " "	जिनराज	18.2X15.2 17-26	130-131	अपूर्ण	19वीं श.	
1092.	27703	पार्श्वनाथ छंद (देसंतरी)	कविराज	24.7X11.3 13-48	3	पूर्ण	"	
1093.	28326	" " "	कुम्भकरण	18.5X26.8 31-21	302-303	"	1881	
1094.	28327	" "	रूपचन्द	"	303-307	"	"	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1095.	27936	पार्श्वनाथ घग्घर निसांणी	जिनहर्ष	16.9X13 20-25	59-61	पूर्ण	1862	साथ में- 1. निन्दा सज्झाय-सहज सुन्दर 2. शांति नाथ स्तवन-जिनलाभसूरि
1096.	28328	'' '' ''		18.5X26.8 31-21	307-308	''	1881	
1097.	28276	'' पद	अनुपम मुनि	''	228वां	''	''	
1098.	28653	'' '' ''	p/o ऋद्धि कुशल	10.5X6.8 7-12	119वां	''	1879	
1099.	29390	'' '' ''		11X7.4 8-13	104-107	''	19वीं श.	साथ में - (1) जिनधर्म गीत (2) आत्मशिक्षा गीत (3) पार्श्वनाथ गीत

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1100.	29195	पार्श्वनाथ विनय पद	ज्ञानचन्द्र	23.5X17 15-27	प्रथम	पूर्ण	19वीं श.	
1101.	28139	'' स्तवन	जिनचन्द्र सूरि	18.5X26.8 31-21	181वां	''	1881	र.का. 1722
1102.	28140	'' ''	समयसुन्दर	''	''	''	''	
1103.	28143	'' ''	जैतसी p/o पुण्य कलश	''	182वां	''	''	
1104.	28148	'' ''	कनकमूर्त्ति p/o विजयमूर्त्ति	''	183वां	''	''	र.का. 1762
1105.	28149	'' ''	सुखदेव p/o गिरधर कवि	''	183-181	''	''	र.का. 1828
1106.	28159	'' ''	शिवनिधान	''	186वां	''	''	
1107.	28161	'' ''	रघुपति	''	''	''	''	
1108.	28163	'' ''	वस्तामुनि	''	187वां	''	''	र.का. 1842
1109.	28167	'' ''	जिनचन्द्र सूरि	''	188वां	''	''	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1110.	28200	पार्श्वनाथ - स्तवन	लालचन्द	18.5X26.8 31-21	195वां	पूर्ण	1881	
1111.	28206	'' '' ''	जिनलाभ	''	196वां	''	''	र.का. 1807
1112.	28236	'' '' ''	आनन्द	''	208वां	''	''	
1113.	28274	'' '' ''	जिनचन्द्र सूरि	''	228वां	''	''	
1114.	28443	'' '' ''	उदयरत्न	14X15 15-15	86-87	''	1810	
1115.	28647	'' '' ''	जिनचन्द्रसूरि	10.5X6.8 7-12	108-110	''	1879	र.का. 1722, र.स्था. बनारस
1116.	28662	'' '' ''	रत्नसागर	''	126-127	''	''	
1117.	28675	'' '' ''	अनूपपाठक	''	138-139	''	''	
1118.	29035	'' '' ''	ऋषभदास	26.1X12 13-27	14-15	''	1870	र.का. 1572, र.स्था. पाल्हणपुर लि.क. विवेक विजय
1119.	29201	'' '' ''	जिनहर्ष	23.5X17 15-27	4 था	''	19वीं श.	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1120.	29205	पार्श्वनाथ - स्तवन	जिनराज	23.5X17 15-27	7वां	पूर्ण	19वीं श.	
1121.	29207	'' ''	तिलोकचन्द्र अमृतधर्म	''	8वां	''	''	
1122.	29406	'' ''		9.3X8.2 11-12	74-77	''	18वीं श.	
1123.	27957 (प)	'' संग्रह		16.9X13 20-25	175-190	''	1864	
1124.	29177	'' स्तुति	समसयुन्दर	25.5X12.7 9-26	2	''	19वीं श.	
1125.	29409	पार्श्वनाथ-स्तुति	क्षमाकल्याण p/o अमृत धर्म	9.3X8.2 11-12	77-79	''	18वीं श.	प्रारम्भ में 'सम्मेत शिखर स्तवन'
1126.	28292	'' '' पद	उदयरत्न	18.5X26.8 31-21	230वां	''	1881	
1127.	28205	'' ''	अनोपचन्द p/o जिनलाभसूरि	''	196वां	''	''	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1128.	29248	पुण्डरीक-स्तवन	साधुकीर्त्ति p/o अमर माणिक्य	18.2X15.2 17-26	104-105	पूर्ण	19वीं श.	
1129.	29379	" " "	" "	11X7.4 8-13	47-51	"	"	
1130.	28938	पुन्य प्रकाश स्तवन	विनयविजय p/o कीर्त्ति विजय	26.5X12.5 12-27	6	"	1855	र.का. 1729, र.स्था. राणेर, लि.क. हीरविजय गणि, लि.स्था. मेहमदपुर
1131.	27335	पौषध अठारह दोष वर्जित स्तवन	रामचन्द्र वाचक	24.9X11.7 12-32	1	"	20वीं श.	
1132.	28749	प्रतिमा स्थापना महावीर स्तवन	जसविजय वाचक p/o नयविजय	26X13.2 13-32	10	"	1880	र.का. 1733, र.स्था. उदयपुर, लि.क. रत्नचन्द, लि.स्था. राधनपुर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1133.	29211	प्रभाती स्तवन	जिनराज	23.5X17 15-27	11वां	पूर्ण	19वीं श.	
1134.	28086	प्रसन्नचन्द मुनि सज्झाय	समयसुन्दर	18.5X26.8 31-21	128वां	"	1881	
1135.	28914	फलवृद्धि महावीर स्तवन	"	23.9X10.5 18-44	1	"	18वीं श.	र.स्था. जैसलमेर
1136.	29257	" " "	"	18.2X15.2 17-26	116वां	"	19वीं श.	
1137.	28498	फुटकर-ढालें	करुणा धर्म	25X11.8 12-24	2	अपूर्ण	"	अंतिमांश अप्राप्त
1138.	28954	बंभणवाडी महावीर स्तवन	p/o कमल कलश सूरि	24.2X11.3 15-36	2	पूर्ण	"	
1139.	29194	बलिहारी जिन पद	ज्ञानचन्द्र	23.5X17 15-27	प्रथम	"	"	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1140.	27930	बाइस अभक्ष्य-बत्तीस अनंत काय सज्झाय		16.9X13 20-25	52-53	पूर्ण	1862	
1141.	28090	'' '' ''	हर्षरत्न सूरि	18.5X26.8 31-21	129-130	''	1881	
1142.	28050	बारह गुण अरिहंत स्तवन	ज्ञानविमल	''	111वां	''	''	
1143.	28775	'' भावना गीत	गुणचन्द्र मुनि	25.7X12 15-38	5	''	1877	र.का. 1868, र.स्था. बनारस, लि.क. उतमचंद, लि.स्था. बनारस
1144.	28300	'' '' सज्झाय	जयसोमगणि p/o प्रमोद माणिक्य गणि	18.5X26.8 31-21	253-255	''	1881	र.का. 1676, र.स्था. बीकानेर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1145.	29055 (प)	बारामासा, गीता संग्रह	लाभादेय	25X11.8 14-40	13	पूर्ण	20वीं श.	र.स्था. 1689
1146.	28058	बाहुबली-सज्झाय	विमलकीर्ति	18.5X26.8 31-21	114-115	"	1881	
1147.	28071	" " "	समयसुन्दर	"	120वां	"	"	
1148.	28687	" " "	विमलकीर्ति	10.5X6.8 7-12	156-159	"	1879	
1149.	29330	" " "	"	14X11.2 10-15	37-38	"	19वीं श.	
1150.	28945 (प)	बीस विरहमान गीत	जिनसागर सूरि p/o जिनहंस सूरि	25.6X10.9 11-42	8	अपूर्ण	1696	लि.क. सुखलाभ गणि p/o हेमलाभ गणि, किनारे कटे हुए प्रथम एवं अंतिम पत्र अप्राप्त

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1151.	28119 (प)	बीस विरहमान जिन स्तवन	जिनराज सूरि p/o जिनहंस सूरि	18.5X26.8 31-21	149-153	पूर्ण	1881	
1152.	28251	'' '' ''	समयसुन्दर	''	211वां	''	''	साथ में जिनविजय कृत 'मन वांछित फल खेती' पद
1153.	29381	'' '' ''	धर्मसी	11X7.4 8-13	53-59	''	19वीं श.	र.का. 1729, र.स्था. जैसलमेर
1154.	28969	'' '' स्तवन	हर्षचन्द	25.1X10.4 13-37	1-2	''	18वीं श.	जीर्ण
1555.	28923	बीस स्थानक तपोविधि-स्तवन	ज्ञान विमल	24.4X11 11-30	7	''	19वीं श.	र.का. 1769, र.स्था. सूरत
1156.	29413	भवगती-सज्झाय	क्षमा कल्याण p/o अमृत धर्म	9.3X8.2 11-12	88-91	''	18वीं श.	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1157.	29419	भूधर के पद	भूधर	9.3X8.2 11-12	149-151	पूर्ण	18वीं श.	
1158.	27708	भृगु प्रोहित नी सज्झाय		25.1X11.9 14-31	3-5	"	20वीं श.	
1159.	28087	मधु बिन्दुआ सज्झाय		18.5X26.8 31-22	128वां	"	1881	
1160.	28081	मनक महामुनि "		"	126वां	"	"	
1161.	28082	मनुवा "		"	"	"	"	
1162.	28044	मयणरेहा "		"	109वां	"	"	साथ में 'अठारह पाप स्थानक सज्झाय'
1163.	29284	मल्लीनाथ गीत	जिनराज	18.2X15.2 17-26	129वां	"	19वीं श.	
1164.	28201	" जिन स्तवन	रूपचन्द	18.5X26.8 31-21	195वां	"	1881	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1165.	29288	महावीर गीत	जिनराज	18.2X15.2 17-26	131वां	पूर्ण	19वीं श.	अंत में 'चतुर्विंशाति तीर्थंकर गीत'
1166.	27949	महावीर घग्घर निसांणी	माणिक्य मुनि	16.9X13 20-25	128-133	''	1866	प्रारम्भ में पद एवं सज्झाय
1167.	28430	'' जिन वृहत् स्तवन	समयसुन्दर	14X15 15-15	51-53	''	1810	र. स्था. जैसलमेर
1168.	28623	'' '' ''	''	10.5X10.2 8-12	130-134	''	1841	''
1169.	28646	'' '' ''	''	10.5X6.8 7-12	102-108	''	1879	''
1170.	29250	'' '' ''	''	18.2X15.2 17-26	107-108	''	19वीं श.	र.का. 1624 ''
1171.	29291	'' '' सवैया	रघुवीर	'' ''	136वां	''	1843	लि.क. रुघपति गणि, लि.स्था. बीकानेर
1172.	28131	'' '' स्तवन	समयसुन्दर	18.5X26.8 31-21	174-175	''	1881	र.स्था. जैसलमेर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1173.	28944	महावीर जिन वृहत् स्तवन	चेतनराय	11.5X21 23-11	4	पूर्ण	1958	र.का. 1842, लि.क. गाणिक विजय p/o रत्न विजय, लि. स्था. विजय, लि. स्था. विक्रमपुर
1174.	28932	" नी आरती		24X11.8 13-33	9वां	"	19वीं श.	साथ में 'पाखी पडिकमणा छेक विचार', लि.क. हीरविजय गणि, लि.स्था. राधनपुर
1175.	28924	महावीर पंच कल्याणक स्तवन	रामविजय p/o विमलविजय	" "	1-4	"	"	र.का. 1773
1176.	28466	महावीर रो पारणो स्तवन		25.7X12.3 14-42	2	"	1847	प्रारम्भ गे जैतसी कृत 'रथ नेमी गीत' है, लि.क. लाभकुशल p/o पुण्यकुशल

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1177.	28616	महावीर रो पारणो स्तवन		10.5X10.2 8-12	69-72	पूर्ण	1841	
1178.	29302	,, ,, ,,		15X11 11-14	46-56	अपूर्ण	20वीं श.	पत्र फटे एवं चिपके हुए
1179.	28230	महावीर स्तवन	जिनचन्द्र	18.5X26.8 31-21	207वां	पूर्ण	1881	
1180.	28237	,, ,,	भुवनकीर्ति	,,	208वां	,,	,,	
1181.	28240	,, ,,	जिनलाभसूरि	,,	208-209	,,	,,	
1182.	28294	,, ,,	रूपचन्द	,,	230वां	,,	,,	
1183.	29176	,, ,,	जिनचन्द्र	25.2X12.5 11-26	2	,,	19वीं श.	र.का. 1848, र.स्था. पावापुर
1184.	29333	,, ,,	,,	14X11.2 10-15	53-59	,,	,,	
1185.	29361		समयसुन्दर	10X9.2 7-7	144-149	,,	,,	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1186.	29380	महावीर स्तवन	धर्मसी p/o विजयहर्ष	11X7.4 8-13	51-53	पूर्ण	19वीं श.	लि.क. बीकानेर
1187.	28075	महासती सुभद्रा सज्झाय	परमसागर p/o लावण्यसागर	18.5X26.8 31-21	122-123	''	1881	
1188.	29138	माणभद्र रो छन्द	शिवकीर्त्ति	24.8X11.4 11-30	1-2	''	19वीं श.	
1189.	29022	माया सज्झाय	नित्यलाभ	26.8X11.3 15-32	19वां	''	1881	अंत में 'गुहली'
1190.	28303	मुंहपति पड़िलेहण स्तवन	लक्ष्मीवल्लभ p/o लक्ष्मी कीर्त्ति उपा.	18.5X26.8 31-21	258-259	''	''	
1191.	29350	'' '' ''		10X9.2 7-7	43-47	''	19वीं श.	
1192.	29368	'' '' ''	लक्ष्मीवल्लभ गणि	11X7.4 8-13	11-47	''	''	चिपके पत्र-अक्षर धूमिल

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1193	28122	मुनि मालिका स्तवन	चारित्रसिंह p/o मति चन्द्र	18.5X26.8 31-21	156-158	पूर्ण	1881	र.का. 1636, र.स्था. रिणीपुर
1194.	28614	″ ″ ″	″ ″	10.5X10.2 8-12	52-66	″	1841	र.का. 1634
1195.	29285	मुनि सुव्रत गीत	जिनराज	18.2X15.2 17-26	129-130	″	19वीं श.	
1196.	28663	″ ″ पद	जिनलाभ सूरि	10.5X6.8 7-12	127-128	″	1879	
1197.	29197	″ ″स्तवन	अनुपम मुनि	23.5X17 15-27	2 रा	″	19वीं श.	र.का. 1814
1198.	28061	मृगा पुत्र-सज्झाय	खेमुनि p/o खेतसी गणि	18.5X26.8 31-21	116वां	″	1881	
1199.	28315	″ ″ ″	″ ″	″	272वां	″	″	
1200.	28635	″ ″ ″	″ ″	11X8.2 7-13	22-27	″	20वीं श.	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1201.	28060	मेघकुमार ऋषि सज्झाय	श्रीसार	18.5X26.8 31-21	115-116	पूर्ण	1881	
1202.	29217	,, ,, ,,	कनकसूरि	18.2X15.2 17-26	52-55	,,	19वीं श.	
1203.	28881	,, मुनिश्वर गीत	पूनम	25X9.9 11-34	2	,,	1711	खंडित पत्र
1204.	28585	मोहकर्म महाबली गीत		25.1X11.6 13-40	1	,,	20वीं श.	
1205.	28137	मौन एकादशी वृहत् स्तवन	समयसुन्दर	18.5X26.8 31-21	179वां	,,	1881	र.का. 1681, र.स्था. जैसलमेर
1206.	29256	,, ,, ,,	,,	18.2X15.2 17-26	115-116	,,	19वीं श.	,, ,,
1207.	29375	,, ,, ,,	,,	11X7.4 8-13	37-39	,,	,,	,, ,,
1208.	29351	,, ,, स्तुति	जिनचन्द्र	10X9.2 7-7	47-58	,,	,,	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1209	29044	राजिमति नेमी गीत	जिनहर्ष	24.2X11.4 12-30	पहला	पूर्ण	19वीं श.	
1210	29204	राणपुर स्तवन	समयसुन्दर	23.5X17 15-27	6-7	"	"	र.का. 1676
1211	29334	" " "	"	14X11.2 10-15	59-61	"	"	र.का. 1674, र.स्था. राणपुर
1212	29040	राम-सीता सज्झाय	विद्याचन्द्र	25.5X11.5 13-40	7-8	"	1827	लि.क. परमानन्द अंत में प्रभाती पद
1213	28117	रुकिमिण - सज्झाय	लालविजय	18.5X26.8 31-21	143-144	"	1881	
1214	28405	रोहिणी तप स्तवन	श्रीसार	25.5X12.1 15-42	2	"	19वीं श.	र.का. 1720
1215	28309	" " "	"	18.5X26.8 31-21	"	"	1881	"
1216	28611	" " "	"	10.5X10.2 8-12	5-13	"	1841	"

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1217.	28917	रोहिणी तप स्तवन	भक्तिलाभ	25.8X10.2 12-36	2	पूर्ण	19वीं श.	लि.स्था. विक्रमपुर
1218.	29301	" " "		15X11 11-14	40-46	"	20वीं श.	फटे एवं चिपके पत्र
1219.	29357	लघु पंचमी स्तवन	समसयुन्दर	10X9.2 7-7	113-114	"	19वीं श.	
1220.	28150	लौद्रवा पार्श्व जिन स्तवन	जिनहर्ष सूरि	15.8X26.8 31-21	184वां	"	1881	
1221.	28156	" " "	शुकलाभ	"	185वां	"	"	
1222.	29394	" " "	जिनचन्द्र	11X7.4 8-13	121-122	"	19वीं श.	अंत में एक पूर्ण ढाल है
1223.	29206	वरकाणां पार्श्वनाथ लघु स्तवन	जिनभक्ति	23.3X17 15-27	7-8	"	"	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1224.	28948	वर्द्धमान सताइस भव स्तवन	वीरविजय p/o शुभविजय	27.5X11.8 10-48	3	पूर्ण	20वीं श.	र.का. 1901, लि.क. हिम्मत विजय गणि
1225.	28953	,,	,,	25.5X10.7 20-60	5-6	,,	19वीं श	
1226.	28172	वर्द्धमान स्तवन		18.5X26.8 31-21	189वां	,,	1881	
1227.	29277	वास पूज्य जिन गीत	जिनराज	18.2X15.2 17-26	127वां	,,	19वीं श.	
1228.	28928	विजय जिनेन्द्र सूरि सज्झाय	अमृत विजय p/o प्रताप विजय	24X11.8 13-33	4-5	,,	,,	
1229.	28421	विमलाचल स्तुति	विनयचन्द्र p/o हर्ष निदान पाठक	14X15 15-15	21-23	,,	1810	र.का. 1755

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1230.	28308	विहरमान स्तवन	धर्मसी p/o विजयहर्ष	18.5X26.8 31-21	264-265	पूर्ण	1881	र.का. 1729, र.स्था. जैसलमेर
1231.	29294	वीर जिन निर्वाण स्तुति	देवचन्द	18.2X15.2 17-26	140वां	"	19वीं श.	एक पत्र 'सुकुरू छंद' का है
1232.	28261	" " स्तवन	"	18.5X26.8 31-21	213वां	"	1881	
1233.	28971	" " "	श्रीदेव p/o ज्ञानचन्द	24.9X10.4 10-32	4	"	18वीं श.	जीर्ण, र.का. 1700
1234.	29399	" " "	क्षमा कल्याण	9.3X8.2 11-12	64-65	"	"	
1235.	29401	" " "	" "	"	67-68	"	"	
1236.	29405	" " "	"	"	73-74	"	"	
1237.	28049	वैराग्य - सज्झाय	धर्मसी p/o विजयहर्ष	18.5X26.8 31-21	110-111	"	1881	
1238.	28092	" " "	जिनहर्ष	"	131वां	"	"	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1239.	28094	वैराग्य-सज्झाय	दानविजय गणि	18.5X26.8 31-21	132वां	पूर्ण	1881	
1240.	28097	,, ,,	राजसमुन्द्र गणि	,,	133वां	,,	,,	एक पत्र पर स्याही फैली हुई है
1241.	28639	,, ,,	,,	11X8.2 7-13	39-40	,,	20वीं श.	
1242.	29320	,, ,,	जिनराज	14.5X10.5 9-18	55-56	,,	19वीं श.	
1243.	28135	शंखेश्वर पार्श्वनाथ स्तवन	जिनचन्द्र सूरि	18.5X26.8 31-21	177-178	,,	1881	
1244.	28243	,, ,, ,,	उदयरत्न	,,	209वां	,,	,,	
1245.	28424	,, ,, ,,	जिनचन्द्र सूरि	14X15 15-15	24-25	,,	1810	
1246.	28696	,, ,, ,,	,,	10.5X6.8 7-12	168-170	,,	1879	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1247.	29075	शंखेश्वर पार्श्वनाथ स्तवन	जिनहर्ष	19.4X10.4 11-32	प्रथम	पूर्ण	1763	लि.क. दयासिंह, लि. स्था. रतलाम
1248.	29225	'' '' ''	जिनचन्द	18.2X15.2 17-26	70-71	''	19वीं श.	
1249.	28422	शत्रुंजय-गीत	दयातिलक	14X15 15-15	23वां	''	1810	
1250.	28660	'' '' ''	ज्ञानविमल	10.5X6.8 7-12	124-125	''	1879	
1251.	29232	'' मण्डन स्तवन	राजसमुद्र	18.2X15.2 15-27	80वां	''	19वीं श.	
1252.	29246	'' '' ''	धर्मसी	18.2X15.2 17-26	102-103	''	''	
1253.	29240	'' वृहत् ''	''	''	92वां	''	''	
1254.	29371	'' '' ''	सोम	11X7.4 8-13	24-26	''	''	पत्र चिपके एवं धूमिल अक्षर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1255.	28223	शुत्रुंजय-स्तवन	नयन विमल	18.5X26.8 31-21	206वां	पूर्ण	1881	
1256.	28632	'' '' ''	''	11X8.2 7-13	5वां	''	20वीं श.	लि.क. सेवक
1257.	29348	'' '' ''	क्षमा रत्न	9.8X8 9-13	143-147	''	1895	र.का. 1883, लि.क. दुनीचन्द, लि.स्था. बीकानेर
1258.	29376	'' '' ''	राजसमुन्द्र	11X7.4 8-13	39-41	''	19वीं श.	
1259.	28152	शांति जिन ''	जिनलाभ सूरि	18.5X26.8 31-21	184वां	''	1881	
1260.	28925	'' '' ''	प्रताप विजय p/o रामविजय	24X11.8 13-33	4वां	''	19वीं श.	
1261.	28929	'' '' ''	रूपविजय	24X11.8 13-33	5वां	''	''	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1262.	28271	शान्तिनाथ आरती		18.5X26.8 31-21	219वां	पूर्ण	1881	लि.क. दयासिंह, लि. स्था. रतलाम
1263.	29281	'' गीत	जिनराज	18.2X15.2 17-26	128वां	''	19वीं श.	
1264.	28160	'' जिन स्तवन	जिनहर्ष	18.5X26.8 31-21	186वां	''	1881	
1265.	28233	शान्तिनाथ जिन स्तवन	समयसुन्दर	''	208वां	''	''	
1266.	28951	'' '' ''	सोमकुशल p/o विजयसेन	25.5X10.7 20-60	3-4	''	19वीं श.	
1267.	28241	'' '' ''	जिनलाभ सूरि	18.5X26.8 31-21	209वां	''	1881	
1268.	28431	'' '' ''	सोम	14X15 15-15	53-57	''	1810	साथ में स्नात्र विधि एवं नेमीनाथ बोली, लि.क. चतुरहर्ष

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1269.	29188	शान्तिनाथ जिन स्तवन	कनकसोम p/o दयाकलश	25X10 12-38	3	पूर्ण	18वीं श.	र.स्था. अलकापुर
1270.	29383	'' '' ''	हर्षधर्म	11X7.4 8-13	66-70	''	19वीं श.	
1271.	28085	शालिभद्र मुनि सज्झाय		18.5X26.8 31-21	127-128	''	1881	
1272.	27163 (अ)	शिखरजी वृहत् स्तवन	रामचन्द वाचक	25.5X11.2 11-25	4	''	1879	साथ में अनूप कृत शिखर जी स्तवन पत्र 3-4 पर 'समेत शिखर अष्टक' संस्कृत में है।
1273.	28926	शीतल जिन स्तवन	जिन विजय	24X11.8 13-33	4	''	19वीं श.	
1274.	29251	'' '' ''	समयसुन्दर	18.2X15.2 17-26	108-109	''	''	र.स्था. अमरसर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1275.	29411	शीतल जिन स्तवन	क्षमा कल्याण	9.3X8.2 11-12	84-86	पूर्ण	18वीं श.	
1276.	29275	शीतलनाथ '' गीत	जिनराज	18.2X15.2 17-26	126वां	''	19वीं श.	
1277.	28283	शीतलनाथ पद	रूपचन्द	18.5X26.8 31-21	229वां	''	1881	
1278.	28130	'' स्वामी स्तवन	समयसुन्दर	''	173-174	''	''	
1279.	29370	'' '' ''	''	11X7.4 8-13	21-24	''	19वीं श.	पत्र धूमिल एवं चिपके हुए
1280.	28567	शील नववाडी सज्झाय		21X13.9 16-30	1-9	अपूर्ण	20वीं श.	स्याही फैली हुई है।
1281.	28935	शीलव्रत-सज्झाय	विजयभद्र मुनि	25X11 13-42	4 था	पूर्ण	1907	लि.क. पं. हीरविजय गणि, लि.स्था. राधनपुर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1282.	27925	शील सज्झाय	हर्षकीर्त्ति सूरि p/o चन्द्रकीर्त्ति सूरि	16.9X13 20-25	42-43	पूर्ण	1862	
1283.	28091	,, ,, ,,		18.5X26.8 31-21	130-131	,,	1881	
1284.	28419	,, ,, ,,	खेममुनि p/o खेतसी	14X15 15-15	18-19	,,	1810	र.स्था. मेड़तानगर
1285.	28072	श्रावक ,,	समयसुन्दर	18.5X26.8 31-21	120-121	,,	1881	
1286.	29276	श्रेयान्स जिन गीत	जिनराज	18.2X15.2 17-26	126-127	,,	19वीं श.	
1287.	28958	षट् संवर सज्झाय		25.1X10.9 14-46	2 रा	,,	,,	किनारे कटे हुए
1288.	29210	संझ्या स्तवन	समयसुन्दर	23.5X17 15-27	10-11	,,	,,	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1289.	29268	संभवनाथ जिन स्तवन	जिनराज	18.2X15.2 17-26	123-124	पूर्ण	19वीं श.	
1290.	27928	संबरी श्रावक सज्झाय	कमल	16.9X13 20-25	51-52	''	1862	
1291.	28164	सम्मेत शिखर स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	18.5X26.8 31-21	187वां	''	1881	
1292.	28221	'' '' ''	ऋद्धिहर्ष	''	205वां	''	''	र.का. 1744
1293.	28222	'' '' ''	क्षमाकल्याण p/o अमृत धर्म	''	205-206	''	''	र.का. 1843
1294.	28680	'' '' ''	खुश्यालचन्द	10.5X6.8 7-12	145-146	''	1879	
1295.	28423	सकल तीर्थावलि ''	समयसुन्दर	14X15 15-15	24वां	''	1810	
1296.	28098	सकोला मुनि सज्झाय	खेममुनि p/o खेतसी	18.5X26.8 31-21	133-134	''	1881	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1297.	27065 (प)	सज्झाय संग्रह	जिनसिंह सूरि	24.8X11 15-43	1-14	पूर्ण	19वीं श.	
1298.	28054	सत्ताबीस गुण साधु सज्झाय	ज्ञान विमल	18.5X26.8 31-21	112-113	''	1881	
1299.	28069	सनत् कुमार मुनि	खेममुनि	''	119-120	''	''	र.का. 1742
1300.	29296	सप्त व्यसन	धर्मसी	16.3X14.5 16-23	2 रा	''	19वीं श.	
1301.	28302	समवसरण स्तवन	धर्मवर्द्धन पाठक	18.5X26.8 31-21	257-258	''	1881	
1302.	28625	सहस्त्रकूट जिन विवरण स्तवन	रामविजय पाठक p/o जिनलाभ सूरि	10.5X10.2 8-12	141-145	''	1841	
1303.	28096	सात व्यसन निवारण सज्झाय	धर्मसी	18.5X26.8 31-21	133वां	''	1881	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1304.	27931	सात व्यसन निवारण सज्झाय	जयरंग p/o पुण्यकलश	16.9X13 20-25	53-54	पूर्ण	1862	
1305.	27300	साधु आराधना	समयसुन्दर	26.1X12.2 16-38	8	"	1872	र.का. 1695, र.स्था. रिणी, लि.क. युक्ति धीर गणि, लि.स्था. बीकानेर
1306.	28318	साधु वन्दना	"	18.5X26.8 31-21	276-293	"	1881	र.का. 1693, र.स्था. अहमदाबाद
1307.	28964	" " "	पार्श्वचन्द्र	25.4X11.3 12-30	7	"	19वीं श.	
1308.	28089	सामायिक बत्तीस दोष सज्झाय	p/o कमल विजय	18.5X26.8 31-21	129वां	"	1881	
1309.	28169	सिद्धचक्र स्तवन	कनककीर्ति	"	188-189	"	"	
1310.	28269	" " "	क्षमा कल्याण	"	214वां	"	"	पूजा श्लोक संस्कृत में है।

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1311.	28602 (प)	सिद्धचक्र स्तवन	रत्नसागर	15.3X13.1 10-18	13	पूर्ण	20वीं श.	कोष्ठकबद्ध
1312.	29117	" "	मोहन	24.7X11.5 15-38	4 था	"	19वीं श.	
1313.	26989	" "	देवचन्द p/o दीपचन्द	25.4X11.9 13-38	3	"	20वीं श.	
1314.	28011	सिद्धचक्र स्तुति	जिनलाभसूरि p/o जिनभक्ति सूरि	18.5X26.8 31-21	5वां	"	1881	
1315.	29030	" "	प्रेमविजय p/o विजयप्रभ सूरि	26.1X12 13-27	6-7	"	1870	लि.क. विवेक विजय
1316.	29148	" "		24.4X7.4 5-20	7-15	"	1956	लि.क. गणपत विजय

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1317.	28151	सिद्धाचल स्तवन		18.5X26.8 31-21	184वां	पूर्ण	1881	
1318.	28153	" " "		"	184-185	"	"	
1319.	28174	" " "		"	189-190	"	"	
1320.	28204	" " "		"	196वां	"	"	
1321.	28225	" " "	जिनहर्ष p/o जिनचन्द्रसूरि	26.4X11.7 11-32	206वां	"	"	
1322.	28792	" " "	सेवक p/o क्षमा विजय	25X11 11-32	2-3	"	19वीं श.	
1323.	28934	" " "	आणंदसागर सूरि p/o उदयसागर	25X11 13-42	3-4	"	1907	
1324.	29347	" " "	तीर्थराज	9.8X8 9-13	138-143	"	1883	
1325.	28115	सीता सती सज्झाय	जिनराज	18.5X26.8 31-21	142-143	"	1881	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1326.	28972	सीगन्धर स्वामी गीत	लब्धि रत्न मुनि p/o धर्मसुन्दर गणि	21.8X10.7 13-33	1-2	पूर्ण	1732	जीर्ण, दो गीत हैं। लि.स्था. बीकानेर
1327.	28210	'' विनती	लाभोदय p/o जिनचन्द्र	18.5X26.8 31-21	199वां	''	1881	
1328.	28132	'' '' स्तवन	भक्तिलाभ उपा.	''	175वां	''	''	
1329.	28166	'' '' ''	''	''	187-188	''	''	
1330.	28436	'' '' ''	''	14X15 15-15	75-77	''	1810	
1331.	28912	'' '' ''	''	24.7X10.6 11-31	2	''	18 वीं श.	जीर्ण लि.क. गौडीदास p/o दयाकीर्ति गणि लि. स्था. नागपुर

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1332.	29137	सीमन्धर स्वामी स्तवन		24.8X11.8 11-30	प्रथम	पूर्ण	19वीं श.	
1333.	29203	" " "	श्रीदेव	23.5X17 15-27	5-6	"	"	
1334.	29254	" " "	भक्तिलाभ उपा.	18.2X15.2 17-56	112-114	"	"	
1335.	29367	" " "		11X7.4 8-13	1-11	"	"	पत्र चिपके एवं अक्षर धूमिल हैं
1336.	29272	सुपार्श्व जिन स्तवन	जिनराज	18.2X15.2 17-26	125वां	"	"	
1337.	27433	सुभद्रा सती ढाल	कवियण विद्यानिधान पाठक	25.2X11.3 17-32	19	"	1839	र.का. 1825, र.स्था. तोलियासर, लि.क. रघुपति गणि, लि. स्था. बीकानेर पत्र 19 पर नवकार मंत्र सवैया

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1338.	29270	सुमत मय जिन गीत	जिनराज	18.2X15.2 17-26	124वां	पूर्ण	19 वीं श.	
1339.	28305	सुमतिनाथ जिन स्तवन	विमल कीर्ति p/o विमल तिलक	18.5X26.8 31-21	260-262	''	1881	र.का. 1690, र.स्था. मुलतान
1340.	29242	'' '' ''	''	18.2X15.2 17-26	93-96	''	19 वीं श.	'' ''
1341.	28263	सुविध जिन स्तवन	समयसुन्दर	18.5X26.8 31-21	213वां	''	1881	
1342.	29274	'' नाथ '' गीत	जिनराज	18.2X15.2 17-26	126वां	''	19 वीं श.	
1343.	29079	सुविधनाथ पद	जिनहर्ष	19.4X10.4 11-32	2 रा	''	1763	लि.क. दयासिंह, लि.स्था. रतलाम
1344.	29410	'' स्तवन	प्रीति सागरगणि p/o अमृत धर्म गणि	9.3X8.2 11-12	83-84	''	18 वीं श.	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1345.	28074	सोलह सती सज्झाय	उदयरत्न	18.5X26.8 31-21	121-122	पूर्ण	1881	
1346.	29189	स्तम्भण पार्श्वनाथ स्तवन	जिनसुखसूरि	26X11.1 12-30	प्रथम	"	18वीं श.	
1347.	27029 (प)	स्तवन-संग्रह		24.8X11.8 15-33	4	"	20वीं श.	
1348.	27201 (प)	" " "	वस्तो मुनि	24.8X11.4 13-38	15	"	"	
1349.	27848 (प)	" " "	जिनचन्द्र	25.4X12.2 13-33	9	"	"	
1350.	27955 (प)	" " "	जिनलाभ सूरि	16.9X13 20-25	155-164	अपूर्ण	1866	लि.क. अमृत धर्म वाचक p/o क्षमाकल्याण पाठक, पत्र 161, 162, 158, 159 खाली है

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1351.	27969 (प)	स्तवन-संग्रह		16.5X11 12-16	34-60	पूर्ण	1855	लि.स्था.जेतारण
1352.	28331 (प)	" " "	चैन विजय	12.8X440 340-11	1	"	19 वीं श.	खरडा (लम्बा पद) 22 पद है।
1353.	28608 (प)	" " "		11.2X12.6 14-12	147	अपूर्ण	1825	पत्रों में स्याही फैली हुई है। लि. क.रूपचन्द आदिहीन
1354.	29365 (प)	" " "	लालचन्द	10X9.2 7-7	161-217	पूर्ण	1894	र.का. 1839, र.स्था. बीकानेर लि.क. खेम p/o धर्मशील मुनि
1355.	27540	स्तवनवाली		25.7X11.6 17-47	47	"	1922	लि.क. आनन्दविनय मुनि, पत्र दूसरा दो बार लिखा हे विभिन्न रागों पर आधारित 359 जैन पद हैं।

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1356.	28330	स्तवना री टीप		18.5X26.8 31-21	309-315	पूर्ण	1881	विभिन्न जैन ग्रंथों (स्तवनों) के नामों की सूची
1357.	28111	हंस केशव रात्रि भोजन व्रत-सज्झाय		"	139-170	"	"	
1358.	27919	हरचन्द राजा सज्झाय	कनक सुन्दर	16.9X13 20-25	31वां	"	1862	लि.क. रिखबा, लि. स्था. महाजन
1359.	28114	हित शिक्षा सज्झाय	लक्ष्मी कल्लोल	18.5X26.8 31-21	142वां	"	1881	
1360.	29105	हीर सूरि नो कवित्त	चन्द्रभान	23.4X12 17-40	1	"	1934	मुख्य पृष्ठ पर चित्र है।
1361.	28287	होरी जिन पद	अनुपम p/o जिनलाभ	18.5X26.8 31-21	229वां	"	1881	
1362.	28672	" " "		10.4X6.8 7-12	135वां	"	1879	

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1363.	27970	अरिहंत-चित्र		19.7X25.9	1	पूर्ण	19 वीं श.	पार्श्व में इन्द्र-इन्द्राणी सहित लाल नीला बोर्डर 1 पृष्ठ भूमि लाल, सफेद, चदोवा लाल एवं नीला हैं।
1364.	27971	अरिहन्त गौतम स्वामी-''		22X17.6	1	''	''	6(घ) कोष्ठक में एक ही फलक परसुनहरी रंगीन काम है।
1365.	27990	अश्व- ''		15.3X10.2	1	''	''	घोड़ा भाग रहा है। उस पर काठी है लेकिन सवार नहीं है। साधाराण चित्र है।
1366.	27326 (ब)	इलाकुमार आख्यान चित्र		26.2X11.2	8	''	18 वीं श.	15 रंगीन चित्र मुगल शैली के हैं। चित्र एक ओर कटे-फटे हैं।

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1367.	27766	इलाकुमार आख्यान-चित्र		25.5X11.5	5	अपूर्ण	18 वीं श.	आठ रंगीन चित्र हैं। तीन पत्रों के दोनों ओर चित्र हैं। अप्राप्त पत्र 2,3,6
1368.	27993	ऊंट का चित्र		13.9X11.5	1	पूर्ण	19 वीं श.	ऊंट पर पलाण (कूंची) मंडा हुआ है और मोहरी उसरो बंधी हुई है लेकिन उपर सवार नहीं हैं। उंटतेज भागने की मुद्रा में है। साधाराण चित्र है।
1369.	27980	ऋषभ देव का चित्र	कनक सुन्दर	11.5X15.4	1	"	"	लाल बोर्डर, पृष्ठ भाग सफेद आंगन में फूल चित्रित। सुनहरी काम हैं चित्र अति सुन्दर है।

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1370.	27973	गोपी-कृष्ण चित्र		14.9X20	1	पूर्ण	19 वीं श.	सुनहरी रंगीन चित्र है, जिसमें कृष्णजी गोपी को झूला झूला रहे हैं। पास दो गोपियां खडी हैं और दो गाऐ बैठी हैं।
1371.	27977	तीर्थंकर चन्द लांछन चित्र		18.1X17.5	1	ʼʼ	ʼʼ	रंगीन चित्र हैं जिसमें कृष्ण जी नाच रहे हैं। एक गोपी ढोलक बजा रही है। दूसरी मजिरा बजा रही है। किनारे फटे हुए हैं।

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1372.	27979	गौतम स्वामी चित्र		11.1X15.4	1	पूर्ण	19 वीं श.	मुख्य चित्र के चारों ओर अन्य रंगीन चित्र बने हुए हैं। चित्र पर रंग के छींटे पड़े हैं।
1373.	29420	चौबीस तीर्थंकर चित्रावली		7.8X9.8	24	"	"	रंगीन चित्र-1, दो चित्र अधिक गहरे रंग में होने से स्पष्ट नहीं हैं।
1374.	27985	तीर्थंकर चन्द्र लांछन चित्र		8.3X7.8	1	"	"	रंगीन चित्र हैं, जिसमें तीर्थंकर आसन पर विराजमान है। आसन के नीचे चाँद है। आसन के दोनों ओर दो सेवक खड़े हैं।

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1375.	27983	तीर्थंकर चन्द्र लांछन चित्र		9.9X13.4	1	पूर्ण	19 वीं श.	रंगीन चित्र पर सुनहरी काम है।
1376.	27988	दादाजी की छतरी		15.2X11.3	1	''	''	साधारण रेखाचित्र है, जिसमें छतरी के अन्दर दादाजी के पांव है। चित्र पर मुगल कला का प्रभाव है।
1377.	27975	नारी गद्दा सहित मनसद आसीन चित्र		12.6X20.1	1	''	''	रंगीन चित्र
1378.	27994	नृत्यांगना चित्र		12X38	1	''	''	साधारण चित्र है, जिसमें औरत का एक हाथ उपर की ओर एक हाथ नीचे की है। नीचे के हाथ में

1	2	3	4	5	6	7	8	9
								फूल हैं, जिसे वह देख रही है। औरत की नाक में नथ है।
1379.	27986	पार्श्वनाथ-चित्र		8.2X7.1	1	पूर्ण	19वीं	रंगीन चित्र पर सुनहरी काम, पार्श्वनाथ आसन पर विराजमान हैं। पास दो सेवक खड़े हैं।
1380.	27992	बछड़ा गाय की दूध चूंघते हुए चित्र		15.1X10.5	1	''	''	साधारण चित्र है, जिसमें एक हष्ट-पुष्ट गाय है। गाय के गले में लाल रस्सी बन्धी है। बछड़ा दूध चूंघ रहा है।

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1381.	27995	मधुबाला-चित्र		20X14.3	1	पूर्ण	19 वीं श.	साधारण मुगल शैली का चित्र है। उमर-ख्याग अन्दाज में औरत के हाथ में जाम और सुराही है। पारा ही एक फलों का थाल एवं सुराही रखी है। औरत मनसद का सहारा लगाये बैठी है।
1382.	27984	महावीर स्वामी चित्र		10.3X14.1	1	''	''	महावीर स्वामी आसन पर विराजमान है। पास शेर बैठा है। रंगीन

1	2	3	4	5	6	7	8	9
								चित्र पर सुनहरी काम है। आसन के दोनों ओर दो सेवक खड़े हैं।
1383	27974	माखन चुराते हुए कृष्ण-चित्र		13.4X19.4	1	पूर्ण	19वीं	किनारे कटे हुए। दो गोपियों के सिर पर मटकी है। कृष्ण जी माखन चुरा रहे हैं। कृष्णजी का रंग अधिक काला है।
1384.	27987	माखन चुराते हुए कृष्ण और ग्वालिन-चित्र		14.1X19.7	1	''	''	सुन्दर रंगीन चित्र, ग्वालिन बहुत मोटी है। कृष्ण माखन चुरा रहे हैं, ग्वालिन पास खड़ी है।

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1385.	27981	मुरलीधर कमलासन- चित्र		10.9X15.2	1	पूर्ण	19 वीं श.	इस रंगीन चित्र में कृष्णजी कमल में बैठे हुए बंशी बजा रहे हैं। पास दोनों ओर दो गाएं बैठी हैं।
1386.	27982	मुरलीधर गोपी एवं गाय- चित्र		10.5X16	1	''	''	रंगीन चित्र पर सुनहरी काम है।
1387.	27996	रथ- अवरोही चित्र		10.5X13.6	1	''	''	साधारण चित्र है जिसमें रथ में दो बैल जुते हुए हैं। रथ में तीन-तीन व्यक्ति बैठे हुए हैं। एक रथ चलाने वाला, दूसरा रथ का मालिक, तीसरा उसका साथी हैं

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1388.	27978	राजा-रानी का चित्र		14.5X18.3	1	पूर्ण	19वीं	रंगीन चित्र पर सुनहरी काम है। चित्र में सुराख निकले हैं। राजा रानी पास-पारा खड़े हैं।
1389.	27972	राधा-कृष्ण चित्र		14.5X20	1	''	''	रंगीन चित्र जिसका लाल-नीला बोर्डर है, कृष्णजी का कद छोटा है, राधा लम्बी है।
1390.	29428	लोकनालि स्वरूप पट चित्र		89X63	1	''	''	चारों ओर बेल-बूटे बने हैं। चित्र में लाल, पीला एवं हरा रंग अधिक है। देवी रूप वर्णित सुन्दर चित्र हैं।

T

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1391.	27613	विजय देव-विजय दरवाजा चित्र		25.3X11.8	5	पूर्ण	20 वीं श.	पांच रंगीन चित्र एवं दस अन्य चित्र उदयपुर लोक कला के हैं। चित्र एक ओर बने हैं।
1392.	27997	सिंह-मकर युद्ध-चित्र एवं दो तीर चालक		23.2X13.5	1	''	19 वीं श.	रेखा चित्र मात्र है। पृष्ठ पर तीरंदाज का चित्र भी है।
1393.	27976	हनुमान असुर संहारक-चित्र		14.2X19.1	1	''	''	हनुमानजी ने असुर का एक हाथ से सींग पकड रखा है। दूसरे हाथ में गदा है।
1394.	27989	हनुमान चित्र		15.2X10.5	1	''	''	साधाराण चित्र है जिसमें हनुमान जी का मुंह खुला हुआ

1	2	3	4	5	6	7	8	9
								है और एक हाथ में ढाल है। चित्र किनारे की ओर से फटा हुआ है।
1395.	27991	हाथी का चित्र		15.3X10.1	1	"	"	साधारण चित्र है।
1396.	27998	हाथी का चित्र		20X14.1	1	"	"	हाथी पर दो पुरूष सवार है। नीचे एक व्यक्ति हाथी की सूंड में भाला चुभो रहा है। चित्र साधारण है। पत्र तीन जगहों से फटा हुआ है।

T

परिशिष्ट – क

कतिपय 'प' चिह्नित ग्रन्थों का विवरण

राजस्थानी–हिन्दी ह.लि.ग्रं. सूचीपत्र भाग–25, बीकानेर (फुटकर–संग्रह)

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
	40/27882		
1	गीत बलराम दयाल दासोत रो		25
2	'' '' '' ''	रतना	''
3	'' '' '' ''	नरहरदास	''
4	'' अमरसिंह रो	-	''
5	'' बलु गोपालदासोत रो	-	25-26
6	'' राठौड केसरीसिंघ रो	-	26
7	'' सुजाणसिंघ जोधे रो	-	''
8	'' त्रिकुट बंध माताजी रो	-	''
9	फुटकर सवईया (1-9)	सुन्दर	27
	45/27238		
1	आभूषण बत्तीसी	कुवरं चन्दसेन	1-2
2	दूहा फुटकर	-	2
3	बारहमासा	जसराज	''
4	पनरै तिथि रा दूहा	-	2-3
5	सातवार रा दूहा	-	3
6	सउत रा दूहा	-	''
7	अधूरा पूरा	-	3-6
8	छूटक दूहा	-	6-10?
9	कपड़ बत्तीसी	-	10-11
10	हित पत्री रा दूहा	-	11-13
11	छूटक दूहा	-उदैराज	13-14
12	दूहा-सोरठा	-	14
13	सोरठा	किसानिया, र.का. 1913	''
	247/28609		
1	आदिनाथ चैत्यवंदन	-	3-5
2	शान्तिनाथ ''	-	5-6
3	यो भवसागर भ्रमता (लावणी)	-	6-14
4	गुरु गीत	समयसुन्दर	14-17

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
5	जिन गीत	समयससुन्दर	17-19
6	,, पद	लालचन्द	19-21
7	वैराग्य कवित्त	-	21-23
8	कवित्त		23-27
9	नव रतन कवित्त	पंडित रतन	27-28
10	कवित-छप्पय		28-33
11	अन्तरीक पार्श्वनाथ स्तवन	रतन	33-39
12	आत्म सज्झाय	राजसमुन्द्र	39-42
13	इमज पीयै नवकार (पद)	अपूर्ण	43
	300/27914		
1	स्नात्र पूजा विधि	देवचन्द	1-24
2	अष्ट प्रकारी पूजा		24-37
3	लूण उतारण पूजा		37-43
4	वासक्षेप पूजा		43-37
5	शांति जिन आरती	सेवक	47-48
6	संध्या आरती		48-49
7	सतर भेदी पूजा, लि.क. भक्त लब्धि, लि.का. 1913, लि.स्था. विक्रमपुर	साधु कीर्त्ति	49-84
8	प्रथम नवपद कलश पूजा		85-90
9	द्वितीय सिद्ध पद पूजा		90-93
10	तृतीय ,, ,, ,,		93-97
11	चतुर्थ ,, ,, ,,		97-100
12	पंचमी ,, ,, ,,		100-104
13	छठी ,, ,, ,,		104-107
14	सातमी ,, ,, ,,		107-110
15	आठमी ,, ,, ,,		111-114
16	नवमी ,, ,, ,,		
17	नवपद आरती ,, ,, ,,		120-122
18	पंच कल्याणक ,, ,, ,,	पाठक बाल	122-158
1	सिद्ध चक्र नव पद कलशपूजा		185-189

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
2	सिद्ध चक्र नव पद कलशपूजा		189-192
3	आचार्य उपदेश ''		192-195
4	उपाध्याय '' ''		195-197
5	साधु '' ''		197-200
6	दर्शन '' ''		200-202
7	ग्यान '' ''		202-205
8	चारित्र '' ''		205-207
9	तप '' ''		207-210
10	सिद्ध चक्र तप महिमा		210-212
11	नवपद स्तवन		213-215

पृष्ठ 185-215 पैंसिल से नम्बर लगे हैं, जिसमें उपर्युक्त 1-11 तक रचनाएं हैं ये पत्र 152 के अन्तर्गत हैं। पत्र 18 अस्त व्यस्त हैं, जिनमें परमेष्टी, आरती, स्तवन, नवपद स्तवन, द्वादश भाषा (अपूर्ण) है।

537/27063

1	शत्रुंजय रास	समयसुन्दर	1-5
2	गौतम स्वामी रास	-	5-8
3	मुनि मलिका	-	8-9
4	वर्द्धमान चौबीस	परमानन्द	9
5	तीर्थावली	समयसुन्दर	9-10
6	जिन-पद	जिनचन्द	10
7	उत्पत्ति (अपूर्ण)		10-11
8	आणन्द सन्धि ('')	श्रीसार मुनि	14-22
9	बारह भावना	जयसोम गणि	22-25
10	मुनिवर आर्य-ढाल	जिनहर्ष	25
11	मधुर स्वर मुनिवर '' ''		''
12	स्यवंभू सुख '' ''		''
13	कपूर हौवे अति '' ''		25-26
14	माय कहै वच्छ '' ''		26
15	हिव कुंवर इसो '' ''		''
16	अनुमति दीधी '' ''		26-27
17	मो सदगुरुजी '' ''		27
18	तिण अवसर इक '' ''		''

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
19	वांदी पूछै गुर '' ''		''
20	दुख भर रोती '' ''		27-28
21	मो सीप्रा तटै '' ''		28
22	मो धन्या श्री '' ''	र.का. 1741, र.स्था. राजनगर	
23	दान–सील चौढालियो	समयसुन्दर	28-31
24	दसारण भद्र ''	रामसिंघ गच्छाराज, र. का. 1782, लि.स्था. सोजत	
25	पार्श्व घग्घर निसांणी	जिनहर्ष	32-34
	608/27543		
1	चौमसे रो बखाण		1-20
2	अट्ठाई रो बखाण		20-32
3	दीवाली रो बखाण		32-52
4	ज्ञान पंचमी बखाण		52-57
5	कात्ती पूनम बखाण		57-60
6	मुनद्र ग्यारस बखाण		60-64
7	पोह दसमी कथा		64-67
8	मेरू तेरस कथा		67-72
9	होलिका कथा		72-75
10	चैत्री पूनम कथा		75-78
11	आखातीज बखाण		78-81
12	रोहिणी कथा		81-84
	745/28501		
1	श्रीगुरु सीख सयानी-पद		1-2
2	जिनराज चरण मना '' भूधर		''
			''
3	तुझ में दीरध भूल पिछानन्द	क्षमा कल्याण	''
4	सूरत स्वामी सही तुहारी		''
5	आज आनन्द भयो		''
6	दीन्ही छै इक जडी	रूपचन्द	''
7	ख्याल होरी को लागै छै		''
8	हो कृपा निधार म्हारै		''
9	जगलो नेम रंगला घर आया		

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
10	देखो सहिया मेरी लगन	जिनचन्द	1-2
11	समझ नर जीवन थोरो	रूपचन्द	2
12	प्रभूजी सूं अरज मेरी		''
13	उदयगत सब जादू पर जोर		''
14	उदयगत सब जादू पर जोर पिछाणा		''
15	काल सकल जग जितवी	नवल	''
16	देख्या दुनिया विच वै	भूधर	''
17	हे माई बिगडी कर्मगत	नवल	2-3
18	झूठी या जगत की माया	ज्ञानसार	3
19	मरणा तो आया ए माया	''	''
20	तारण तर जिहाज जिनमेर		''
21	प्रभु अब तो सुण ले मोरी		''
22	मेरो निरंजन यार	आनंदघन	''
23	होरी मैं खेलूंगी घर	भूधर	''
24	हमीर कल्याण जुगमेसर	आनन्दघन	''
25	या काया थिर नाहीं		3-4
26	दोहिलो मानव अवतार पीया रे	रूपचन्द	4
27	आज हमारे भाग जागै		''
28	दरसन दी खूमारिया लगी	रूपचन्द	''
29	अरि मैं कैसे मनावूं	ज्ञानसार	''
30	तुम विन नाथ दया निध		''
31	कब मिलसी प्यारो	जिनदास	''
32	बिमासा तेरी शरण को	''	''
33	दया विन करणी दुख दानी		''
34	जिन दया मिल गयो रे		4-5
35	संजम संजम जिण ग्यान	रूपचन्द	5
36	जग नायक कै आज आणंद	रतन सेवक	''
37	कहा अग्यानी जीव कूं	जिनराज	''
38	प्रात भयो सुमर देव		''
39	समझ कै सिर धुर अैसी	भूधर	''
40	अवधू काया सेवै तन	आनन्दघन	''
41	आसा औरन की कया कीजै (अपूर्ण)		''

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
	746/28843		
1	मनुष्य नव विवर स्वाध्याय गीत		1-2
2	काया मन गीत	मति कीर्ति	2-3
3	सनत्कुमार वक्र वार्त्ता (गीत)	समयसुन्दर	3
4	चेत उर चित प्राणी ('')	विजयदेव सूरि	3-4
5	वैराग्य गीत		4
6	हो करमाधीन बटुई	समयसुन्दर	4-5
7	रमा रा प्रीतम जिनु	''	5-6
8	कलावती सती (गीत)	राजसमुद्र	6-7
9	मयण रैहास (गीत)	''	7
10	इक काया अरु कामनी (गीत)	''	''
	913/28455		
1	आज चली गिर (पद)	बाल	''
2	यादव मन मेरा ''	चन्द	''
3	होर खेलो नेम ''	जगतचन्द	''
4	मेरे घट की गगरिया ''		''
5	प्रभुजी जो तुम ''	हरखचन्द	''
6	पास जिणंद भगवान ''	चुन्नलाल	''
7	आज तो हमारे ''	जिनचन्द	''
8	आज ऋषभ घर ''	साधुकीरत	''
9	रात गई अब प्रात ''	आणन्द	''
10	देंखो भाई अजब ''	वीर	''
11	अरज करूं केसरिया ''	चुन्नीलाल	''
12	सरण गही मैं तोरी ''	समयसुन्दर	''
13	अवसर वेर वेर ''	आणन्दघन	''
14	विराजै बंगला में ''	रूपचन्द	''
15	हे ग्यानी चम्पापुरी ''	नवल	''
16	देखो जिणन्दा प्यारा ''	किसन गुलाब	''
17	साच तो बतावो ''	अमीचन्द	''
18	जागे सो जिन ''	रूपचन्द	''
19	सहिया ऐ नेमि ''	सेवक	''

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
20	तूं मेरे मन में ,,	कनक कीर्त्ति	,,
22	सुण नेम सिरि ,,	सिद्ध सूरि	,,
22	वामा नन्दन क्या ,,	सोभ	,,
	914/29414		
1	तुम युग च्यार (पद)	रूपचन्द	92वां
2	सोयो तूं बहुत ,,	शिवसुख	92-93
3	चित सेवा प्रभु ,,	जिनलाभ	93वां
4	मो मन वीर ,,	भुवन कीर्त्ति	93-94
5	मेरे ऐतो चाहिए ,,	आनन्द	94वां
6	प्रभुजी जो तुम ,,	हरखचन्द	94-95
7	प्रभु तुम तारक ,,	,,	95वां
8	यह सुन्दर मूरत ,,	,,	95-96
9	तू आतम गुण ,,	बनारसी	96-97
10	अवगति है अगम ,,	हरखचन्द	97-98
11	राजल तूं ,,	,,	98-99
12	अजित जिन ,,	,,	99-100
13	मृगनैनी ,,	,,	100वां
14	जिन चरणै ,,	,,	100-101
15	जिन की भक्ति ,,	,,	101-102
16	आज बधाई ,,	जिनचन्द	102-103
17	मनवा जिनचन्द ,,	आनन्द	103वां
18	जिनजी सूं ,,	नवल	103-104
19	जिन नित नयो ,,	बालक	104वां
20	तेरी सूरत ,,	शिवचन्द	105वां
21	नेमि जिन ,,	विमल	105-106
22	ठग लागा ,,	दोतन	106वां
23	नानडियो गोद ,,	चन्द खुशाल	106-107
24	मैं तो जीति ,,	रूपचन्द	107-108
25	कुण जाणै ,,	बालक	108-109
26	सुमति नै जादु ,,	,,	109वां
27	खलक इक रैण ,,	जादुराम	110वां
28	बाजत चंग बधाई ,,	नन्दलाल	111वां
29	मुजरा साहिब ,,	रूपचन्द	111-112
30	सिद्धाचल बन्दो ,,	ग्यान उद्योत	112वां

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
31	शन्ति जिनेसर "	रूपविजै	112-113
32	मत जावो रे "	रूपचन्द	114वां
33	यादु कुल चन्द "		114-115
34	मन लोभ थारो "	राजाराम	115वां
35	निरमल मन ले "	क्षमा कल्याण	115-116
36	जात्रिडा भई "	रूपचन्द	116-121
37	आबूजी स्तवन "	गौडीदास	121-122
38	मैं खडी राजुल "		122वां
39	टुक निजर में है "	रूपचन्द	122-123
40	छोटी सी जान "	आणन्द	123वां
	915/29422		
1	स्वामी चरण परवाल (पद)	नाथ	1
2	मेरा जीव डोल गया "	खुशाल	1
3	सांवरो नेम प्यारो "	नाथ	"
4	छवि चन्दा प्रभु की "	नंद	"
5	दर्शन दो दुख भाजै "	कल्याण विजय	"
6	दादा चिनजीव सुख "	कुाल सुरिन्द	"
7	जो भजो रे भाई "	सौभाग्य सूरि	"
8	वरहि न आण्यो "	जिनहर्ष	"
9	श्री गणधर गुरु "	राज	"
10	कुशल गुरु दर्शन "	खेमरतन	"
11	छत्रपति धरो पाय "	जिनकुशल	"
12	कैसे कैसे अवस मैं "	"	"
13	भाया भगती सूं "	जिनहर्ष	"
14	मैं निरख्या गुरु म्हारा "	"	"
15	मेरी अर्ज सुनो गुरु "	रंग विनय	"
16	मधुवन में जाय "	क्षमा	"
17	बिसरे मत ना "	चतुर कुशल	"
18	होरी खेलो रे "	कमल नयन	"
19	नेम स्याम से कही "	"	"
20	गढ गिरनार की तलहटी		"
	917/27560		
1	प्रभुजी से लागो म्हारो		1
2	देखत चन्द चकोर		"
3	चालो सखी वन्दन जाइयै		"

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
4	मुजरा साहिब-मुजरा साहिब		,,
5	वीर जिनवर कौन सुणावै		,,
6	जिनवर की महिना		,,
7	श्रीचन्द्र प्रभु जिनवर		,,
8	अरज सुणो रूध राजिया		,,
9	गौडी पार्श्वनाथ स्तवन		,,
10	शिखर जी स्तवन		,,
11	सीमन्धर स्तवन		,,
12	जय-जय त्रिभुवन आदिनाथ		,,
13	प्रभुजी सुं मोरी लगन		1-2
14	सीमन्धर स्तवन		2
15	देखो भाई आज रिखभ		,,
16	आज महोछव रंग रली		,,
17	लावणी		,,
18	पारसनाथ म्हारे		,,
19	हां रे चतुर नर		,,
20	किसी की खोटी		,,
21	मैं बलिहारी जाउं		,,
22	माई री मैं तो		,,
23	ध्यान बधाई मौतडै		,,
	936/28414		
1	जीवोत्पत्ति सज्झाय		8
2	चैत्यवन्दन		1-5
3	महावीर जिन स्तुति	समयसुन्दर, र.स्था. जैसलमेर	5-10
4	सुक्रत-दुक्रत सज्झाय	लावण्य समय	10-13
5	चेलणा राणी सज्झाय	समयसुन्दर	13-14
6	नन्दीषेण साधु सज्झाय	जिनहर्ष	14-16
7	भूधर री विनती	भूधर	17-19
8	जिन वज्रधर विहरमाण विनती	देवचन्द्र	19-21
9	मन उपदेश सज्झाय	महमद	21-23
10	साधु सज्झाय	भूधर	23-26
11	ऋषभ जिन सज्झाय	जिनचन्द्र सूरि	26-28

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
12	ऋषभ जिन सज्झाय स्तवन	मूलचन्द, लि.क. पं. श्री चंदेण, लि.स्था. सागर, लि.का 1890	28-29
13	दो जिन पद	मालदास, जिनराज	30वां
14	चित्र		31वां
15	चन्द्रगुप्त राजा के सोलह स्वप्न	भद्रबाहु, र.का. 1615 लि.क. जैमल लि.क. 1890	3240
16	गौतम स्वामी स्तवन	समयसुन्दर	42-43
17	चित्र		44
18	दादाजी स्तवन	जिनकुशल	45-46
19	सबद अमृतसत रे लखन		3
20	हिसाब के पत्र		5
21	गौडी पार्श्वनाथ वृद्ध स्तवन	विमलप्रभु	1-11
22	संबोध अठोतरी	नारणा, र.का. 1858	11-24
23	अंजना महासती रास	लि.क. पं. फतैचन्द लि.स्था. मिर्जापुर लि.क. 1902	41-88
	956/28937		
1	कल्याण कद पढम जिणन्द		1 ला
2	दिल सकल मनोहर	विजय	1-2
3	श्री नेमि जिणेसर स्तवन	भावसागर	2 रा
4	श्री नेमि पंचरूप	रितु कुशल	''
5	श्रावण सुदि दिन पंचमी	विजै	2-3
6	पांचमी थोउ चतुर्थ	''	3 रा
7	आठमी थोउ		''
8	'' '' बीजी	ज्ञान विमल	3-4
9	'' '' त्रिय	सुखसूरि	4 था
10	ग्यारस री प्रथम स्तुति	गुणहर्ष	''
11	इकादशी री द्वितीय ''	लालविजय	4-5
12	'' '' तृतीय	विनय	5वां
13	'' '' चतुर्थ	हर्ष विजय	''
14	पाखी नी स्तुति		5-6
15	चतुर्दशी नी त्रिय स्तुति	नयविमल	6ठा

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
16	पंजूषणा पर्व नी प्रथम ''	शांति कुशल	6-7
17	'' '' बीजी	विजयक्षेम	7वां
18	'' '' त्रिय	''	7-8
19	'' '' चतुर्थ	''	8वां
20	ऋषभदेव '' तृतीय	विजयसेन सूरि	''
21	'' '' द्वितीय	मोहन	8-9
22	'' '' तृतीय	विजय	9वां
23	शांतिनाथ- ''		''
24	शत्रुंजय तीर्थ ''	विजयसेन	9-10
25	सिद्धचक्र प्रथम ''	''	10वां
26	'' द्वितीय ''	विमल	''
27	'' त्रिजी ''	विजय	10-11
28	पार्श्वनाथ- ''	''	11वां
29	महावीर जिन ''	''	11-12
30	स्तुति		12वां
31	सीमन्धर स्तुति		''
32	स्तुति	गुणरत्न कमल	''
33	रोहिणी स्तुति	जिनभक्ति	12-13
34	दिवाली ''	लालविजय	13वां
35	पोशी दशम ''	राज विजै	''
36	सिद्धाचल ''	रंगविजै	13-14
37	सीमन्धर ''	शांतिकुशल	14वां
38	अध्यात्म ''		''
39	नंदीश्वर ''		14वां
40	नेमनाथ गिरनार ''	संघविजय	14-15
41	महावीर दिवाली पर्व ''	लाभ विमल	15-16
42	ऋषभ	लि.क. हर्षभराय मोहनविजय	16

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
	1027/29325		
1	जग जीवन जगवाल हो (पद)	जस विजय	59वां
2	अवगुण करा छोरी गोरी ''	भाणचन्द	59-60
3	दास जाण मोही ''		60वां
4	अटकै नैना जिन ''	नवल	''
5	मेरे रिद कमल ''	गुण विलास	''
6	मत छोडो म्हानै ''		61वां
7	सहेलडी हे बालम ''	ज्ञानसागर	''
8	मेरा दिल ''	पदम	''
9	पार्श्वनाथ लघु स्तवन (क्रोड पत्र)		1
	1123/27957		
1	सिद्धेश्वर रूप वर्णन स्तवन		175
2	पारसनाथ रो सिलोको	लि.का. 1851	176-178
3	सोलह सुपना री ढाल	भद्रबाहु	178-179
4	छह गोलाकार चित्र, जिन के सोहल सती रा आदि के नाम		180-183
5	छोटी वार्त्ता		184
6	दूहा एवं यंत्र		185
7	भजले रे	- पद	186-186
8	नवपद के गुण गाय	- पद	186
9	सुण बहिनी प्रिउडो	- पद	186-187
10	अयमंता सज्झाय (अपूर्ण)	लक्ष्मीरत्न	187-188
11	कवित्त	मानसिंघ	190
	1145/29055		
1	बारै मासै रा दूहा		1
2	नेम राजीमति स्तवन	जीतसागर गणि	''
3	गौडी पार्श्वनाथ स्तवन		2
4	वरकांण पार्श्व स्तुति	सं. 1791	''
5	आज री ढोलो प्राहुणौ	रामविजय	''
6	नेमी राजुल गीत		3
7	ले ले री नाम सखन में मेरो		''
8	नेम राज जी मन्यौ स्वाध्याय		4

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
9	पार्श्व प्रभु स्तवन		''
10	नेमी राजीमति गीत		4-5
11	पार्श्व जिन स्तवन	जिनलाभ सूरि	5
12	सवइयो		''
13	बारहमासा (जैन)	फूलां	5-9
14	''		6
15	नेम राजुल लेखगीत	जिनहर्ष	6-7
16	बारहमासो	लाभोदय	7
17	नेम राजुल बारहमासो	देवचन्द	8
18	बारहमासो	जिनहर्ष	8-9
19	मनै प्यारो लागै छै पास जी, पद (अपूर्ण)		9
20	पंचमो रस (अपूर्ण)	रूपचन्द	12
21	षट् रस	''	''
22	सप्तम् ''	''	''
23	अष्टम् ''	''	''
24	जिन गुण वेलडियां-पद (अपूर्ण)		''
25	नेम जी रो बारहमासो	लाभोदय, र.का. 1689	13
		1150/28945	
1	बाहुगीत	जिनसागर	2रा
2	सुबाहुगीत	''	''
3	सुजात स्वामी गीत	''	2-3
4	स्वयंप्रभु ''	''	3रा
5	ऋषभानन ''	''	''
6	अनंतवीर ''	''	3-4
7	सूर प्रभु ''	''	4था
8	विशाल ''	''	''
9	वज्रधर ''	''	4-5
10	चन्द्रानन ''	''	5वां
11	चन्द्र बाहु ''	''	''
12	भुजंग स्वामी ''	''	5-6
13	ईसर ''	''	6ठा
14	नेमिश्वर ''	''	''

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
15	वीरसेन ,,	,,	6-7
16	महाभद्र ,,	,,	7वां
17	देवज सा जिनेश्वर ,,	,,	7-8
18	अजीतवीर्य ,,	,,	8वां
	1151/28119		
1	सीमन्धर स्तवन	जिनराज	149वां
2	युगमंधर ,,	,,	,,
3	बाहु ,,	,,	,,
4	सुबाहु ,,	,,	,,
5	सुजात ,,	,,	149-150
6	स्वयं प्रभु ,,	,,	150वां
7	ऋषभानन ,,	,,	,,
8	अनंतवीर ,,	,,	,,
9	विशाल ,,	,,	,,
10	सूर प्रभु ,,	,,	,,
11	वज्रधर ,,	,,	151वां
12	चन्द्रानन ,,	,,	,,
13	चन्द्रबाहु ,,	,,	,,
14	भुजंग स्वमी ,,	,,	,,
15	नेमिप्रभु ,,	,,	151-152
16	ईश्वरप्रभु ,,	,,	152वां
17	वीरसेन ,,	,,	,,
18	देवज सा ,,	,,	,,
19	महाभद्र ,,	,,	,,
20	अजीतवीर्य ,,	,,	,,
21	विहरमान ,,	,,	,,
	1297/27065		
1	धन्ना ऋषि सज्झाय	समयसुन्दर, र.स्था अकबराबाद	15
2	अरणक मुनि सज्झाय	समयसुन्दर	,,
3	आत्म सज्झाय गीत	राजसमुद्र	15-16
4	सीमन्धर रो स्तवन	,,	16
5	आदिनाथ रो स्तवन	,,	16-17

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
6	पंचमी स्तवन मूल	जिनचन्द्र सूरि	17
7	इला पुत्र सज्झाय		17-18
8	ज्ञान पंजमी स्तवन	समयसुन्दर	18
9	मृगा पुत्र सज्झाय	जिनहर्ष	18-19
10	अनाथी सज्झाय	समयसुन्दर	19
11	अरणक मुनि सज्झाय	,,	19-20
12	थूल भद्र सज्झाय	लालचन्द	20
13	काकन्दी धन्ना सज्झाय		,,
14	काया सज्झाय	महमद	,,
15	महावीर तप सज्झाय		20-21
16	नन्दीषेण सज्झाय	जिनराज	21
17	नेमि राजीमति सज्झाय	जिनहर्ष	,,
18	चित्र संभूति सज्झाय	राजहर्ष	21-22
19	बाहुबली सज्झाय		22
20	मेघ कुमार गीतन्	पूनो	22-23
21	डंडण	जिनहर्ष	23
22	चेलण सज्झाय	समयसुन्दर	,,
23	साधु गुण सज्झाय	जोगिन्द	23-24
24	धन्ना शालिभद्र सज्झाय	राजसमुन्दर	24
25	अरहन्ना ऋषि गौतम	जिनराज	,,
26	असिसाई स्तवन		24-25
27	सच्चित्रा सचित्र विवरण सज्झाय	विनयविमल	25-26
28	काउसगा उगणी सदोष सज्झाय	पं. धीरविमल	26
29	बावीस अभक्ष सज्झाय	लक्ष्मी रतन सूरि	27
30	जीव काया सज्झाय	राजसमुन्द्र	,,
31	नन्दिषेण सज्झाय	ज्ञानसागर	,,
32	बाहुबली सज्झाय	समयसुन्दर	27
33	नींद सज्झाय	मुनि कनक विधान	27-28
34	चित्र सज्झाय	विजय देव सूरि	28
35	काया सज्झाय	रतन तिलक	,,
	1311/28602		
1	नव पद सिद्धचक्र स्तवन (अपूर्ण)		1

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
2	सिद्धचक्र स्तवन		1-2
3	,, ,,	कीरतसागर	2
4	,, ,,	जिनलाभ	3-4
5	वीस स्थानक स्तुति	देवचन्द्र	4-6
6	नव पद स्तुति	भीमराज	6-7
7	ऋषभ जी ने सर प्रीतम म्हारो पद (अपूर्ण)		7
8	रोहिणी स्त्वन	श्रीसार	8-12
9	पोरसी पद		13
	1347/27029		
1	सात व्यसन री सज्झाय		1
2	सीता-सति री सज्झाय	जिनहर्ष	,,
3	खबर नहीं है जग में पलकी	अखमल	,,
4	पार्श्व जिन आरती		1-2
5	ऋषभ देव री लावणी		2
6	त्रेणीसभा जिनराज जोडी थाहरी (पद)		,,
7	होरी खेलीय (पद)	जिनचन्द	,,
8	शीतल जिन पद		,,
9	नेम जिन पद	आनन्द	2-3
10	माई रंग भर खेलेंगे धमाल		3
11	आदिनाथ पद		,,
12	पदनप्रभु जी रा गीत		,,
13	पदमप्रभु जी रा धमाल		,,
14	कित जाण मतै मेरे प्राणनाथ	आणन्दघन	,,
15	वसन्त पद	हर्षवाचक	,,
16	जिन मन्दिर जय-जयकार अैसो	जिनलाभ	,,
17	जोवन पाहुना यह जात न लागै वार	समुद्रविजै	3-4
18	पार्श्वनाथ जी स्तवन	जिनचन्द्र	4
19	प्रभुजी स्तवन	जिनचन्द्र	,,
	1348/27201		
1	छमासी रो स्तवन	सेवक	1
2	बारामारी रो स्तवन	बालचन्द	1-2

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
3	पखवाड़ै रो मुनि सुव्रत जिन स्तवन	जिनचन्द्र	2-3
4	सोलिया स्तवन		3
5	चवदै पूर्व रो स्तवन	बालोचन्द, लि.क. 1896	4-5
6	आगम सज्झाय	लालचन्द	5-6
7	रोहिणी स्तवन	श्रीसार	6-8
8	अट्ठाबीस लब्धि स्तवन	विजय हरख. लि.का. 1726, लि.स्था. लूणकरणसर	8-9
9	दस पच्चखाण	रामचन्द्र	9-11
10	आलोयणा स्तवन	समयसुन्दर	11-12
11	नवकार मंत्र स्तवन	पदम राज गणि	12-13
12	विहरमान स्तवन	समयसुन्दर	13
13	अष्टापद स्तवन	''	''
14	नन्दीश्वर स्तवन	जैनचन्द्र	13-14
15	ऋषभ स्तवन	साधु कीर्ति	14-15
16	स्थानक स्तवन	वसतौ मुनि	
	1349/27848		
1	सोलिया स्तवन		1
2	छमासी स्तवन		1-2
3	बारहमासी रो स्तवन		2
4	पखवाड़ै रो मुनि सुव्रत जिन स्तवन		3-4
5	दस पच्चखाण स्तवन		4-5
6	चवदै पूर्व स्तवन		5-7
7	'' '' रो गुण		7
8	आगम स्तवन		7-8
9	आगम 45 रो गुणनो		8
10	नन्दीश्वर स्तवन		9
	1350/27955		
1	देव हुआ भव पाछलैं		155
2	साध संगत हुआ पाछै		155-157
3	धीरज जीव धरै		157

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
4	दूहा		157-158
5	सोहे सोरठा देश (ऋषभ जिन स्तवन)	लि.क. अमृतधर्म वाचक p/o क्षमा कल्याण पाठक	160
6	शीतलनाथ जिन स्तुति	जिनलाभ	163
7	सिद्धचक्र स्तुति	''	''
8	अजीत जिन स्तुति	''	''
9	पंजूसणां परबनी स्तुति	''	163-164
10	आलोयणा		164
11	काठीया		''
12	अष्टमी स्तुति		''
13	शीतल जिन स्तवन	जिनलाभ	''
	1351/27969		
1	पार्श्व जिन स्तवन		34-35
2	दोहा कवित्त		35
3	नोकरवाली सझ		36
4	चैत्यवन्दन		37-38
5	उवसर्ग्रहर (भयहर) स्तोत्र		38-39
6	चैत्यवन्दन		39
7	अष्टापद स्तवन	सेवग	40-41
8	सिज्झाय	कुमदचन्द्रगुणी (चिपके पत्र)	41-44
9	कुंथ जिन स्तवन		44-45
10	महावीर नी सज्झाय	देव मनोहर	45-46
11	सामाइक सज्झाय	विद्यासागर	46
12	स्तवन	रूपविजै	47
13	नवकार छन्द		47-49
14	गौडी जिन स्तवन	हेमसागर गणि, 1855	50
15	सुविध जिन स्तवन	आनन्दघन	51
16	अध्यात्म पद		''
17	राजुल रेखता	चन्द्रविजय	52
18	देश आचार मुणिंद		52-53
19	बावीस मा अव्यय रास	उदयविजय	53-54
20	देखो कुडी दुनिया		55
21	उजल दति भाई खुदति		55-56

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
22	आयो री फाग		56
23	दृष्ठथि रामा है दरशर्न		57
24	चिन्ता मन चित न धरी		57-58
25	रेखता-खलक इक रेन का सुपना	मोहन	59
26	रो रो रे सांवलिया साहब	रतनचन्द	60
	1352/28331		
1	यादव कुल की	उदयरत्न	1
2	अैसी होरी	चन्द	''
3	सांवरो सुखदाई	बाल	''
4	वांकै ममता नै धूम	जिनराज	''
5	होरी खेलो रे		''
6	यादव मन मेरो हर	चन्द	''
7	जय बोलो सिद्धार्थ	जिनहर्ष	''
8	इक सुण ले नाथ	अनूपम	''
9	मधुवन में जाय मची	सुद्ध क्षमा	''
10	समकित विन जीव	रूपचन्द	''
11	बिसरे मति नाम	चतुर कुशल	''
12	सारो सोरठ देश	ज्ञान विमल	''
13	अब हम है सामी शरण	सिवभद्र	''
14	होरी खेलीये नर	जिनचन्द	''
15	होरी खेलो नेम	जगतचन्द	''
16	घट की गगरीया	शिवपुर	''
17	होरी भाई मेरो मन	सेवक	''
18	हारे भवि भाई	''	''
19	प्रभु वन्दन सखी	लाला गुंलाब	''
20	पास प्रभु से मेरी	सेवक	''
21	रथ बैठा महाराज	''	''
22	सखी श्याम वरण	चैन विजय	''
	1353/28608		
1	आराधन स्तवन	समयसुन्दर (आदि अपूर्ण)	1-7
2	अरज सुणीजै कीजै (दादा जी गीत)	सुमतरंग	8
3	गाजे गाजे रे एकल मल धीग (अपूर्ण)		10

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
4	आठाबीस लब्ध जाणवी (लि.क. रूपचन्द, लि.का 1825)	धर्मवर्द्धन	11-16
5	चौबीस तीर्थंकर गीत	समयसुन्दर	17
6	दरसण को उमाही	जगतराम	18
7	मल्लि जिन गीत	समयसुन्दर	19
8	अैसो प्रभु पाय विरणु क्यूं रे	जगतराम	''
9	गौडी पारसनाथ (अपूर्ण)	जिनसमुद्र	20
10	मुर देवा माता इवडूं आखै	समयसुन्दर	''
11	ऋषभ देव बाल लीला	जिनसमुद्र	21
12	कल्याण मन्दिर भाषा	कुमदचन्द	22-28
13	दसारण भद्र स्तवन		28-29
14	औरन से रंग न्यारा न्यारा	रूपचन्द	29
15	गौतम रास		30-38
16	सूर प्रभु स्तवन	जिनराज	38
17	जिन कुशल सूरि गीत	गुणविनय, सं.1824	39
18	साले सुपन		41-41
19	गौडी पार्श्वनाथ स्तवन	प्रीत विमल	42-48
20	लोक चौवदह के पार किनारे	रूपचन्द	48
21	जिन कुशल गुरु प्रणम्या	जिनसुन्दर	49-50
22	जिन राज तुम्हारी	करूणा सागर	50
23	आरती गीत		51
24	पार्श्वदेव स्तवन	श्रीधर	''
25	दोस्तो (गीत)	जिनराज	52
26	पिया विन लागत बूंद कटारी	सूरदास	''
27	आत्म सज्झाय	चरणदास वैरागी	52-53
28	वरस लारी भाव है	सूरदास	53
29	महावीर गीत	कनककीर्ति	''
30	सम्मते शिखर स्तवन	ऋषि हर्ष, सं.1744	54
31	हां रे महावीर रे	आनन्दघन	54
32	पार्श्व जिन द्रुपद	अश्वसेन	55
33	नेम जी गीत	रतन विधान	''
34	गौडी पार्श्वनाथ स्तवन	दीपचन्द	55-56
35	मोही कैसे तारोगे	रूपचन्द	''
36	मै परदेसी दूर की	''	''
37	पारस सवेइया - दूहा		58

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
38	जिनदत्त जी स्तवन	सूरि उदय	59-60
39	दादाजी प्रभाती (गीत)	साधु कीर्ति	60-62
40	मफज संसार अवतारण (अपूर्ण)		62
41	सिंथारा रो विचार		63-70
42	अहो जगत गुरराय सूं		70
43	नेम जी (गीत)	न्यायसागर	71
44	मन भायो राम	राज	''
45	अमल कमल जिन धवल विराजै		72
46	पारसनाथ (गीत)	रूपचन्द	73
47	अपने घर बैठा लील करो	समयसुन्दर	74
48	पार्श्वनाथ स्तवन (अपूर्ण)	जिनचन्द	75
49	पारसनाथ गीत		''
50	अष्टपद स्तवन	सुरनायक	76-77
51	पच्चीस बोल		78-77
52	संवादी वे तालीयै शांति सूराव		83-87
53	साधू भाई अब मैं कीनी ग्यान सराफी		8-89
54	चिन्तामणी पार्श्वनाथ स्तवन		89-91
55	भक्तामर भाषा (अपूर्ण)		92,97-100
56	सीमन्धर स्तवन ('')		93-95
57	धमाल-गीत	जिनचन्द	95-96
58	मेरे हृदय पदमप्रभु	अक्षयनिधान	96
59	गौतम पृच्छा	लि.क. रूपचन्द पं. 1825	101-107
60	पारसनाथ स्तवन	गुनविलास	108
61	अब मोही तारो दीन	''	''
62	सार गज श्री	''	''
63	सीमन्धर स्वामी स्तवन	हरख	109-112
64	आत्म गीत	बनारसी	112
65	महावीर जी स्तवन	समयसुन्दर	113-115
66	अधिक आणन्द होउ (अपूर्ण)		115

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
67	जिन कुशल सूर ध्यायो	कुशललाभ	116
68	दो-कवित्त	जिनकुशल, लखमी,	,,
69	बुधरास	शालिभद्र, लि.क. रूपचन्द, सं.1825	117-122
70	अमै ता चौढालियो	सूरचंलाभ	123-126
71	वैराग-गीत	जिनराज	126
72	गौतम स्वामी (गीत)	समयसुन्दर	126
73	आदिजिन (गीत)	जिनराज	127
74	अजीत नाथ (गीत)	,,	128
75	संभवनाथ (गीत)	,,	,,
76	अभिनन्दन (गीत)	,,	128-129
77	सुमतिनाथ (गीत)	,,	129
78	पसखभ (गीत)	,,	129-130
79	सुपास (गीत)		130-131
80	चन्द्र प्रभु (गीत)	,,	131
81	विद्यानाथ (गीत)	,,	131-132
82	शीतलनाथ (गीत)	,,	132
83	श्रेयांस (गीत)	जिनराज	132
84	सुमति पूज्य (गीत)	,,	132-133
85	विमलनाथ (गीत)	,,	133
86	अनन्त नी नमणी नी (ढाल)	मुनिराज	133-134
87	निधर्म्म नाथ (गीत)	जिनराज	134
88	शान्तिनाथ (गीत)	,,	,,
89	कुंथनाथ (गीत)		,,
90	अरिनाथ (गीत)		134-135
91	मल्लिनाथ (गीत)	जिनराज	135
92	सुव्रत स्वामी (गीत)		135-136
93	नेमीनाथ (गीत)	जिनराज	136
94	नेमीनाथ (गीत)	,,	136-137
95	पार्श्वनाथ स्तवन	,,	137
96	महावीर (गीत)	,,	137-138
97	चौबीस तीर्थंकर गीत	,,	138
98	सतर भेद पूजा		139-147
	1354/29365		
1	सीमन्धर पद	जिनहर्ष	161-162

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
2	जग गुरु श्री गौडी पुर मण्डन		162-163
3	नवकार	पदम	163-166
4	शत्रुंजय ऋषि तस मो सरया	समयसुन्दर	166-169
5	प्रह उठी गौतम प्रणमीजै	''	169-171
6	हूँ तो जाउ रे शिखर गिर जातरा	जिनचन्द्र	171-173
7	पावापुर महावीर जिनसेर	''	173-174
8	उठो रे मोरा जिनेसर	''	174-175
9	अंगन कल्प फल्यौ री हमारे माई	समयसुन्दर	175-176
10	जागो मेरे लाल विसाल	जिनहर्ष	176-177
11	तीरख पती त्रिभुवन सुखदाई		177-179
12	मो मन वीर सुहावै		180
13	वासपूज्य जिन विनती		180-181
14	चित सेवा प्रभु	जिनलाभ	181-182
15	प्रभु जी सूं मोरी लगन लगी	आनन्द रतन	182
16	आज आपै चालो सहीयो	जिनचन्द	182-185
17	अंग उमाहो मोनै अति घणो	''	185-187
18	यात्रा निणाणु करीयै विमल गिरि	पदम	187-188
19	सिद्धाचल गिरि भेंट्या रे	क्षमारतन	188-190
20	श्री सिद्धाचल मण्डल स्वामी रे	लालचन्द	190-192
21	नवपद के गुण गाय रे		192-193
22	मेरे पास प्रभु जी के	जिनचन्द	193-194
23	अैसे नेम कुमर खेले वसन्त	समुद्रविजय	194-195
24	वीनतडी अब धारो हो	जिनचन्द	195-196
25	रंग मच्यो जिनद्वार	रतनसागर	197-198
26	मुनि सुव्रत मेरे मन हर्यो रे	जिनलाभ	198
27	गढ गिरनार की तलहटी	हरखचन्द	199-200
28	होरी खेलो रे भवि		200-201
29	नेम निरंजन ध्यावो रे	भूषण	201-202

क्र.	ग्रंथ का नाम	कर्त्ता	पत्र संख्या
1	2	3	4
30	यादव मन मेरो हर लिया	चन्द	202
31	सद्‌गुरु को ध्यान हृदय मेरे	क्षमाकल्याण	202-203
32	बलिहारी हूँ कुसल सूरीसर की	जिनचन्द	203-204
33	कैसे-कैसे अवसर में	कुशल सुन्छर	204-205
34	सद्‌गुरु जी तमै सांभलो		205-207
35	सद्‌गुरु श्री जिन कुशलरीदं	जिनचन्द	207-208
36	हूँ तो मोहि रह्यो जी महाराज	जिनकुशल	209
37	दादा चिरजीवौ	जिनचन्द	209-212
38	हूँ तो अरज करूँ कर जोड	कविराज	212-214
39	ऋषभ जिनेसरा त्रिभुवन	लालचन्द	214-217

परिशिष्ट - ख
ग्रन्थ कर्ता एवं टीकाकार अनुक्रमणिका

T